बालाघाट
बुधवार 12 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 50
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

संसेक्स	-	83,871.32
निफ्टी	-	25,694.95
सोना	-	1,25,840
चांदी	-	1,60,000
डॉलर	-	88.45

खास खबर

आजम खां भडकाऊ भाषण केस में बरी

रामपुर। सिविल लाइंस थाने में छह साल पहले सपा नेता आजम खां पर दर्ज भडकाऊ भाषण के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। मंगलवार को हुई सुनवाई में साक्ष्य के अभाव में आजम खां को बरी कर दिया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में तत्कालीन एसडीएम सदर पीपी तिवारी की ओर से सपा नेता आजम खां के खिलाफ भडकाऊ भाषण का मामला दर्ज कराया गया था। यह मामला कोर्ट में विचाराधीन था। इस मामले में अभियोजन और बचाव पक्ष की ओर से अंतिम बहस पूरी हो चुकी थी। मंगलवार को इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के लिए सपा नेता आजम खां दोपहर में कोर्ट पहुंचे, जहां पर मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट शोभित बंसल ने साक्ष्य के अभाव में सपा नेता को बरी कर दिया।

सुखोई लड़ाकू विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

देहरादून। देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान की तकनीकी खराबी के कारण इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। इस फाइटर जेट ने सुबह बरेली से उड़ान भरी थी। बताया जा रहा है कि उड़ान के दौरान विमान के एक इंजन से तेल का रिसाव शुरू हो गया था, जिसके बाद पायलट ने सूझबूझ से यह कदम उठाया। एयरपोर्ट पर उतरने के बाद इस विमान को टर्मिनल से कुछ दूर वीआईपी गेस्ट हाउस के सामने सुरक्षित स्थान पर खड़ा किया गया। बरेली से इंजीनियरों की टीम देहरादून एयरपोर्ट पहुंची, जिसके बाद विमान की तकनीकी खामी दूर करने के लिए काम शुरू कर दिया गया।

निठारी हत्याकांड में आरोपी सुरेंद्र कोली बरी

नई दिल्ली। निठारी कांड के सबसे चर्चित आरोपी सुरेंद्र कोली को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी कर्वेटिव पिटीशन को स्वीकार करते हुए उनकी अंतिम सजा रद्द कर दी और उन्हें पूरी तरह बरी कर दिया। यह मामला 2005-2007 के बीच नोएडा के निठारी क्षेत्र में हुई बालिकाओं की सामूहिक हत्याओं से जुड़ा है, जिसने पूरे देश को हिला दिया था। कोली पर कुल 13 मामलों में मुकदमे चले थे। इनमें से 12 मामलों में वह पहले ही इलाहाबाद हाईकोर्ट से बरी हो चुके थे लेकिन एक मामला ऐसा बचा था, जिसमें उनकी सजा बनी हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि एक ही सबूत और तथ्य के आधार पर 12 मामलों में बरी हो चुके आरोपी को एक मामले में सजा देना न्याय के खिलाफ है।

कुछ ना कहना

ईवीएम की खराबी, हंगामा, मारपीट, बहिष्कार के बावजुद वोटिंग ने तोड़ दिए सारे रिकॉर्ड, दूसरे चरण में 67.14 फीसदी मतदान

एग्जिट पोल्स में एनडीए को बहुमत मिलने का अनुमान

एनडीए को 145-160 सीटें,महागठबंधन को 73-91 मिलने का अनुमान

पटना/नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए मतदान पूरा हो गया है। इस चरण में 3 करोड़ 70 लाख से अधिक मतदाता 122 सीटों पर 1302 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद कर चुके हैं। इनमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाली सरकार के आधा दर्जन से अधिक मंत्री भी शामिल हैं। ईवीएम की खराबी, हंगामा, मारपीट, बहिष्कार के बावजुद वोटिंग ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दूसरे चरण में 67.14 फीसदी मतदान हुआ है। वहीं सभी एग्जिट पोल्स में एनडीए को बहुमत मिलने का अनुमान है। एनडीए को 145-160 सीटें,महागठबंधन को 73-91 मिलने का अनुमान है। हालांकि 14 नवंबर को होने वाली मतगणना में ही साफ होगा कि राज्य में किस गठबंधन की सरकार बनेगी।

बिहार एग्जिट पोल-2025 — सीटें 243 | बहुमत 122

	एजेंसी	भाजपा+	राजद+	जनसुराज	अन्य
1	पोल डायरी	184-209	32-49	--	1-5
2	प्रजा पोल एनालिटिक्स	186	50	--	7
3	मैट्रिज आईएएनएस	147-167	70-90	0-2	2-8
4	टीआईएफ रिसर्च	145-163	76-95	--	3-6
5	पी-मार्क	142-162	80-98	1-4	0-3
6	पीपल्स पल्स	133-159	75-101	0-5	2-8
7	डीवी रिसर्च	137-152	83-98	2-4	1-8
8	जेवीसी पोल	135-150	88-103	0-1	3-6
9	पीपल्स इनसाइट	133-148	87-102	0-2	2-8
10	पोलस्ट्रैट	133-148	87-102	--	3-5
11	चाणक्य स्ट्रैटजीज	130-138	100-108	--	3-5

बिहार चुनाव के दूसरे चरण में 45,399 मतदान केंद्रों पर वोट डाले गए, जिनमें से 40,073 मतदान केंद्र ग्रामीण इलाकों में हैं। कुल मतदाताओं में 1.75 करोड़ महिलाएं हैं। हिसुआ सीट (नवादा) में सबसे अधिक 3.67 लाख मतदाता हैं, जबकि लौरिया, चनपटिया, रक्सौल, त्रिवेणीगंज, सुगौली और बनमखी में प्रत्याशियों की संख्या सबसे ज्यादा (22-22) है। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 सीटों के लिए मतदान हुआ था, जिसमें 65 प्रतिशत से अधिक पोलिंग दर्ज हुई थी। दूसरे चरण में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज सहित नेपाल सीमा से सटे जिलों में मतदान हुआ। सुरक्षित और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए राज्यभर में चार लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। दूसरे चरण में ज्यादातर सीटें सीमांचल क्षेत्र की हैं, जहां मुस्लिम आबादी अधिक है, जिससे यह चरण एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों के लिए अहम बन गया। प्रमुख उम्मीदवारों में जेडीयू के वरिष्ठ नेता बिजेंद्र प्रसाद यादव (सुपौल), भाजपा के प्रेमेंद्र कुमार (गया टाउन), रेनू देवी (बेतिया), नीरेज कुमार सिंह (छातापुर), लेशी सिंह (धमदाहा), शीला मंडल (फुलपरस) और जमा खान (चैनपुर) शामिल हैं।

जमुई में दो समुदायों में झड़प, ईंट-पत्थर चले

जमुई विधानसभा क्षेत्र के झुंडों गांव में मतदान के दौरान दो समुदायों के बीच विवाद मारपीट और पत्थरबाजी में बदल गया। आरोप है कि मतदान केंद्र संख्या 381 और 382 पर पोलिंग पार्टी के एक अधिकारी ने पैसे लिए, जिसके बाद ग्रामीणों ने उसे बंधक बनाने की कोशिश की। इस पर दूसरे समुदाय के लोग नाराज हो गए और झड़प शुरू हो गई। पत्थरबाजी में विशाल कुमार नामक युवक घायल हो गया। घटना में कई घरों को भी नुकसान पहुंचा है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि एक समुदाय ने घर में घुसकर तोडफ़ोड़ की। मौके पर निर्वाचन पदाधिकारी सह एसडीओ सौरभ कुमार, एसडीपीओ सतीश सुमन,खैरा थाना अध्यक्ष और बीडीओ दल-बल के साथ कैंप कर रहे हैं।

एग्जिट पोल्स...महिला वोट नीतीश के साथ

जमीन पर नीतीश कुमार का असर है। भाजपा का संगठन उसकी ताकत है। महिला वोट एनडीए और नीतीश के साथ बना हुआ है। महिला वोट नीतीश के साथ है। सरकार ने 1.21 करोड़ महिलाओं को 10-10 हजार रुपए डिस्ट्रीब्यूट किए हैं। ये बिहार की कुल महिला वोटर का 35 प्रतिशत हैं। भारत में एक परिवार में तीन वोटर माने जाते हैं। 1.21 करोड़ महिलाओं के हिसाब से देखें, तो ये योजना 3.63 करोड़ वोटर्स पर असर करेगी। बिहार में कुल 7.4 करोड़ वोटर हैं, यानी ये स्कीम आधे वोटर बेस पर असर करती है। नीतीश कुमार अब भी काफी लोकप्रिय हैं, खासकर महिलाओं के बीच। पुरुष वोटर्स में कुछ शिकायतें हैं कि नीतीश कुमार की सेहत ठीक नहीं है, लेकिन महिलाएं उन्हें पसंद करती हैं। उन्होंने नीतीश की स्कीम को 10 हजारिया नाम दिया है। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान समाप्त होने के बाद आए एग्जिट पोल में अलग-अलग सर्वे एजेंसियां बिहार में अगली सरकार को लेकर पूर्वानुमान जारी किया है। एग्जिट पोल में एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिलता नजर आ रहा है, जबकि महागठबंधन 73 से 91 सीटों पर आगे नजर आ रहा है। प्रशांत किशोर की जन सुराज के कैंडिडेट 3 सीटों पर कड़े मुकाबले में हैं और पार्टी का खाता खुल सकता है। उधर, असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम सिर्फ एक सीट पर सिमट सकती है। राजद-कांग्रेस को बड़ा नुकसान हो रहा है। महागठबंधन के डिप्टी सीएम कैंडिडेट मुकेश सहनी का खाता खुलना भी मुश्किल नजर आ रहा है। वहीं कई बड़ी सीटों पर उलटफेर की स्थिति नजर आ रही है। इनमें डिप्टी सीएम विजय सिन्हा की सीट लखीसराय, मैथिली ठाकुर की अलीनगर, तेजप्रताप यादव की महुआ, रामकृपाल यादव की दानापुर और सम्राट चौधरी की तारापुर सीट पर फिलहाल कड़ी टक्कर नजर आ रही है।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा, केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा लागू करने की मांग पर केंद्र को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत के संविधान की प्रस्तावना कहती है कि सभी नागरिक राजनीतिक और सामाजिक समानता के हकदार और उस यह हक मिलाना चाहिए हैं। इस देश में सबसे बड़ा अल्पसंख्यक कौन है? महिलाएं हैं। यह (आंकड़ा) करीब 48 प्रतिशत के करीब है। यह (अधिनियम) महिलाओं की राजनीतिक समानता के बारे में है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसतरह के नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप करने को लेकर अदालतों की सीमाएं होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने असम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अंतिम रूप देने की मांग वाली याचिकाओं पर एनआरसी समन्वयक को नोटिस दे दिया है। ये याचिकाएं जमीयत उलेमा-ए-हिंद और आल असम माइनॉरिटीज स्टूडेंट्स यूनियन की ओर से दायर की गई थी, जिसमें केंद्र को अंतिम एनआरसी के बाद की लबित वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी करने के निर्देश की मांग की गई है।

दिल्ली हाईकोर्ट से बाबा रामदेव को बड़ा झटका, तीन दिनों के अंदर पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन हटाएं

नई दिल्ली। योग गुरु बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद को मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने तीन दिनों के अंदर पतंजलि च्यवनप्राश के उस विज्ञापन के प्रसारण पर रोक का आदेश दिया है, जिसमें अन्य सभी च्यवनप्राश ब्रांडों को धोखा (धोखाधड़ी या छल) बताया गया है। जस्टिस तेजस करिया ने डाबर इंडिया बनाम पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड और अन्य के मामले की सुनवाई करते हुए सोशल मीडिया कंपनियों, ओवर द टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म और अनके प्रसारकों को तीन दिनों के अंदर इस विज्ञापन को रोकने का आदेश दे दिया।

जस्टिस करिया ने कहा, 'प्रतिवादी राष्ट्रीय टेलीविजन चैनलों, ओवर द टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म या किसी भी प्रकार की स्ट्रीमिंग प्रणाली, और प्रिंट माध्यमों और वर्ल्ड वाइड वेब/ इंटरनेट पर प्लेटफॉर्म, समाचार पत्रों और अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से विवादित विज्ञापन को तीन दिनों के अंदर हटाएं, ब्लॉक करें या फिर उस निष्क्रिय कर दें।'

हाई कोर्ट की एकल पीठ ने आदेश डाबर इंडिया की उस याचिका पर दिया, जिसमें पतंजलि स्पेशल च्यवनप्राश के हालिया विज्ञापन को अपमानजनक और अनुचित करार दिया था। डाबर की याचिका के अनुसार, विज्ञापन में रामदेव उपभोक्ताओं को चेतावनी देते हुए दिखाई दे रहे थे कि च्यवनप्राश के नाम पर ज़्यादातर लोगों को ठगा जा रहा है। विज्ञापन में अन्य च्यवनप्राश ब्रांडों को धोखा बताया गया था और पतंजलि के उत्पाद को आयुर्वेद की असली शक्ति देने वाला एकमात्र असली च्यवनप्राश बताया गया था।

इसके पहले पिछली सुनवाई पर दिल्ली कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखकर पतंजलि आयुर्वेद से पूछा था कि वह अन्य च्यवनप्राश उत्पादों को 'धोखा' कैसे कह सकता है? कोर्ट ने कहा था कि योग गुरु रामदेव की पतंजलि को अपने विज्ञापनों में किसी अन्य शब्द के इस्तेमाल पर विचार करना चाहिए। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि पतंजलि को अपने उत्पाद और अन्य उत्पादों की तुलना की अनुमति तब है, लेकिन अन्य उत्पादों का अपमान करने की अनुमति नहीं है।

कैसे चैनल झूठी खबरें चला सकते हैं, जो हो रहा है, वह माफी के लायक नहीं- हेमा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र की तबीयत को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की खबरें आ रही हैं। इस बीच उनके परिवार और अभिनेता सनी देओल की टीम की ओर से जानकारी सामने आई है। धर्मेंद्र के परिवार ने अफवाहों को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक धर्मेंद्र की हालत स्थिर है और वह डॉक्टरों की देखरेख में हैं। सनी की टीम ने कहा कि वे रिकवर हो रहे हैं। हम सब उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करें। टीम ने बताया कि वह लगातार मीडिया से संपर्क में हैं और धर्मेंद्र की तबीयत पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की अफवाह पर रोक लगाने की अपील की है।

बता दें धर्मेंद्र की तबीयत को लेकर झूठी खबरें सोशल मीडिया पर रातों-रात फैल गई थीं। कुछ टीवी चैनलों और सोशल मीडिया अकाउंट्स ने बिना पुष्टि के दावा कर दिया था कि अभिनेता धर्मेंद्र का निधन हो गया। इन खबरों को देखकर कई नामी हस्तियों और राजनीतिक नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि संदेश भी साझा कर दिए, लेकिन कुछ ही घंटों में धर्मेंद्र के परिवार ने इन खबरों का खंडन किया और कहा कि अभिनेता का इलाज चल रहा है। अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया पर इन झूठी खबरों की निंदा की। उन्होंने लिखा- जो हो रहा है, वह माफ करने लायक नहीं है। कैसे जिम्मेदार चैनल किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबरें फैला सकते हैं जो अभी इलाज करा रहे हैं और ठीक हो रहे हैं?

समाज की बैठक का आदिम फैसला!! "हमारे पांव छुकर इक्कीस सौ रूपये का दण्ड भरो!!"

बालाघाट का एक खाप चार महीनों से समाज से बहिस्कृत करने का निःशब्द करने वाला घटनाक्रम

बिरसा ब्लांक चिचगांव की घटना 14 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज, बेटे की शादी में बाबा जुमदेव पंथ के अनुयायियों को बुलाना महंगा पड़ा

सिटी रिपोर्टर
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बेटे की शादी में बाबा जुमदेव पंथ के अनुयायियों को आमंत्रित करना एक व्यक्ति को उस समय महंगा पड़ गया जब इस व्यक्ति को उसी के समाज के लोगों द्वारा प्रताड़ित किया जाने लगा। यहा तक की समाज की बैठक में इस व्यक्ति से पैर पड़वाया गया और उसे 2100 रुपये अर्थ दंड से भी दंडित किया गया। यह घटना बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चीचगांव की है। पिछले चार माह से अपने ही समाज के लोगों द्वारा किये जा रहे अपमान से व्यथित महेन्द्र रहांगडाले निवासी चिचगांव ने बिरसा पुलिस थाने की शरण ली है। बिरसा पुलिस ने इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर संतराम राणा ग्राम करहु मोहगांव मलाजखंड, लाभसिंह बिसेन ग्राम दुधी थाना बिरसा, सालिकरामपटले ग्राम सायल मलाजखंड, रमेश तुरकर ग्राम दरबारीटोला बिरसा, राहंगडाले ग्राम मरारी टोला थाना बिरसा, भवानी तुरकर ग्राम बिरसा, दशाराम राहंगडाले ग्राम सीतापुर मोहगांव मलाजखंड, खिलेंद्र टेम्भरे ग्राम सीतापुर थाना मलाजखंड, खेलेश्वर ठाकरे ग्राम कटंगी पल्हेरा मलाजखंड, दोहाराम बोपचे ग्राम सायल पल्हेरा मलाजखंड, पुनाराम बोपचे ग्राम सायल पल्हेरा मलाजखंड, राधेलाल तुरकर ग्राम बिरसा, मुन्नीलाल बिसेन ग्राम दूधी बिरसा, सुशील ठाकरे ग्राम रमगढ़ी थाना बिरसा, के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महेन्द्र रहांगडाले अपने परिवार के साथ कृषि कार्य करते हैं। इसी वर्ष 7 मई 2025 को महेन्द्र रहांगडाले के बेटे की शादी का कार्यक्रम संपन्न हुआ था। महेन्द्र रहांगडाले ने अपने बेटे की शादी में आसपास के गांव के सभी समाज धर्म मानने वाले लोगों को शादी में आने के लिए निमंत्रण दिया था। महेन्द्र रहांगडाले के बेटे की शादी में संतराम राणा , लाभसिंह बिसेन , सालिकरामपटले रमेश तुरकर,नरेंद्र राहंगडाले भवानी तुरकर , दशाराम राहंगडाले , खिलेंद्र टेम्भरे , खेलेश्वर ठाकरे, दोहाराम बोपचे , पुनाराम बोपचे, राधेलाल तुरकर , मुन्नीलाल बिसेन, सुशील ठाकरे, शादी में नहीं आए थे। शादी के कुछ दिन बाद ही सालिकराम पटले ग्राम सायल निवासी के द्वारा महेन्द्र रहांगडाले के विरुद्ध शादी में बाबा जुमदेव पथ मानने वालों को बुलवाने का आरोप लगाते हुए पवार समाज के प्रमुखों को एक लिखित आवेदन दिया गया था। इस संबंध में 15 जून 2025 को बिरसा सर्कल की समाज सेवक भरत लाल पटले के द्वारा पवार समाज की बैठक पवार मंगल भवन कैंडाटोला बिरसा में रखी गई थी। इस बैठक में महेन्द्र रहांगडाले को भी बुलाया गया था। इस बैठक में पवार समाज सर्कल बिरसा,एवं पवार समाज सर्कल मंडई की 80 से 90 लोग उपस्थित थे। उनके बीच में महेन्द्र रहांगडाले को कहा गया कि तुम हमारे समाज से बाबा जुमदेव पंथ में चला गया है यह कहकर अश्लील गालियां दी गई । वहा पर महेन्द्र रहांगडाले की बात सुनने से इंकार कर दिए। और कहां गया कि महेन्द्र रहांगडाले ने जुमदेव पथ मानने वाले को अपने घर की शादी में बुलाया था। यह व्यक्ति छुआछूत योग्य है। इसे छुआ लग गया है और समाज की इस बैठक में महेन्द्र रहांगडाले को दंडित करने का निर्णय लिया गया। और समाज की बैठक में इस व्यक्ति से समाज के अध्यक्ष संतराम राणा ,सालिकराम पटले के पैर पड़वाया गया। क्षमा नहीं करने के बाद समाज के द्वारा 2100 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। इस व्यक्ति को समाज का यह निर्णय मंजूर नहीं था। उस दिन से ही यह व्यक्ति मानसिक तनाव में रहने लगे। उन्होंने यह सोचकर रिपोर्ट नहीं किया था कि रिश्तेदारी एवं सामाजिक संबंध ठीक हो जाएंगे। किंतु अभी तक कोई सुधार नहीं हो पाया। महेन्द्र रहांगडाले ने समाज के इन लोगों के विरुद्ध आये दिन प्रताडित किये जाने का आरोप लगाते हुए 10 नवंबर को अपने शुभचिंतक के साथ रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंचे। बिरसा पुलिस ने इस व्यक्ति के द्वारा की गई रिपोर्ट पर उक्त 14 नामजद लोगों के विरुद्ध धारा 296बी,356(2),3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

पीएम आवास योजना की आस में खैरी के ग्रामीण खुले आंसमान में बसर कर रहे

ग्राम पंचायत खैरी की आधा दर्जन महिलाओं ने सौपा ज्ञापन, पीएम आवास योजना का लाभ देने की लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

एक ओर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा बेघर निर्धन लोगो को पीएम आवास योजना के तहत पक्के मकान बनाकर देने, का दावा किया जा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर जिले में ऐसे कई हितग्राही है जो प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलने की राह देख रहे हैं। लेकिन लाख जतन के बावजूद भी उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिससे हितग्राहियों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। ताजा मामला जिला मुख्यालय से महज 3 किमी दूर ग्राम पंचायत खैरी का है ।जहां की लगभग आधा दर्जन से अधिक महिलाओं को वर्षो के लंबे इंतजार के बाद भी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नही दिया गया है। जिसके चलते वे झोपड़ी और जर्जर कच्चे मकान में अपनी जिंदगी गुजारने के लिए मजबूर हैं।तो कोई खुले आसमान के नीचे अपने परिवार का गुजर बसर कर रहा है। जिन्होंने पीएम आवास योजना का लाभ दिए जाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिए जाने की मांग की है

योजना के लाभ के लिए किया जा रहा गुमराह

मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में उक्त मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने पहुंची महिलाओं का आरोप है की लाख जतन के बावजूद भी उन्हें पीएम आवास योजना से वंचित रखा गया है।जिन्होंने जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ न देते हुए ,गैर जरूरतमंद लोगों को पीएम आवास योजना का लाभ देने, पीएम आवास योजना के तहत उनके मकान स्वीकृत ना कराने और योजना का लाभ देने के लिए जरूरतमंदों को तरह-तरह से गुमराह किए जाने का आरोप लगाया है, तो वहीं उन्होंने आवेदन निवेदन पर भी समस्या का समाधान न किए जाने की बात कहते हुए तत्काल उनकी समस्याओं का निराकरण कर उन्हें पक्के मकान के लिए आवास योजना की सौगात दिए जाने की गुहार लगाई है।

आवेदन निवेदन पर नहीं हो रही सुनवाई

महिलाओ ने बताया कि हम पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिए जाने की मांग कर रहे हैं लेकिन हमारे आवेदन निवेदन पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जिसके चलते हमारा मकान नहीं बन पा रहा है। पंचायत में जा जाकर कई बार पूछ लिए लेकिन अब तक हमारा नाम सर्वे सूची में नहीं आया है।कुछ का मकान गिर चुका है।कुछ का मकान गिरने की कगार पर है कुछ लोग दूसरों के मकान में रह रहे हैं।तो कुछ लोग खुले आसमान के नीचे तो कुछ झोपड़ी में अपनी जिंदगी गुजर रहे हैं। ग्राम में करीब 10 से 12 लोग ऐसे हैं जिन्हें अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं दिया गया है। वही हमारे आवेदन निवेदन पर सुनवाई भी नहीं हो रही है।हमारी मांग है कि जल्द से जल्द गांव में सर्वे कराकर जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाए।

कभी भी हो सकता हादसा

महिलाओ ने बताया कि ग्राम खैरी के दर्जनों परिवार पिछले पाँच वर्षों से लगातार आवेदन करने और पंचायत कार्यालय के चक्कर काटने के बावजूद आवास योजना का लाभ नहीं पा सके हैं। आसपास की ग्राम पंचायतों में आवास स्वीकृत कर लाभार्थियों को मकान दिए जा चुके हैं, परंतु ग्राम खैरी को अब तक सूची में शामिल नहीं किया गया है।महिलाओ ने बताया कि खैरी पंचायत में कई कच्चे मकान पूरी तरह जर्जर अवस्था में पहुँच चुके हैं, जिनकी दीवारें झुक चुकी हैं और छतें टपक रही हैं। कुछ मकान तो बरसात के मौसम में ढह भी चुके हैं, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की दुर्घटना होती है तो मध्यप्रदेश सरकार स्वयं जिम्मेदार होगी, क्योंकि बार-बार निवेदन के बावजूद अब तक कार्यवाही नहीं की गई है। वे लगातार पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और जनपद अधिकारियों से मिलकर आवेदन दे रही हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही।महिलाओं ने मांग की है कि शासन प्रशासन ग्राम खैरी को जल्द से जल्द प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में शामिल करे, ताकि जरूरतमंदों को अपना पक्का घर मिल सके।

खुले आसमान में कब तक गुजारे जिंदगी- लतेश्वरी

ग्रामीण महिला लतेश्वरी माहुले ने बताया कि हमारा मकान कच्चा था, जो गिर गया है। सरपंच बोल रहे हैं कि आपके पास में 5 एकड़ खेत है, जबकि हमारे नाम से कोई खेत नहीं है ,एक महा पूर्व मकान गिरा है तब से हम खुले आसमान के नीचे जिंदगी गुजार रहे हैं।गांव में करीब 10 से 12 लोग ऐसे हैं जिन्हें पक्के मकान की बहुत जरूरत है लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। हमारे परिवार में दो बच्चे, पति-पत्नी और ससुर ऐसे मिलाकर पांच लोग हैं जो खुले आसमान में जिंदगी गुजार रहे हैं।

टीन के मकान में मजबूरन कर रहे निवास- धनवंता

ग्रामीण महिला धनवंता बाविस्ताले ने बताया कि हमारा मकान गिर चुका है इसीलिए हमने टीन के झोपड़े में रह रहे है।बारिश होने पर घर के भीतर पानी घुसता है ,5-6 वर्षों से हम टीन के मकान में रह रहे हैं लेकिन हमें आज तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है।ठंड में भी टीन के मकान में रहने में काफी परेशानी हो रही है, ओस की बूंदे टपकती रहती है।पूरा घर गीला हो जाता है।तो वहीं गर्मी के दिनों में तेज धूप के चलते हमें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हमारी मांग है कि जल्द से जल्द प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देकर हमे भी पक्की मकान की सौगात दी जाएं।

सतपुड़ा एजुकेशन ग्रुप डायरेक्टर उभरते शिक्षाविद् सम्मान से सम्मानित

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले के लिए गर्व का विषय है कि सतपुड़ा एजुकेशन ग्रुप के डायरेक्टर अंशुल जायसवाल को सेंट्रल इंडिया की प्रतिष्ठित EducationWorld India – TREE Awards 2025 में Emerging Educationist Award (उभरते शिक्षाविद् सम्मान) से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें गजेन्द्र यादव जी, माननीय मंत्री, शासन छत्तीसगढ़ (स्कूल शिक्षा, लघु उद्योग, विधि एवं विधान कार्य विभाग) के करकमलों से प्रदान किया गया। सतपुड़ा एजुकेशन ग्रुप के अंतर्गत संचालित संस्थान सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल, सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड पॉलिटेक्निक, सतपुड़ा आईटीआई, तथा सतपुड़ा बी.एड एवं डी.एल.एड कॉलेज — बालाघाट जिले में गुणवत्तापूर्ण एवं नवोन्मुखी शिक्षा के लिए जाने जाते हैं। इस अवसर पर अंशुल जायसवाल ने कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे सतपुड़ा एजुकेशन परिवार की सामूहिक मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उनका उद्देश्य शिक्षा को अधिक रचनात्मक, व्यवहारिक और भविष्य उन्मुख बनाना है, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी क्षमता को पहचानकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दे सके। यह उपलब्धि बालाघाट जिले के लिए गौरव का क्षण है और निश्चित रूप से क्षेत्र में शिक्षा के नवाचार, गुणवत्ता सुधार एवं युवाओं के सशक्तिकरण के प्रयासों को नई दिशा प्रदान करेगी।

वारासिवनी के होटल आशियाना और सत्कार होटल हुए बंद

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने वारासिवनी में की छापामार कार्यवाही

पद्मेश न्यूज ।वारासिवनी। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले होटल, रेस्टोरेंट्स एवं प्रतिष्ठानों की निरंतर जांच कर खाद्य सुरक्षा अधिनियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में 11 नवंबर को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने वारासिवनी नगरीय क्षेत्र में छापामार कार्यवाही कर बगैर पंजीयन के खाद्य सामग्री का कारोबार करने पर दो प्रतिष्ठानों को बंद कराया है और गंदगी व काकरोच पाये जाने पर दो होटलों को भी बंद कराया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप ने बताया कि 11 नवंबर को खाद्य सुरक्षा अधिकारी वाजिद मोहीब, योगेश डोंगरे, नायब तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरया एवं पटवारी ललित नेवारे की टीम द्वारा बस स्टैंड वारासिवनी स्थित लगभग एक दर्जन खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर छापामार कार्यवाही की गई है। निरीक्षण के दौरान पलक रेस्टोरेंट, आहूजा बेकरी, राठौर होटल, रामबंधु भोजनालय एवं वैशाली राजपुरोहित स्वीट्स के लाइसेंस वैध पाए गए एवं साफ स्वच्छता उचित व संतोषजनक पाई गई। जबकि ताज पान पैलेस बिना रजिस्ट्रेशन खाद्य कारोबार करते पाया गया जिस पर तुरंत उसकी दुकान बंद कराई गई एवं बिना रजिस्ट्रेशन खाद्य व्यवसाय करने का प्रकरण बनाया गया। नागपुरे गिफ्ट कॉर्नर ड्राई फ्रूट सेंटर भी बिना खाद्य रजिस्ट्रेशन के संचालित होना पाया गया जिसे बंद कराकर बिना रजिस्ट्रेशन खाद्य कारोबार करने का प्रकरण बनाया गया ।

होटल में पाये गये काकरोच, चूहे और भारी गंदगी

होटल आशियाना की जांच के दौरान वहां पर अत्यंत गंदगी पाई गई, दीवारों पर फफूंद लगी थी और किचन परिसर में खराब फर्श के कारण गंदगी फैली हुई थी। जिस पर होटल आशियाना का खाद्य लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया एवं होटल को बंद कराया गया । सत्कार होटल बस स्टैंड के निरीक्षण के दौरान मुख्य काउंटर में काफी संख्या मे कॉकरोच पाए गये। होटल के सफाई एरिया में टूटी फर्श एवं गंदगी तथा चूहों की उपस्थिति पाये जाने के कारण होटल को तत्काल दुकान बंद कराया गया और उसका खाद्य लाइसेंस निलंबित कर अस्वच्छता का प्रकरण तैयार किया गया है।

11 नवंबर के निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियिमितता के समस्त प्रकरणों खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अंतर्गत धारा 56 के तहत प्रकरण तैयार कर कार्यवाही के लिए न्यायालय में प्रस्तुत किए जा रहे है। लायसेंस निलंबन अवधि में होटल द्वारा व्यवसाय नहीं किया जाएगा और इसका उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी ।

भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव रथ यात्रा को झंडी दिखाकर किया गया रवाना

बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा विकासखंड के ग्रामों का भ्रमण करेगी रथ यात्रा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जायेगा। इसी कड़ी में 11 नवंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट से जनजातीय गौरव दिवस रथ यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कलेक्टर श्री मृणाल मीना एवं मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन ने रथ यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, छात्रावास अधीक्षक, अधीक्षिकायें एवं अन्य शासकीय सेवक उपस्थित थे। रथयात्रा के शुभारंभ अवसर पर जनजातीय कार्य विभाग की शालाओं एवं छात्रावासों की बालिकाओं द्वारा आकर्षक पारंपरिक लोकनृत्य प्रस्तुत किया गया।

भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव दिवस रथयात्रा 11 नवंबर को कलेक्ट्रेट से प्रारंभ हुई है। यह रथ यात्रा जिले के जनजातीय बहुल विकासखंड बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा के ग्रामों का 15 नवंबर तक भ्रमण करेगी। रथ यात्रा के माध्यम से जनजातीय बहुल बसाहटों में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, अंग्रेजों के खिलाफ उनके संघर्ष एवं बलिदान की गाथा बताई जाएगी। इसके साथ ही ग्रामीणों को केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनजाति कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। इस रथ यात्रा के भ्रमण के दौरान संबंधित ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक द्वारा समन्वय स्थापित कर रथ वाहन का जनजातीय गांव एवं बैगा बसाहटों में भ्रमण कराया जायेगा।

सहायक आयुक्त श्रीमती डामोर ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा गौरव दिवस रथ यात्रा 11 नवंबर को बालाघाट से प्रारंभ होकर उकवा, परसाटोला, भण्डेरी होते हुए आमगॉव पहुंचेंगी और रात्री विश्राम बालक छात्रावास आमगांव में करेगी। 12 नवंबर को रथ यात्रा आमगांव से प्रात: 07 बजे प्रस्थान करेगी और भारी, मोहगॉव, मलाजखण?ड होते हुए बिरसा पहुंचेगी और रात्री विश्राम बालक छात्रावास बिरसा में करेगी। 13 नवंबर को रथ यात्रा बिरसा से प्रात: 07 बजे प्रस्थान करेगी और बिरसा क्षेत्र के ग्रामों का भमण कर दमोह पहुंचेगी और रात्री विश्राम बालक छात्रावास दमोह में करेगी। रथयात्रा 14 नवंबर को दमोह से प्रस्थान कर बैहर होते हुए परसवाड़ा पहुंचेगी और रात्री विश्राम शास.उत्कृष्ट छात्रावास परसवाड़ा में करेगी। रथ यात्रा 15 नवंबर को परसवाड़ा विकासखंड के ग्रामों का भ्रमण कर रात्री में बालाघाट पहुंचेगी।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड राज्य के उलिहातू गांव में हुआ था। भगवान बिरसा मुंडा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नायक, समाज सुधारक एवं मुंडा जनजाति के लोकनायक थे। उन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ आदिवासी प्रतिरोध का नेतृत्व किया और उलगुलान आंदोलन चलाया था। भारत सरकार ने उनकी जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है।

कुण्डामोहगांव के प्राथमिक शिक्षक खिलेंद्र मानेश्वर निलंबित

शराब के नशे में स्कूल आने का मामला

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने शासकीय प्राथमिक शाला कुण्डे के प्राथमिक शिक्षक खिलेंद्र मानेश्वर को शराब के नशे में शाला आने एवं अध्यापन कार्य नही करने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बालाघाट नियत किया जाता है।

किरनापुर विकासखंड के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संकुल कुण्डामोहगांव के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला कुण्डे में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक खिलेन्द्र मानेश्वर के शराब के नशे में विद्यालय पहुंचते है, तथा शराब के नशे में धुत रहने के कारण अध्यापन कार्य कराने की स्थिति में नहीं रहने संबंधी जानकारी संज्ञान मे आने पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री उपाध्याय द्वारा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी किरनापुर एवं विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक किरनापुर का दल गठित कर प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने कहा गया था।

जांच दल द्वारा ग्राम के सरपंच एवं अन्य ग्रामीणों से चर्चा की गई जिसमें बताया गया कि है कि प्राथमिक शिक्षक मानेश्वर शराब पीकर स्कूल में आते हैं। इन्हे अनेको बार समझाया गया किन्तु इनके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। शराब पीकर आने के पश्चात अध्यापन कार्य नहीं करा पाते है एवं छात्र-छात्राओं को गालियां देते है। इस अनुशासनहीनता के लिए इन्हे अनेको बार सरपंच एवं अन्य ग्रामीणों के द्वारा चेतावनी भी दी गई। किन्तु कोई सुधार नहीं हुआ।

प्राथमिक शिक्षक खिलेन्द्र मानेश्वर द्वारा शासकीय कार्य में शिक्षक पद की गरिमा के विपरित अनुशासनहीनता, लापरवाही एवं नशीले पदार्थों का सेवन कर नशे की हालत में अनैतिक आचरण किये जाने के कारण उन्हे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम **AGRESH KUMAR KANKRIYA** था जिसे बदलकर **AGRESH KANKARIA** कर दिया है।

अत: अब से मुझे मेरे परिवर्तित नाम **AGRESH KANKARIA S/o SIDDHA KARAN KANKRIYA** नाम से जाना व पहचाना जावें।

शपथकर्ता
AGRESH KANKARIA
237/1 वार्ड न. 15 राजघाट चौक
बालाघाट(म.प्र.)

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0033/ड-154/2025-26
मौजा गारापूरी, रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका पूर्णिमा नावरे पिता रमेशकुमार नावरे जाति महार, निवासी ग्राम सरेखाकला, तहसील केवलारी, जिला सिवनी द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा गारापुरी, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदिका द्वारा अपनी माताजी स्व. पुस्तकला नावरे पति रमेशकुमार नावरे का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 28.08.1997 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम गारापुरी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 21.11.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 11.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 12.11.2025

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि मै पवन जुडयानी पिता श्री परमानंद जुडयानी उम्र 39 वर्ष जाति सिंधी निवासी सोगापथ वार्ड न. 22 बालाघाट का निवासी हुं।

यह कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम पवन जुडयानी अग्रेजी मे (Pawan Judiyani)अंकित है जो कि पुर्णत: सही है। किन्तु मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम पवन जुडयानी अग्रेंजी नाम(Pawan Judyani) अंकित है जो कि त्रृटिपुर्ण व गलत है।

मेरे आधार कार्ड में दर्ज नाम Pawan Judiyani एवं मेरे पासपोर्ट मे दर्ज नाम Pawan judyani उक्त दोनो ही नाम मेरे स्वयं के है।

अत: मेरे पासपोर्ट में अंकित त्रृटिपुर्ण नाम Pawan judyani को सुधार कर मेरा सही नाम Pawan Judiyani दर्ज किया जावें।

शपथकर्ता
पवन जुडयानी पिता परमानंद जुडयानी
वार्ड न. 22 बालाघाट(म.प्र.)

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट (म.प्र)

क्रमांक/224/अति.कले./वि.अधि. /2025 **बालाघाट दिनांक 10/10/2025**

सार्वजनिक-सूचना
(नियम 6 के अन्तर्गत)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण सुरेन्द्र रहांगडाले उम्र-31 वर्ष पिता श्री जितेन्द्र लाल रहांगडाले जाति पवार निवासी ग्राम हिरबाटोला नगरवाडा तह, व जिला बालाघाट (म.प्र) एवं आवेदिका कु. रीना पांचे उम्र-27 वर्ष पिता श्री शिवराम पांचे जाति मरार निवासी ग्राम बिनोरा तह, किरनापुर जिला बालाघाट (म.प्र.) द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के अन्तर्गत द्वितीय अनुसूचि में उल्लेखित प्रारूप में आशयित विवाह की सूचना / आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त आशयित विवाह की सूचना की एक प्रति इस इस्तहार के साथ संलग्न प्रेषित है। उक्त प्रकरण की नियत सुनवाई दिनांक 12/11/2025 नियत है।

उक्त संबंध मे यदि किसी व्यक्ति / जनसाधारण को आवेदकगण के विवाह मे किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है तो वह अपनी आपत्ति स्वयं व अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय के समक्ष नियत सुनवाई दिनांक 12/11/2025 को उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 10/10/2025 को हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया ।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
बालाघाट(म.प्र.)

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

पालडोंगरी के दो अनाथ बच्चों प्रतीक और कृति को अब मदद मिलेगी

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या, 70 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 11 नवम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, एसडीएम गोपाल सोनी व डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, श्रीस प्यासी ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 70 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में वार्ड नं. 04 वारासिवनी निवासी अजय पारधी प्रधानमंत्री आवास योजना की शेष राशि दिलवाने की मांग लेकर आया था। अजय का कहना था कि वह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गृह निर्माण कर रहा है। अजय को नगर पालिका परिषद वारासिवनी द्वारा प्रथम किश ?त 01 लाख एवं द्वितीय किश्त 01 लाख इस तरह कुल 02 लाख रुपए की दो किश्ते प्राप्त हो चुकी है, जिससे उसने गृह निर्माण कर लिया है। लेकिन अब भी घर का कुछ काम शेष है जिसके लिए उसने प्रधानमंत्री आवास योजना की अंतिम किश्त 50 हजार रुपए दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में सीएमओ वारासिवनी को निर्देशित किया गया है कि मौके पर जाकर गृह निर्माण का कार्य देख ले और आवश्यकता अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें।

जनसुनवाई में ग्राम खारा के कृषक समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए उपार्जन केंद्र खारा को यथावत रखने की शिकायत लेकर आए थे। कृषकों ने बताया कि उपार्जन केंद्र खारा का केंद्र सांई कृपा वेयर हाउस नेवरगांवकला में बनाया जा रहा है, इससे खारा के किसानो को बहुत कठिनाईयो का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि उपार्जन केंद्र खारा में 08 ग्राम आते है और खारा उपार्जन केंद्र खरीदी का बड़ा केंद्र है, जबकि साई कृपा वेयर हाउस में जगह की कमी है वहीं वह हाइवे से लगा हुआ भी है जिसके कारण किसानो को बहुत कठिनाईयो का सामना करना पड़ेगा। इस पर जिला आपूर्ति अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

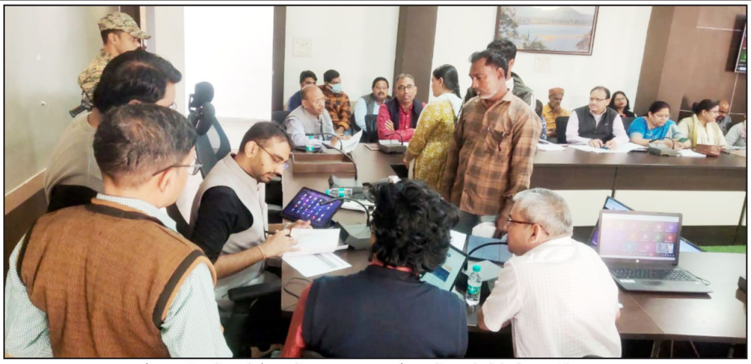

लांजी तहसील के वार्ड नं.10 की दुलारीबाई कश्यप शिकायत लेकर आयी थी कि उसे धारणाधिकार योजना का लाभ नही मिल रहा है। दुलारीबाई ने बताया कि उसने 01 अक्टूबर 2025 को धारणाधीकार योजना अंतर्गत आवेदन पत्र दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर दिया है, किंतु उसे अब तक इस योजना का लाभ प्राप्त नही हो पाया है। जबकि उसके पडोस के रहवासियो को इस योजना का लाभ मिलने लगा है। इस प्रकरण में एसडीएम लांजी को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। लांजी तहसील के ही ग्राम पालडोंगरी निवासी दो नाबालिग बच्चे प्रतिक कावडे एवं कृति कावडे शासन से सहायता की मांग लेकर आए थे। बच्चों ने बताया कि उनके माता पिता की मृत्यु हो जाने के बाद वे अनाथ हो गए है। अब वे अपने नाना नानी के पास लालबर्रा तहसील के ग्राम ददिया में रह रहे है। बच्चों का कहना था कि उन्हें पिता की मृत्यु के बाद की सहायता राशि एवं मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना की राशि का लाभ नही मिला है। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास की जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में लालबर्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत बल्हारपुर के ग्रामीण विद्युत पोल विस्तारीकरण की मांग लेकर आए थे। ग्रामीणों का कहना था कि उनके घर ग्राम से 500 मीटर की दूरी पर है जिस वजह से उनके घर तक विद्युत पोल नही पहुंच पाए है। इस वजह से उनका परिवार रोज अंधेरे में जीवनयापन करता है। इस प्रकरण में एमपीईबी के अधीक्षण यंत्री को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। बालाघाट तहसील के ग्राम खैरी के ग्रामीण शिकायत लेकर आए थे कि उनके ग्राम में बहुत से लोगो को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नही मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना था कि पिछले 05 वर्षो से उनके ग्राम के लोगो को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्राप्त नही हो पा रहा है, जबकि ग्राम में कई मकान क्षतिग्रस्त होकर गिरने की कगार में आ गए है। ऐसे में उन्हें नया आवास निर्मित करना जरूरी हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि उन्हें शीघ्र इस योजना का लाभ दिलाया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील के ग्राम लिंगमारा की शासकीय प्राथमिक शाला कलारीटोला के बच्चे अपने पालको के साथ शिकायत लेकर आए थे कि उनकी शाला में पदस्थ शिक्षक धरम सिंह अहाके सप्ताह में एक दिन स्कूल आते है और सब दिन की हाजरी लगा देते है। वे जब भी स्कूल आते है तो शराब पीकर आते है, जिससे शाला में बच्चों की पढ़ाई नही हो रही है और उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है। शिक्षक अहाके की पहले भी कई बार शिकायत की जा चुकी है और पंचनामा भी बनाया जा चुका है, लेकिन इसके बाद भी उन पर कोई कार्यवाही नही की गई है और न ही उनके व्यवहार में कोई सुधार आया है। शिक्षक अहाके बच्चों एवं ग्रामीणों से कहते है कि मेरा कोई कुछ भी नही बिगाड़ सकता है। इस प्रकरण में सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में विकासखंड बैहर की ग्राम पंचायत नव्ही के ग्राम जालदा के बैगा जनजाति के माहु मेरावी गांव में पुलिया एवं सड़क निर्माण की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि ग्राम जालदा में बैगा जनजाति के लोग रहते है और उनके करीब 20 मकान है। गांव में बच्चें पढ़ने लिखने वाले है लेकिन उनके स्कूल आने जाने के लिए सड़क एवं पुलिया की व्यवस्था नही है। कटंगनाला बारिश के समय ऊफान पर आ जाता है जिसके कारण आने जाने वालों को भारी परेशानी होती है। ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा भी इस पर ध्यान नही दिया जा रहा है। इस प्रकरण में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

खैरलांजी तहसील की ग्राम कुम्हली के शरद कुमार पांडेय शिकायत लेकर आए थे कि कुम्हली पंचायत के ग्राम मानेगांव की नलजल योजना में ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता का कार्य नही किया गया है। पानी की टंकी से पानी का रिसाव होता है और टंकी बनाते समय ही इसमें दरार पड़ गई थी। टंकी से गांव वालो को पर्याप्त पानी भी नही मिलता है। अतः इसकी जांच करायी जाए। इस प्रकरण में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। लालबर्रा तहसील के ग्राम कौड़िया का बनवासी नागेश्वर अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद मृत्यु प्रमाण पत्र दिलाने की मांग लेकर आया था। बनवासी का कहना था कि उसकी पत्नी श्यामलता नागेश्वर की 12 मई 2024 को तेलंगाना के हैदराबाद में दुर्घटना के दौरान मृत्यु हो गई है लेकिन उसका मृत्यु प्रमाण पत्र अब तक प्राप्त नही हुआ है। इस प्रकरण में जनपद पंचायत लालबर्रा के सीईओ को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

खैरलांजी तहसील के ग्राम बेनी निवासी दीपक घासीराम शिकायत लेकर आए थे कि वर्ष 2023 में मनरेगा के अंतर्गत कूप निर्माण के लिए उन्हें 02 लाख 65 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। उसके खेत में कूप का निर्माण कर लिया गया है लेकिन इसकी 01 लाख 55 हजार रुपए की राशि अब तक प्राप्त नही हुई है। अतः इस राशि का शीघ्र भुगतान कराया जाए। इस प्रकरण में जनपद पंचायत खैरलांजी के सीईओ को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट इतवारी लोकल ट्रेन से कटकर युवक की मौत

फिलहाल मृत युवक की नहीं हो सकी शिनाख्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मंगलवार की देर शाम नगर के बैहर चौकी अपोलो स्कूल के समीप उस वक्त सनसनी मच गई, जब बालाघाट से इतवारी की ओर जाने वाली लोकल ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक मौके पर ही मौत हो गई ।हालांकि यह युवक कौन है, कहां का रहने वाला है, कहां से आया था, कहां जा रहा था और यह ट्रेन की चपेट में कैसे आ गया फिलहाल इसकी जानकारी नहीं लग पाई है ।उधर मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची आरपीएफ पुलिस ने कार्यक्षेत्र के बाहर का मामला होने के चलते मामले की सूचना तत्काल कोतवाली पुलिस को दी,जहां सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर, पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की। वहीं युवक के शव को बरामद कर, अज्ञात शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया है ।वही ट्रेन हादसे में मृतक हुए 30 वर्षीय अज्ञात युवक की शिनाख्त शुरू कर दी गई है ।बताया गया कि शव की शिनाख्त होने के बाद, परिजनों की उपस्थिति में शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा ।फिलहाल पुलिस शव की शिनाख्त में जुट चुकी है, तो वही पुलिस व आरपीएफ द्वारा अज्ञात युवक की मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

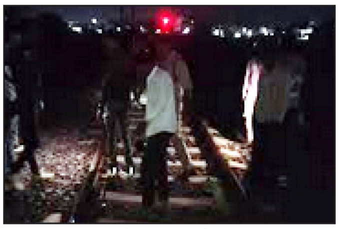

ट्रेन से गिरकर काटने की कहीं जा रही बात

हालांकि यह युवक ट्रेन की चपेट में कैसे आ गया फिलहाल यहां स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेकिन युवक के ट्रेन से गिरकर काटने की बात कही जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोजाना की तरह करीब 5ः30 बजे बालाघाट से कटंगी होकर इतवारी की ओर जाने वाली बालाघाट इतवारी लोकल ट्रेन अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई थी। यह ट्रेन बैहर रेलवे क्रॉसिंग से आगे बढ़कर कटंगी रूट पर बड़ी ही थी कि अपोलो स्कूल परिसर से कुछ दूरी पर यह हादसा हुआ ।आशंका व्यक्त की जा रही है कि यह युवक ट्रेन के डिब्बे के अंदर दरवाजे के पायदान मे बैठा हुआ होगा जो अनियंत्रित होकर रेलवे ट्रैक पर गिर गया। जिसके ऊपर से ट्रेन गुजरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई ।इस हादसे से युवक का एक हाथ और एक पैर पूरी तरह से शरीर से अलग हो चुका है। तो वही मौके पर ही उसकी मौत हो गई ।उधर खबर लिखे जाने तक अज्ञात युवक के शव की खिनाख्त नहीं हो पाई थी।

शराबी शिक्षक को हटाने की मांग को लेकर बच्चों के साथ ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

कहा- शराब के नशे में स्कूल पहुँचते हैं शिक्षक, बच्चों की पढ़ाई पर पड़ा असर

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के शैक्षणिक स्तर को ऊंचा उठाने के लिए सरकार द्वारा प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं ।लेकिन उन विघार्थियों को पढ़ाने वाले कुछ शिक्षकों के चलते, सरकार अपने इस उद्देश्य में सफल नहीं हो पा रही है। हाल ही में किरनापुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालय कुण्डे में एक शराबी शिक्षक शैलेंद्र मानेश्वर का मामला अभी थमा भी नहीं था कि ,अब एक और शराबी शिक्षक की शिकायत जिला प्रशासन तक पहुंच चुकी है ।जिसे हटाने की मांग को लेकर स्कूली बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपते हुए शराबी शिक्षक को तत्काल स्कूल से हटकर, स्कूल को नया शिक्षक दिए जाने की मांग की है ।शराबी शिक्षक की शिकायत का ताजा मामला ग्राम लिंगमारा के अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक शाला कलारी टोला से सामने आया है। यहाँ पदस्थ शिक्षक धर्मसिंह आहके पर लगातार शाला में अनुपस्थित रहने और शराब के नशे में स्कूल पहुँचने का गंभीर आरोप स्कुली बच्चो और उनके अभिभावकों ने लगाया है ।जिसमें उन्होंने शराबी शिक्षक पर सप्ताह में सिर्फ एक बार स्कूल आने, एक बार में ही सप्ताह भर की हाजिरी लगाने और शराब पीकर ही स्कूल आने का आरोप लगाते हुए शराबी शिक्षक की उक्त करतूत को बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया है। तो वही उन्होंने शराबी शिक्षक पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की भी मांग की है।

शराब के नशे में पढ़ाते है शिक्षक

मंगलवार को जनसुनवाई में पहुँचे पालकों और बच्चों ने कि शिक्षक ,सप्ताह में केवल एक-दो दिन ही स्कूल आते हैं, और उन दिनों में भी नशे की हालत में बच्चों को पढ़ाने की कोशिश करते हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है ।छोटे-छोटे छात्रों ने बताया कि शिक्षक स्कूल आने के बाद अक्सर शराब के नशे में रहते हैं, जिससे वे बच्चों को डांटते हैं और पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते। बच्चों ने कहा कि इस कारण वे नियमित रूप से पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं और उनका भविष्य अंधकार में जा रहा है।

पालकों ने की कार्यवाही की मांग

पालकों ने बताया कि उन्होंने इससे पहले भी कई बार शिकायतें कीं है। लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। शिक्षक को समझाइश देने के बाद भी उनके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। पालकों ने कहा कि यह स्थिति अब असहनीय हो गई है और उनके बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप पड़ चुकी है ।पालकों ने कलेक्टर और शिक्षा विभाग से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि शिक्षक धर्मसिंह आहके को तत्काल शाला से हटाया जाए और उनकी जगह नए योग्य शिक्षक की पदस्थापना की जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई फिर से नियमित हो सके।

तत्काल स्कूल से हटाया जाए शराबी शिक्षक- धरमराज

स्कूली बच्चों के साथ उक्त शिकायत लेकर पहुंचे ग्रामीण धरमराज चौरागढे ने बताया कि ग्राम के स्कूल में धर्मसिंह आहके के नामक एक शिक्षक हैं वे जब भी स्कूल आते हैं शराब पीकर ही आते हैं और केवल सप्ताह में एक बार ही स्कूल आते हैं और उसी दिन सप्ताह भर की हाजिरी लगाते हैं ।शराब का नशा इतना अधिक होता है की वे कुर्सी में बैठने लायक हालत में भी नहीं रहते ,इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, उनका भविष्य खराब हो रहा है हमें ऐसे शिक्षक की कोई जरूरत नहीं है, हमारी मांग है कि तत्काल उक्त शराबी शिक्षक को स्कूल से हटाया जाए और किसी योग्य शिक्षक को स्कूल भेजा जाए ताकि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ ना हो।

बेमौसम बारिश से खराब हुई फसलों को लेकर कलेक्ट्रेट पहुचे किसान

किसानों के गाल पर, काल बनकर बरसी आफत, अधिकारियों को दिखाई फसल, मुआवजा दिलाने की लगाई गुहार, सौपा ज्ञापन ,मांग पूरी ना होने पर सड़क पर उतरकर आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। पिछले दिनों जिले में हुई बे मौसम बारिश, किसानों पर आफत बनकर बरसी। जहां अत्यधिक मात्रा में हुई इस बे-मौसम बारिश से ज्यादातर किसानों की धान की फसल पूरी खराब हो गई है ।जिससे जहां एक ओर किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है तो वहीं दूसरी ओर कर्ज के बोझ से दबे किसान, कर्ज से उभर भी नहीं पा रहे हैं ।जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए एक दर्जन से अधिक किसान, अपनी खराब हुई फसलों को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे ।जहां किसानों ने अधिकारियों को अतिवृष्टि से खराब हुई अपनी फसले दिखाते हुए शासन से खराब फसलों की क्षतिपूर्ति के रूप में तत्काल मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है। जहां उन्होंने अपनी इस मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपते हुए जल्द से जल्द जिले में किसानों की बर्बाद हुई फसलों का सर्वे कराकर, यथाशीघ्र मुआवजा दिए जाने की गुहार लगाई तो वही उन्होंने उक्त मांग पूरी न होने पर सड़क पर उतरकर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

4 महीने की मेहनत पर फिरा पानी

लगातार चार महीने की कड़ी मेहनत के बाद जब बालाघाट जिले के किसानों की धान की फसल लहलहा रही थी, तभी आसमान से बरसी बर्बादी ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। असमय हुई बारिश से खेतों में तैयार धान की फसल सड़ने और अंकुरित होने लगी है। खेतों में खड़ी फसल अब किसानों की आंखों में आंसू बनकर झलक रही है। मंगलवार को जिले के एक दर्जन से अधिक किसान अपनी बर्बाद फसल के प्रतीक रूप में हाथों में अंकुरित धान लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मुकेश माहुले के नेतृत्व में किसानों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और मुख्यमंत्री के नाम भेजे गए इस ज्ञापन में फसल क्षति का तत्काल सर्वे कर मुआवजा देने की मांग की।

भारी बारिश ने छीनी किसानो की उम्मीद

किसानों ने बताया कि उनकी मेहनत, लागत और उम्मीद सबकुछ इस बारिश ने छीन लिया है। जिन खेतों में धान की बालियां सुनहरी लहराती थीं, वहां अब अंकुरित दाने और सड़ चुकी फसल दिखाई दे रही है। फसल के साथ-साथ उनकी सालभर की आर्थिक योजना भी चौपट हो गई है।

जिले के विभिन्न ब्लाकों में हुई फसल चौपट

किसानों ने बताया कि इस बे मौसम बारिश में यूं तो संपूर्ण जिले भर में किसानो की फसलों को नुकसान पहुंचाया है लेकिन सबसे अधिक नुकसान बालाघाट, लांजी, वारासिवनी, परसवाड़ा, किरनापुर और कटंगी सहित कई ब्लॉकों में भारी नुकसान की खबरें हैं। खेतों में पानी भर गया है और कई जगह धान पूरी तरह अंकुरित हो चुकी है ।किसानों ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही मुआवजा और राहत राशि की घोषणा नहीं की गई, तो वे सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

तो सड़क पर उतर कर करेंगे जन आंदोलन- मुकेश माहुले

जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मुकेश माहुले ने बताया कि कुछ समय पूर्व बे मौसम बारिश काल बनकर आई, जिसने किसानों की 4 महीने की मेहनत में पानी फेर दिया। जो किसान सबका पेट भरता है वही किसान आज परेशान है, किसानो की फसल खराब हो चुकी है, उसमें अंकुर उग आए हैं। किसान ने जनता का पेट भरने के लिए धान की फसल उगाई थी जो बे मौसम बारिश में खराब हो गई है। पहले पूरे मप्र में माहू की बीमारी ने 40 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया भारी मात्रा में दवा का छिड़काव कर जैसे तैसे फसल संभाली थी ,कि बे मौसम बारिश उसे भी खराब कर दिया ।अब किसान पर जो कर्ज है उसे कौन चुकाएगा। किसान के पास आत्महत्या के सिवा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है ,उसके खाने के लाले पड़ चुके हैं ।वो अपने परिवार को कैसे पालेगा ।हमारी मांग है कि किसानों की आत्महत्या को रोकने, उनका कर्ज उतारने के लिए प्रदेश शासन ने खराब हुई फसलों का मुआवजा देना चाहिए। यदि शासन द्वारा किसानों को मुआवजा नहीं दिया गया तो समस्त किसान और जनप्रतिनिधि सड़क पर उतरकर जन आंदोलन करेंगे।

ग्राम पंचायत जराही के सरपंच से गांव के युवक ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पंचायत जराही इसी ग्राम पंचायत के सरपंच दशरथ दशमेर को एक युवक ने हाथ बुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया और उन्हें जान से मार डालने की धमकी दे दी घायल सरपंच दशरथ कश्मीर का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया और उनके द्वारा की गई रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने पंकज मेश्राम ग्राम जराही निवासी के विरुद्ध मारपीट जान से मारने की धमकी सहित अन्य धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 नवंबर की शाम 6ः30 बजे सरपंच दशरथ दशमेर किरनापुर से सब्जी लेकर मोटरसाइकिल में अपने गांव जराही पंचायत के पास पीपल चौक पहुंचे थे। वहीं पर गांव के पंकज मेश्राम और अक्षय मेश्राम दोनों भाई आपस में लड़ाई झगड़ा और एक दूसरे को गालियां दे रहे थे। सरपंच दशरथ दशमेर ने अपनी मोटरसाइकिल रोक कर उन्हें समझाने की कोशिश की। तभी पंकज मेश्राम आवेश में आकर सरपंच दशरथ दशमेर को अश्लील गालियां देने लगा और पंकज मेश्राम ने सरपंच दशरथ दशमेर का कॉलर पड़कर उसे हाथबुक्के से मारपीट करते हुए धकेल दिया। झगड़े की आवाज सुनकर सरपंच दशरथ दशमेर के परिवार के अलावा गांव के लोग पहुंचे और बीच बचाव किये जिसके बाद पंकज मेश्राम ने सरपंच दशरथ दशमेर को दोनों भाई के बीच बोलने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। 11 नवंबर को सरपंच दशरथ अजमेर 44 वर्ष ने किरनापुर पुलिस थाना पहुंचकर रिपोर्ट की ।किरनापुर पुलिस ने दशरथ दशमेर का इलाज किरनापुर के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर पंकज मेश्राम के विरुद्ध मारपीट जान से मारने की धमकी के अलावा अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

धान के समर्थन मूल्य को लेकर किसानों में जबर्दस्त आक्रोश

किसान संघ की बैठक, बनाई गई रणनीति, सरकार से धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये देने सहित अन्य मांगों को पूरा करने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

प्रदेश एवं केन्द्र सरकार के द्वारा चुनाव के पूर्व घोषणा की गई थी कि धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये, गेंहू का समर्थन मूल्य 2700 रूपये एवं बिजली 24 घंटे दी जायेगी। लेकिन सरकार के तीन वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के बाद भी अब तक उक्त मांगों को पूरा नही किया गया है। वहीं गत दिवस बे-मौसम बारिश एवं कीट-व्याधि से जिन किसानों की फसल खराब हुई है उसका मुआवजा भी बहुत कम दिये जाने की घोषणा की गई है। वहीं मुआवजा मिलने वाली फसल को समर्थन मूल्य में नही खरीदी किये जाने की बात कही जा रही है। साथ ही धान की खरीदी केन्द्र या प्रदेश सरकार करेगी इस बात को भी स्पष्ट नही किया गया है जिससे किसानों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। वहीं सरकार के द्वारा घोषणा करने के बाद भी धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये नही किये जाने से किसानों में सरकार के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्र के किसानों को जागरूक एवं संगठित कर उनकी जायज मांगों को पूरा करवाने के लिए किसान संघ लालबर्रा के द्वारा नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में मंगलवार को एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक किसान संघ के पदाधिकारी, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में किसानों की समस्या, सरकार से धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी करने की घोषणा को पूरा करवाने, किसानों को संगठित करने के लिए ग्राम स्तर पर बैठक आयोजित करने सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं उपस्थित किसानों ने भी अपनी-अपनी बाते रखते हुए कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार के द्वारा चुनाव के पूर्व घोषणा की गई थी कि धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये, गेंहू का समर्थन मूल्य 2700 रूपये एवं किसानों को 24 घंटे बिजली दी जायेगी। इसी घोषणा पर भरोसा कर प्रदेशभर के किसानों के भाजपा के पक्ष में मतदान कर प्रदेश एवं केन्द्र में भाजपा की सरकार बनाये है। सरकार बने करीब 3 वर्ष होने लगे है लेकिन सरकार अब तक अपनी घोषणा को पूरी नही की है इस तरह से सरकार ने किसानों के साथ वादाखिलाफी की है जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। साथ ही यह भी कहा कि गत दिवस बे-मौसम बारिश होने एवं कीट व्याधि से अधिकांश किसानों की फसल प्रभावित हुई है जिससे किसानों को काफी नुकसान हुआ है। लेकिन सरकार अब तक मुआवजा नही दे पाई है और बहुत कम मुआवजा देने की बात कह रही है। जबकि सरकार को प्रति एकड़ 15 से 20 हजार रूपये मुआवजा देने चाहिए ताकि किसान ने जो लागत लगाया है वह राशि निकल सके। वहीं समर्थन मूल्य में धान खरीदी को लेकर भी असमन्जस्य की स्थिति बनी हुई है जिससे किसान परेशान है इसलिए सरकार को धान खरीदी प्रदेश सरकार करेगी या केन्द्र सरकार इस बात को भी स्पष्ट करना चाहिए और धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये, 18 घंटे बिजली सहित अन्य मांगों को पूरा करना चाहिए ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूती हो सके। इन सभी मांगों को पूरा करवाने के लिए सभी किसानों को संगठित कर भव्य आंदोलन करने की जारूरत है। जिस पर सभी उपस्थित पदाधिकारी एवं किसानों ने कहा कि किसानों को संगठित कर सरकार से धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये किये जाने सहित अन्य मांगों को लेकर लड़ाई लडेगें। जिसके लिए क्षेत्रवार बैठक आयोजित कर किसानों को संगठित करने का निर्णय लिया गया है और अलग-अलग तिथियों में बैठक आयोजित कर किसानों को संगठित करने का काम किसान संघ के द्वारा किया जायेगा।

इन तिथियों में क्षेत्रवार होगी बैठक

क्षेत्र के किसानों को जागरूक एवं संगठित करने के लिए किसान संघ के तत्वाधान में अलग-अलग तिथियों में बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जिसमें खैरगांव में 12 नवंबर को, कंजई में 13 नवंबर को, घोटी में 14 नवंबर को, साल्हे मो में 17 नवंबर को, बघोली में 18 नवंबर को, खमरिया में 19 नवंबर को, जाम में 20 नवंबर को, बेहरई में 21 नवंबर को, डोकरबंदी में 22 नवंबर को, नेवरगांव वा में 23 नवंबर को, बल्हापुर में 26 नवंबर को, बकोड़ा में 27 नवंबर को किसानों की बैठक आयोजित की गई है। इन ग्रामों में आयोजित होने वाली बैठक में आसपास के किसान उपस्थित होगें। वहीं बैठक के प्रभारी भी नियुक्त किये गये है जिन्हे किसानों को बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित करवाने की जवाबदारी भी सौंपी गई है। ताकि किसानों को संगठित कर सरकार तक किसानों की मांगों को पहुंचाकर उसे पूरा करवा सके। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, उपाध्यक्ष डुलेन्द्र ठाकरे, धनेन्द्र गौतम, ठानेन्द्र ठाकरे, अरूण गौतम, स्वप्निल शर्मा, बलेश राहंगडाले सहित अन्य किसानगण उपस्थित रहे।

धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये करें सरकार - डुलेन्द्र

जिला पंचायत सभापति, किसान डुलेन्द्र ठाकरे ने बताया कि सरकार किसानों की आय दुगुनी करने की बात कहती है, लेकिन किसानों को पर्याप्त बिजली नही मिल पा रही है। फसल का वाजिम दाम नही मिल पा रहा है और गत दिवस हुई बे-मौसम बारिश एवं कीट व्याधि से किसानों की फसल खराब हो चुकी है जिससे किसान बेहद परेशान है। साथ ही यह भी बताया कि धान खरीदी को लेकर भी भ्रम की स्थिति बनी हुई है, सरकार से मांग है कि इसे स्पष्ट करे कि धान खरीदी केन्द्र या रा%य सरकार करेगी। श्री ठाकरे ने बताया कि सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विंटल देने की घोषणा की थी, लेकिन उसे पूरा नही की है, पिछले वर्ष किसानों के द्वारा आंदोलन भी किया गया था। लेकिन सरकार अब तक उसे पूरा नही की गई है जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है, इसलिए अब गांव-गांव में किसानों की बैठक लेकर किसानों को संगठित करने का काम किया जायेगा ताकि किसानों की मांगों को सरकार तक पहुंचाना है। साथ ही सरकार से मांग है कि धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये करें और जहां सरकार धान खरीदी करेगी उस स्थान पर किसान अपनी उपज विक्रय करने के लिए तैयार है।

एक एकड़ में जितनी फसल होती है उसका आधा मुआवजा दे सरकार - किशोर

जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि शासन के द्वारा किसानों की जो फसल बे-मौसम एवं कीट व्याधि से खराब हुई है उसके मुआवजा के लिए सरकार ने नई गाईडलाईन जारी की है। जिसके तहत यदि एक एकड़ में किसी किसान की फसल बर्बाद हुई है तो उसे मुआवजा बहुत कम मिलना है और उसकी फसल को समर्थन मूल्य में नही खरीदेगी जो गलत है। हमारी मांग है कि एक एकड़ की फसल खराब हुई है तो किसानों को एक एकड़ में जो उत्पादन होता है उसकी आधा मुआवजा यानि 15 से 20 हजार रूपये मुआवजा देना चाहिए ताकि उसकी लागत राशि निकल सके, बहुत से किसानों की 100 प्रतिशत क्षति हुई है। श्री पालीवाल ने बताया कि समर्थन मूल्य एवं बिजली की मांगों को लेकर पिछले वर्ष किसान संघ के बैनर तले बड़ा आंदोलन किया गया था और पुन: किसानों को संगठित करने के लिए गांव-गांव में बैठक आयोजित की जायेगी और सरकार से मांग है कि जो उन्होने घोषणा की थी उसे पुरा करे नही तो किसान आंदोलन करने बाध्य होगें।

सरपंच महासम्मेलन भोपांल में बड़ी संख्या में शामिल हुए सरपंच

प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं पंचायत मंत्री को सरपंचों ने अपनी समस्या एवं मांगों से करवाया अवगत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भोपाल के जंबूरी मैदान में त्रिस्तरीय पंचायत संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में मंगलवार को सरपंच महासम्मेलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस सरपंच महासम्मेलन कार्यक्रम में बालाघाट जिले के सरपंचगण बड़ी संख्या में शामिल होकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पंचायत मंत्री प्रहलादसिंह पटेल को पंचायत क्षेत्र में काम करने में आ रही समस्या सहित अपनी मांगों से अवगत करवाया और मांगों को जल्द पूरा किये जाने की मांग की है। चर्चा में सरपंच संघ जिला सचिव अधि. आनंद बिसेन ने बताया कि भोपाल में प्रदेशभर के सरपंचों का सरपंच महासम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में बालाघाट जिले के करीब 300 से अधिक सरपंचगण उपस्थित हुए। साथ ही यह भी बताया कि इस सरपंच महासम्मेलन कार्यक्रम में सरपंच संघ के प्रदेशाध्यक्ष राजवीरसिंह तोमर, बालाघाट सरपंच संघ जिलाअध्यक्ष, जिला सचिव सहित अन्य पदाधिकारियों ने ग्राम पंचायतों की समस्या को लेकर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री और पंचायत मंत्री से विस्तृत चर्चा की। वहीं कुछ मांगे पंचायत एवं ग्राम विकास के लिए प्रदेश सरकार की ओर से स्वीकार करने की घोषणा भी की गई है। सरकार से मांग है कि सरपंचों की सभी मांगों को जल्द पूरा करें।

बेहरई के धारसाईटोला में मेला कल

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई के धारसाईटोला में 13 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में मेला उत्सव समिति अध्यक्ष चंद्रकिशोर ठाकरे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के नवमीं के अवसर पर 13 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से बुधाटोला का ड्रामा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मेला उत्सव समिति धारसाईटोला बेहरई के अध्यक्ष चंद्रकिशोर ठाकरे, भोजलाल पटले, नेतलाल ठाकरे, तिजूलाल ठाकरे, केशोराय पटले, हिरालाल राहंगडाले, भरत कटरे, दुलीचंद राहंगडाले सहित ग्रामीणजनों ने की है।

म.प्र. शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष बने ललित ब्रम्हे

शिक्षक संघ की बैठक में नवीन कार्यकारिणी का किया गया गठन

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा में मंगलवार को म.प्र. शिक्षक संघ की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक म.प्र. शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष पंकज चिले, जिला संगठन मंत्री देवनलाल गोलेन्द्र, पुर्व जिला सचिव डीके रामटेके की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में शिक्षकों की समस्याओं एवं म.प्र. शिक्षक संघ का नवीन कार्यकारिणी का गठन करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। जिसके बाद म.प्र. शिक्षक संघ संघ ब्लाक (विकासखंड) एवं तहसील कार्यकारिणी का गठन कर ललित ब्रम्हे को ब्लाक म.प्र. शिक्षक संघ का अध्यक्ष सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया है। इसी तरह जयराम कावड़े को उपाध्यक्ष, संवेद अग्रवाल को सचिव, वैभव आयतेकर को सहसचिव, दयानंद चंद्रवार को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जिसके बाद विकासखण्ड (ब्लाक) कार्यकारिणी के द्वारा सर्वसम्मति से तहसील कार्यकारिणी का गठन कर एसके तुरकर को अध्यक्ष, श्रीमती गीता ढांडे को उपाध्यक्ष, गुलाब तुरकर को सचिव, श्रीमती शिवा रहांगडाले को सहसचिव, अजय कटरे को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं विकासखण्ड एवं तहसील कार्यकारिणी का गठन कर जिले से पहुंचे पदाधिकारियों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए शिक्षकों की समस्याओं को संघ के माध्यम से सामने लाकर निराकरण करने की बात कही है। वहीं नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि दो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर संघ के हित में काम किया जायेगा। चर्चा में म.प्र. शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष पंकज चिले ने बताया कि मध्यप्रदेश शिक्षक संघ की लालबर्रा विकासखंड कार्यकारिणी में ललित ब्रम्हे और एसके तुरकर को तहसील अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है और इन दोनों संघ में 11-11 सदस्यीय कार्यकारिणी में एक महिला पदाधिकारी का होना अनिवार्य है, जिसके साथ कुल 22 सदस्यों का गठन किया गया है। आगे बताया कि म.प्र. शिक्षक संघ 1970 से काम कर रहा है और संघ के माध्यम से शिक्षकों की क्रमोन्नति, पदोन्नति की मांगों को पूरा करवाने के क्षेत्र में काम किया जायेगा और संगठन को शासन से मान्यता प्राप्त है, यह कार्यकारिणी इस अधिकार का उपयोग करते हुए संबंधित अधिकारियों और शासन से पत्राचार के माध्यम से समस्याओं का हल निकालेगी। साथ ही नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपील है कि वे शिक्षकों व संघ के हित में काम करें। इस अवसर पर श्रीमती पुष्पकला चौधरी, श्रीमती सुनिता हरिद्वाज, संतोष सोनबिरसे, चंद्रकांत राजा ठाकरे, वेदप्रकाश चुलपार, जुम्बा भलावी, संतोष क्षीरसागर, राशिदजमा खान, मिथलेश सागर, श्रीमती कुंदना रंगारे, ओमकार रहांगडाले सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

मानपुर बाक्स कल्वर्ट की क्षतिग्रस्त कार्य के लिए पौने दो करोड़ की राशि मंजूर

अमोली से समनापुर, रमपुरी से सिहोरा पहुंच मार्ग स्थित पुलिया निर्माण के लिए प्रयास जारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे के अपने क्षेत्र के विकास के प्रयास को एक और सफलता प्राप्त हुई है। इस बार लालबर्रा से बोरी बरघाट पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पर बने क्षतिग्रस्त पुलिया के लिए बाक्स कल्वर्ट पुलिया के क्षतिग्रस्त एप्रोच के सुधार के लिए 1 करोड़ 78 लाख, 14 हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। जिसके कार्य के लिए राशि सहित प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। उक्त राशि से क्षतिग्रस्त पुलिया में बाक्स कल्वर्ट एप्रोच सुधार कार्य होने से आने-जाने वालों को हो रही परेशानियों स से निजात मिल जायेगी और आवागमन में सुविधा होगी। आपकों बता दे कि लालबर्रा तहसील होते हुए बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पर बना पुलिया मानपुर के चैनेज 700 मीटर पर मंडी निधि से बाक्स कल्वर्ट बनाया गया था। लेकिन निर्माण कार्य निम्न स्तरीय होने के चलते मानपुर के पास में बाक्स कल्वर्ट की एप्रोच बहुत ज्यादा क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिसके कारण पुलिया के ऊपर से आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय स्तर पर लोगों द्वारा इस संबंध में क्षतिग्रस्त पुलिया को बनाये जाने की मांग की जा रही थी। इसी के संबंध में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे लगातार प्रयासरत थी। जिन्होने पिछले विधानसभा सत्र में इस मामले को विधानसभा में उठाया था और उसके संबंध में सरकार की ओर से इसके सुधार कार्य करवाये जाने का आश्वासन दिया गया था। इसी के चलते इस कार्य के लिये अब राशि सहित प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण भोपाल प्रमुख अभियंता विजय गुप्ता की ओर से इस संबंध में प्रशासकीय स्वीकृति संबंधी आदेश जारी कर दिये गये है। वहीं क्षतिग्रस्त पुलिया के एप्रोच सुधार कार्य के लिए राशि स्वीकृत होने की जानकारी लगने पर क्षेत्रीयजनों ने उक्त कार्य जल्द प्रारंभ करवाने की मांग की है। विधायक श्रीमती मुंजारे ने कहा कि मंडी निधि से बनाये गये मानपुर से बरघाट मार्ग पर बॉक्स कल्वर्ट पुलिया की एप्रोच बहुत ज्यादा क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिससे स्थानीय व क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बेहद परेशानी हो रही थी और इस संबंध में उसके सुधार करने की मांग की जा रही थी। मेरे द्वारा इस मामले को विधानसभा में उठाया गया था और सरकार का ध्यान आकर्षित कर इसके सुधार कार्य करने की मांग की गई थी। इसी मांग के चलते अब मानपुर से बरघाट मार्ग के चैनेज क्रमांक 700 मीटर पर बॉक्स कल्वर्ट के क्षतिग्रस्त एप्रोच के सुधार कार्य हेतु 178.14 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति के साथ राशि जारी हो गई है। इस कार्य के होने से लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि इसके अलावा उन्होने अमोली से समनापुर मार्ग और रमपुरी से सिहोरा मार्ग एवं क्षतिग्रस्त पुलिया के निर्माण के लिए प्रयास जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इस संबंध में मांग पत्र सौंपा गया है। मुख्यमंत्री ने इन कार्यों को आगामी बजट में प्रशासकीय स्वीकृति दिये जाने का आश्वासन दिया है और वे निश्चित ही वह अपने क्षेत्र के विकास को लेकर प्रयासरत है एवं उम्मीद है कि हम अपने क्षेत्र के मूलभूत सुविधाओं वाले कार्यों को इसी तरह से गति दे सकेगें।

खिर्री में 'माटी के चंदन' छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी दूर ग्राम पंचायत खिर्री में सार्वजनिक मेला उत्सव समिति के तत्वाधान में 12 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में मेला समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए 12 नवंबर को रात 9 बजे से जरहा नवागांव, जिला कबीरधाम (छ.ग.) का छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोककला मंच 'माटी के चंदन' छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सार्वजनिक मेला उत्सव समिति खिर्री के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

अतिक्रमण और जर्जर सड़क से शिवधाम मुहल्ला में कष्टप्रद आवागमन

शिवधाम सड़क की हालत जर्जर दुर्घटना की बनी है आशंका

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के वार्ड नंबर ३ से लगे ग्राम वारा के वार्ड नंबर २० शिवधाम मोहल्ले के मध्य से गुजरने वाली मुख्य सड़क की हालत जर्जर और खस्ताहाल हो गई है। पूरा मार्ग शुरू से अंतिम छोर तक टूट चुका है मार्ग किनारे निवासरत लोगों के द्वारा सड़क तक अतिक्रमण कर लिया गया है। जहां आवागमन करने में वर्तमान में बड़ी समस्या हो रही है ,क्योंकि वाहनों की निकासी के लिए निर्माण कार्य के चलते इस सड़क को डायवर्ट मार्ग बनाया गया है। यहाँ से पब्लिक ट्रांसपोर्ट गुड्स ट्रांसपोर्ट स्कूल ट्रांसपोर्ट जैसे तमाम प्रकार के हल्के भारी वाहनों का आना जाना बना हुआ है। मार्ग पर दो बड़े वाहन आपस में क्रॉस नहीं कर पाते हैं मोटरसाइकिल से चल रहे लोगों एवं निवासरत लोगों के साथ बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। ग्रामीणों के द्वारा उक्त विषय पर प्रशासन से संज्ञान लेकर अतिक्रमण हटाने और आवागमन के लिए शासन की ४० फीट सड़क मौके पर उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है। ताकि सुरक्षित लोगों का आवागमन हो सके।

अतिक्रमण से पटा शिवधाम मार्ग

ग्राम पंचायत वारा की रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य प्रारंभ है। जहां भारी वाहन के लिए पूर्व में गायत्री मंदिर मार्ग से डायवर्ट रोड़ दिया गया था छोटे वाहनों के लिए शिवधाम से मार्ग डायवर्ट किया गया था। ऐसे में गायत्री मंदिर डायवर्ट मार्ग पुल निर्माण कार्य के चलते बंद हो गया है। वर्तमान में हल्के भारी सभी वाहनों के लिए वार्ड नंबर ४ गणेश मंदिर से नहर के पुलिया होते हुए वार्ड नंबर ३ से शिवधाम मोहल्ले वाले मार्ग का उपयोग हर किसी के द्वारा किया जा रहा है। जहां से बस ट्रक ट्रैक्टर डंपर जैसे सभी प्रकार के व्यावसायिक वाहन एवं निजी वाहन का आना जाना लगा हुआ है। यह मार्ग शासन का होना बताया जा रहा है जिसकी चौड़ाई करीब ४० फीट बताई जा रही है परंतु मौके पर वर्तमान में २० फीट चौड़ाई भी देखने को नही मिल रही है। जिसमें १० फीट का रोड़ पंचायत स्तर से बना हुआ है आसपास निवासरत लोगों के द्वारा मार्ग किनारे तक विभिन्न प्रकार से अतिक्रमण कर लिया गया है। जिसके कारण उक्त मार्ग पर समस्या उत्पन्न हो गई है क्योंकि दो ट्रक जब क्रॉस होते हैं तो कोई मोटरसाइकिल वाला वहां से गुजर नहीं पता है। कई बार मोटरसाइकिल वाले फस जाते हैं और प्रत्येक दिन ऑफिस टाइम और स्कूल टाइम के दौरान जाम की स्थिति भी निर्मित होती है। ऐसे में ग्रामीणों के अंदर काफी आक्रोश व्याप्त है वहीं राहगीरों के द्वारा हो रही समस्या पर चिंता व्यक्त की जा रही है। जिसको लेकर पंचायत से अतिक्रमण हटाने की मांग कर रहे हैं ताकि शासन की ४० फीट की रोड निकाल दी जाती है तो आवागमन करने में लोगों को सुविधा होगी।

नगर मुख्यालय को दर्जनों ग्राम से जोड़ता है यह मार्ग

नगर के वार्ड नंबर ३ और वार्ड नंबर ४ से सीधे ग्राम वारा के वार्ड नंबर २० शिव धाम को निकालने वाला यह मार्ग सीधे वारा टोला होते हुए कायदी के लिए निकलता है। जो आगे कायदी ,एकोड़ी ,आलेझरी और बालाघाट तक जाता है तो वहीं इस मार्ग से मदनपुर, कासपुर, सिकंद्रा ,कोस्ते के लिए भी लोग आना जाना करते हैं। इस प्रकार दर्जनों ग्राम इस मार्ग के माध्यम से नगर मुख्यालय से जोड़ते हैं जिस पर लोगों का भारी आवागमन बना रहता है। बाजार के समय सर्वाधिक लोग इसी मार्ग का उपयोग करते हैं वहीं क्षेत्र से शिक्षा अध्ययन करने के लिए भी लोग नगर मुख्यालय इसी मार्ग से आते हैं। ऐसे में इस मार्ग का प्रचलन बहुत ज्यादा होने से भारी यातायात का दबाव वर्तमान में बना हुआ है। क्योंकि डायवर्ट मार्ग भी इसी को बनाया गया है जहां दुर्घटना होने की काफ ी संभावना बनी हुई है। पंचायत का १० फीट का सीमेंट मार्ग यहां बना है जो बुरी तरह टूट गया है।

अतिक्रमण होने से आने जाने में हो रही भारी समस्या-महेंद्र

महेंद्र कटरे ने बताया कि रोड़ की बहुत बड़ी समस्या है डबल वाहन क्रॉस नहीं होते हैं। पंचायत की यह सड़क है छोटी सड़क है भारी वाहनों का आना.जाना होता है। ट्रैफिक बहुत ज्यादा बढ़ जाता है छोटे वाहनों को बड़ी समस्या होती है। ट्रक बस फोर व्हीलर जैसे सभी वाहन जाते हैं सकरा मार्ग है जो पूरा टूट गया है। प्रारंभ से अंत तक जर्जर स्थिति में मार्ग पड़ा हुआ है इसे फिर से बनवाया जाना चाहिए।

अतिक्रमण की चपेट में है शिवधाम-विजय

विजय कठाने ने बताया कि नगर मुख्यालय से ग्रामीण क्षेत्र और हमारे वार्ड का यह मुख्य मार्ग है। जो सीधे कायदी से जोड़ता है यहां पर निवासरत लोगों ने पूरा अतिक्रमण कर लिया है। क्योंकि बिना नाप जोक करें पंचायत में नालियां बनवाई है ऐसे में जो छूट गया था स्थान वहां पर लोगों ने अतिक्रमण किया है। पूरा नाली तक अतिक्रमण लोगों का है इस पर पंचायत को संज्ञान लेकर हटाना चाहिए। वर्तमान में पुल का काम चल रहा है जिससे पूरा आवागमन यहीं से हो रहा है। पहले हल्के वाहन जाते थे अभी भारी वाहन लोडेड वाहन भी आना जाना कर रहे है। ऐसे में स्कूल के बच्चे कॉलेज के बच्चे स्कूल वैन भी चलते हैं। जिनसे एक्सीडेंट होने की आशंका बनी हुई है।

४० फीट की रोड़ पर शिवधाम के लोगो ने किया अतिक्रमण शासन को हटाना चाहिये-सूर्यभान

वारा सरपंच सूर्यभान सिंह पूसाम ने बताया कि रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी का निर्माण हो रहा है। बस ट्रक शिवधाम से डायवर्ट मार्ग होने से आना जाना कर रहे हैं पंचायत की रोड़ है कंडीशन एक भी ठीक नहीं है। पूरा मार्ग धराशाही हो गया है इसकी एसडीएम और तहसीलदार को हमने सूचना दे दी है। गांव की सड़क है शासन का इस पर कोई ध्यान नहीं है दिक्कत होती है। ४० फीट से अधिक चौड़ी सड़क है परंतु लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है घर के सामने बाउंड्री वॉल टीन शेड लगा दिए हैं। शासन को तत्काल यह खाली करवाना चाहिए हमारे द्वारा ब्रेकर भी लगाए गए थे परंतु उन्हें हटा दिया जाता है। विभाग को हमने जानकारी सब दे दी है अब तहसीलदार से हमारा निवेदन है कि वह अतिक्रमण हटाकर ४० फीट रोड यहां पर निकाल दे।

आबकारी विभाग में विधिक जागरूकता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर के आबकारी विभाग कार्यालय में 11 नवंबर को न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर तहसील विधिक सेवा समिति, वारासिवनी के तत्वाधान मे आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष प्रणेश कुमार प्राण न्यायाधीश सचिव सतीश शर्मा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के मार्गदर्शन यायिक मजिस्टेंट प्रथम श्रेणी श्रीमती दिव्या सिंह की अध्यक्षता में प्रारंभ किया गया। जिसमे न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत न्याय की पहुंच हर अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ उपस्थित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आबकारी संबंधी नियमों से संबंधित जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त उपस्थित जन को बताया गया कि विधिक सेवाओं में समाज के उन कमज़ोर वर्गों को नि:शुल्क कानूनी सहायता प्रदान करना शामिल है जो कि विधिक सेवा प्राधिकरण १९८७ की धारा-१२ के दायरे में आते हैं। इसमें कानूनी जागरूकता शिविरों के माध्यम से कानूनी साक्षरता फैलाकर कानूनी जागरूकता एवं लंबित या अभी तक दायर नहीं किए गए विवादों को सौहार्दपूर्ण समाधान करने के लिये लोक अदालतों का आयोजन करना भी शामिल है। उक्त जागरूकता शिविर में ज़िले के समस्त आबकारी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बड़े पीपल चौक में पानी निकासी के लिए खोदी गई सड़क दुर्घटना का बना सबब

राहगीरों ने गड्ढे को बूझकर नाली बनाने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के नेहरू चौक के पास में बड़े पीपल चौक से अंदर कपड़ा गली होते सब्जी बाजार पहुंच मार्ग में अमर ड्रेसेस के सामने पानी निकासी के लिए नाली खोदी गई थी। जो वर्तमान में गड्ढे के रूप में आकार ले ली है जहां से आवागमन करना दूर्भर हो गया है । लोगों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं लोग दुर्घटनाग्रस्त भी हो रहे हैं ऐसे में उक्त स्थान पर काफी समस्या बनी हुई है। जिसको देखते हुए राहगीरों के द्वारा पानी निकासी के लिए खोदी गई उक्त नाली की मरम्मत कर व्यवस्थित आवागमन बनाने एवं पानी निकासी के लिए नाली निर्माण करने की मांग की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते समय नगर पालिका के द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों पर डामर सड़क का निर्माण लोगों के बेहतर आवागमन के लिए किया गया था। जहां व्यवस्थित रूप से लोग आना जाना कर रहे है,इसी प्रकार नेहरू चौक के पास स्थित पीपल चौक से अंदर कपड़ा बाजार होते हुए सब्जी बाजार तक सड़क का निर्माण किया गया था। जहां बीती बारिश के मौसम में मूसलाधार वर्षा होने पर जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए अमर ड्रेसेस के सामने डामर सड़क को काटकर पानी निकासी की व्यवस्था बनाई गई थी। इसके बाद स्थानीय प्रशासन के द्वारा उक्त स्थान पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है ,ऐसे में क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग जो सब्जी बाजार आते हैं। वह इसी मार्ग से सीधे सब्जी बाजार के लिए आना जाना करते हैं इस दौरान उन्हें इस खोदी गई नाली में कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई बार दुर्घटनाओं का भी सामना उन्हें करना पड़ रहा है क्योंकि तत्कालीन समय में नाली खोदी गई थी जो वाहनों के आने जाने से समस्या हो गई है। जहां पर लोगों की साइकिल मोटरसाइकिल फस रही है तो वहीं सबसे ज्यादा तकलीफठेला एवं रिक्शा धकेलने वालों को हो रही है। कई बार आसपास के व्यापारियों को हाथ लगाकर ठेला और रिक्शा निकालने में मदद करना पड़ता है। इस प्रकार की स्थिति से लोग काफी परेशान है और उनके द्वारा उक्त पानी निकासी के लिए खोदी गई सड़क को भरकर पक्की नाली निर्माण करने की मांग की जा रही है। ताकि लोगों को दुर्घटना का सामना ना करना पड़े और पानी निकासी भी यथावत होता रहे।

पानी निकासी के लिये नगर पालिका को स्थाई समाधान करना चाहिये- धनलाल

धनलाल गोमासे ने बताया कि मैं सब्जी बाजार करने के लिए वारासिवनी मुख्यालय आया हूं। और यह कपड़ा गली से ही हमारा आना जाना लगा रहता है यहां पर सड़क को काट दिया गया है। बहुत बड़ा गड्ढा हो जाने से आवागमन में दिक्कत हो रही है। अभी मैं साइकिल से आ रहा था तो मेरी साइकिल फस गई और दुर्घटना होते होते हुए बचा। मुझे उतरकर फिर साइकिल बाहर निकलना पड़ा यह स्थिति मेरे साथ नहीं हर किसी आने जाने वाले के साथ हो रही है। इस पर नगर पालिका को ध्यान देना चाहिए और पहले इस गड्ढे को भरना चाहिए बाजार के दिन में तो यहां पैर रखने जगह नहीं रहती है। ऐसे में कई बार दुर्घटनाएं होती है इस पर ध्यान देना चाहिए।

पानी निकासी के लिये खोदी गई नाली दे रही दुर्घटना को आमंत्रण-मुकेश

नगरवासी मुकेश आड़े ने बताया की यह जो मार्ग है बहुत ज्यादा चलता है हम भी यहीं से दिन भर में दो.चार बार आना जाना करते हैं। अभी मेरे साथ दुर्घटना होते हुए बच्ची गाड़ी से मैं गिरते गिरते बचा यह गली में बीच रास्ते को खोद दिया गया है। पानी निकालने के लिए उस समय खोदा गया था जबकि बाजार की यह मुख्य सड़क है। यह गली में बहुत सारे लोग आते जाते हैं दुर्घटना किसी के भी साथ हो सकती है इस पर ध्यान देकर सुधार करना चाहिए। बारिश के समय इसे खोदा गया था जो अब बड़ा गड्ढा हो गया है पानी निकासी के लिए नाली बनानी चाहिए।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि तत्कालीन समय में पानी निकासी के लिए व्यवस्था बनाई गई थी। बारिश अभी समाप्त हुई है उसे भरवाने का काम हमारे द्वारा कर दिया जायेगा।

सूर्य प्रकाश उके
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
वारासिवनी

अज्ञात वाहन की टक्कर से रविंद्र गंभीर घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वारासिवनी रामपायली मार्ग स्थित वार्ड नंबर १ पोस्ट मैट्रिक छात्रावास के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से पिंडकेपार निवासी रविंद्र आचरे 11 नवंबर को गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब वह रेलवे स्टेशन से वापस अपने ग्राम की ओर जा रहा था। घायल का उपचार सिविल अस्पताल में कर बालाघाट भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविन्द्र पिता भागवत अचारे उम्र २२ वर्ष पिंडकेपार थाना खैरलाँजी निवासी हैं। जो परिवार के साथ कृषि कार्य करता है वह नगर के रेल्वे स्टेशन मैं अपने रिश्तेदार को ट्रेन बैठने के लिए मोटरसाइकिल से आया हुआ था। जहां से वह वापस अपने गांव जाने के लिए निकला और नगर के वारासिवनी रामपायली मार्ग से रामपायली की ओर जा रहा था। तभी नगर के वार्ड नंबर १ अमृत नगर के समीप स्थित पोस्ट मैट्रिक छात्रावास के पास में अज्ञात कार चालक के द्वारा उसकी मोटरसाइकिल को जबरदस्त टक्कर मार दी गई। यह आवाज सुन वार्डवासी दौड़कर आये परंतु तब तक अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। इसके बाद उपस्थित जनों के द्वारा डायल ११२ को सूचना दी गई जिसके माध्यम से उसे सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया है। जहां उसका प्राथमिक उपचार कर उसे जिला चिकित्सालय भेज दिया गया है। घटना में युवक के हाथ पैर सर सहित चेहरे पर बहुत ज्यादा गंभीर चोटे आई है।

बस स्टैंड हनुमान मंदिर में भंडारे का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर में मंगलवार को प्रति माह अनुसार विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मंदिर समिति के द्वारा हर्षोल्लास के साथ किया गया। जिसमें सुबह भगवान हनुमान जी की पूजा आराधना कर विधि विधान से अभिषेक और अर्चना की गई। तत्पश्चात आरती कर शाम को भंडारे का वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में नगर सहित क्षेत्र के लोगों ने मंदिर में उपस्थिति दर्ज कराकर भगवान हनुमान जी का आशीर्वाद लेकर महाप्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति सदस्यों ने बताया कि मंदिर मैं बीते कई वर्षों से हर महीने भंडारे का आयोजन किया जाता है। यह मंगलवार को होता है इस दौरान भगवान की पूजा अर्चना कर महाप्रसाद का वितरण किया जाता है। प्रतिमा अनुसार इस बार भी बड़ी संख्या में राहगीर यात्रियों सहित नगर और क्षेत्र के लोगों ने प्रसाद ग्रहण का धर्म लाभ अर्जित किया।

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

संपादकीय

दिल्ली विस्फोट : रोक पाना क्या मुमकिन था ?

राजधानी दिल्ली में बीती शाम ऐतिहासिक लालकिले के करीब एक कार में हुए विस्फोट में अब तक करीब दर्जनभर लोगों के मारे जाने की खबर है, और दर्जनों लोग जख्मी हैं। सड़क पर व्यस्त ट्रैफिक के बीच इस धमाके में उस कार के तो परखच्चे तो उड़ ही गए और आसपास की कई गाड़ियां जलकर राख हो गईं। दिल्ली में बरसों बाद ऐसा विस्फोट हुआ है, और पिछले दो दिनों से दिल्ली के इलाके के फरीदाबाद में एक जगह 3 टन विस्फोटक मिला था, अटकलें इन दोनों बातों का रिश्ता जोड़ रही हैं। कश्मीर से रिश्ता रखने वाले दो अलग-अलग डॉक्टरों से राजस्थान और हरियाणा में जिस तरह हथियार और विस्फोटक मिले हैं, उनसे भी यह घटना जुड़ी हुई हो सकती है। लेकिन भारत में राजनीति ऐसी है कि लोग इसे बिहार चुनाव में मतदान के ठीक पहले विस्फोट भी समझ रहे हैं।

> आतंकी साजिशों के बहुत से मामले अदालतों में जाकर खड़े नहीं हो पाते, और हिंदू हों, या मुस्लिम, कई तरह के आतंक-आरोपी सुबूतों की कमी से छूट भी जाते हैं। कई लोग तो 20-25 बरस बाद भी छूटे हैं। ऐसे में सचमुच के हमलावर कौन हैं, यह जानने में कई बार कुछ दशक भी लग सकते हैं।

जिन लोगों ने दिल्ली में दर्जनभर से अधिक दाखिल होने वाली सड़कों से आकर इस राजधानी महानगर में गाड़ियों का सैलाब देखा हुआ नहीं होगा, वे ही यह मानकर चल सकते हैं कि दूसरी जगहों पर विस्फोटक मिलने के बाद दिल्ली में सुरक्षा क्यों नहीं बढ़ाई गई, गाड़ियों की जांच क्यों नहीं की गई। जिस शहर में बिना किसी जांच ही लगातार ट्रैफिक जाम रहते हों, उस शहर में अगर गाड़ियों की जांच की जाए, तो जिंदगी थम ही जाएगी। दूसरी बात यह भी है कि विस्फोटकों के जो बड़े-बड़े जखीरे मिलना बताया गया है, वे भी किसी जांच और खुफिया कार्रवाई की कामयाबी का ही सुबूत हैं। इस बात को समझना होगा कि देश के चारों तरफ के सरहदी मुल्कों से खराब रिश्तों के चलते हुए किसी तरफ से आतंकी किस तरह के विस्फोटक या हथियार लेकर घुस सकते हैं, यह अंदाज लगा पाना, और काबू करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है। समझदारी हमेशा इसी बात में रहती है कि पड़ोसियों के बीच रिश्ते अच्छे रहें। रिश्तेदारों से रिश्ते अच्छे न रहना एक बार चल सकता है, क्योंकि लोग उनसे कम मिलकर भी काम चला सकते हैं, और बिना मिले भी, लेकिन पड़ोसी तो सोते-जागते सामने पड़ते हैं, उनसे तो बचा भी नहीं जा सकता। इसलिए जब योरप के देश एक समुदाय बनाकर आपस में रिश्ते अच्छे रखते हैं, सरहदों को कई बातों के लिए मिटा देते हैं, तो वे चैन से भी जीते हैं।

यह चौदह बरस बाद दिल्ली का पहला बड़ा विस्फोट है। वर्ष 2011 में दिल्ली हाईकोर्ट के अहाते में एक विस्फोट में 15 मौतें हुई थीं, और 80 के करीब लोग घायल हुए थे, उसकी जिम्मेदारी एक इस्लामी आतंकी संगठन ने ली थी, और इस केस में तीन लोगों को उम्रकैद हुई थी। इस रिकॉर्ड को देखते हुए दिल्ली में कल सुरक्षा एजेंसियों और खुफिया एजेंसियों की नाकामयाबी गिनना ठीक नहीं है। इन दोनों का काम जब कामयाबी से होता है, तो वह दिखता नहीं है, इमारत की नींव में दब जाता है, और जब असफल रहता तो वह छत पर चढ़कर चीखता है। बीते बरसों में कश्मीर में जरूर बड़े-बड़े हमले हुए, लेकिन दिल्ली सुरक्षित रही।

आतंकी साजिशों के बहुत से मामले अदालतों में जाकर खड़े नहीं हो पाते, और हिंदू हों, या मुस्लिम, कई तरह के आतंक-आरोपी सुबूतों की कमी से छूट भी जाते हैं। कई लोग तो 20-25 बरस बाद भी छूटे हैं। ऐसे में सचमुच के हमलावर कौन हैं, यह जानने में कई बार कुछ दशक भी लग सकते हैं। इसलिए जनधारणा को अदालत में सही साबित होने का काम बड़ा लंबा होता है, और इस बीच एक नहीं, कई चुनाव निपट जाते हैं। दिल्ली के कल के विस्फोट में देश की सुरक्षा व्यवस्था की असलियत सामने रख दी है कि सौ फीसदी हिफाजत किसी भी तरह मुमकिन नहीं हो सकती। यह नरेंद्र मोदी और अमित शाह के सुरक्षा इंतजाम में दिल्ली में हुआ पहला बड़ा विस्फोट है, और यह इसी वक्त आसपास के दूसरे विस्फोटक जब्तियों से जुड़ा हुआ भी हो सकता है। यह मौका राजनीतिक तोहमतों का नहीं है, इसलिए हम केंद्र सरकार को इस धमाके के पीछे के जिम्मेदार लोगों तक पहुंचने के लिए वक्त देना बेहतर समझेंगे।

इस आक्सीजन के सबसे बड़े स्रोत के ऊपर छाया संकट

अमेजन के जंगल धीरे-धीरे मर रहे हैं, क्यों है दुनिया के लिए खतरे की घंटी इस साल का संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (कॉप30) ब्राजील के उत्तरी शहर बेलेम में हो रहा है। इसे अक्सर दुनिया के सबसे बड़े वर्षावन अमेजन का प्रवेश द्वार कहा जाता है।

यह एक प्रतीकात्मक स्थान है। दुनिया भर के देश पेरिस में हुए जलवायु सम्मेलन के दस साल बाद बेलेम में जमा हो रहे हैं। पेरिस में एक ऐतिहासिक समझौता हुआ था जिसका मकसद धरती को गर्म करने वाली गैसों के उत्सर्जन को सुरक्षित सीमा तक रोकना था। लेकिन अब तक ये प्रयास सफल नहीं हुए हैं, क्योंकि उत्सर्जन लगातार बढ़ रहा है।

यही वजह है कि पर्यावरण से भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड सोखने वाले अमेजन के जंगल, इस स्थिति को सुधारने के उपायों में अहम भूमिका निभाने वाले हैं। लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि दशकों से हो रही बनों की कटाई और अब जलवायु प्रभावों के कारण, अमेजन का भविष्य खुद ही अनिश्चित हो गया है। जिस पारा राज्य की राजधानी बेलेम है, वहां वर्षावन के विनाश का स्तर पूरे अमेज़न में सबसे ज्यादा है।

इसी वजह से बीबीसी अमेज़न की मौजूदा स्थिति और उन खतरों पर गहराई से नजर डाल रहा है, जिनका उसे सामना करना पड़ रहा है।

बाजील के हिस्से में अमेजन का लगभग 60 फीसदी इलाका आता है। बाजील का कहना है कि वह उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की मजबूत सुरक्षा के लिए एक नया समझौता करवाने की कोशिश करेगा।

उष्णकटिबंधीय वर्षावन ज्यादातर भूमध्य रेखा के पास पाए जाते हैं। यहां ऊंचे, स्यादातर सदाबहार पेड़ होते हैं।

दुर्लभ प्रजातियों का ठिकाना

अमेजन में सिर्फ जंगल ही नहीं, बल्कि दलदल और सवाना यानी घास के मैदान भी हैं। यह दक्षिण अमेरिका के 67 लाख वर्ग किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र में फैला है. जो भारत के आकार से दोगुना बड़ा है। यह धरती के सबसे समृद्ध और जैव विविधता वाले इलाकों में से एक है।

इसमें शामिल हैं -

कम से कम 40,000 पौधों की प्रजातियां, 427 स्तनपायी प्रजातियां पक्षियों की 1,300 प्रजातियों, जिनमें हापी ईगल और टुकान शामिल है हरी इगुआना से लेकर ब्लैक कैमन तक 378 सूप प्रजातियां 400 से ज्यादा उभयचर प्रजातियां, जिनमें डार्ट पॉयजन फॉग और स्मूथ-साइडेड टोड शामिल हैं और लगभग 3,000 मीठे पानी की मछलियों की प्रजातियां, जिनमें पिरान्हा और विशल अरपाइमा शामिल हैं, जिसका वजन 200 किलोग्राम तक हो सकता है। इनमें से कई प्रजातियां दुनिया में और कहीं नहीं पाई जातीं। इसके अलावा, इस क्षेत्र में सैकड़ों मूलनिवासी समुदाय रहते हैं। अमेजन दुनिया की सबसे बड़ी नदी है। अपनी 1,100 से ज्यादा सहायक नदियों के साथ यह धरती पर मीठे पानी का सबसे बड़ा स्रोत है। यह पानी अटलांटिक महासागर में जाकर मिलता है और समुद्री धाराओं को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। अमेजन के जंगल एक बड़ा मा कार्बन सिंक हैं। हालांकि अब अमेजन के कुछ हिस्सों में पेड़ों के कटने और भूमि के खराब होने की वजह से यह देखा गया है कि वे जितना कार्बन डाइऑक्साइड सोखते हैं, उससे ज्यादा उत्सर्जित कर रहे हैं। अमेजन भोजन और दवाओं का भी एक प्रमुख स्रोत है। यहां धातुओं, खासकर सोने के लिए खनन किया जाता है। नवीन सिंह खड़का, एंतोनियो क्यूबेरो और विजुअल जर्नलिज्म टीम यह क्षेत्र तेल और गैस का भी एक बड़ा उत्पादक वन सकता है। जंगलों के बड़े हिस्से के नष्ट होने से यह लकड़ी का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है।

अमेजन में क्या हो रहा है?

तापमान में तेज बढ़ोतरी और लंबे समय तक चले सूखे ने अमेजन के प्राकृत्तिक संतुलन पर गहरा असर डाला है। आमतौर पर नम रहने वाला यह जंगल अब ज्यादा सूखा हो गया है और आग के प्रति अधिक संवेदनशील वन गया है। उदाहरण के तौर पर, प्राजील की अंतरिक्ष एजेंसी आईएनपीई के अनुसार सितंबर 2024 में ब्राजीलियाई अमेज़न में 41,463 जगहों पर आग के हॉटस्पॉट दर्ज किए गए। यह 2010 के बाद सितंबर महीने में दर्ज की गई सबसे ज्यादा संख्या थी। अमेरिका की पेल यूनिवर्सिटी में इकोसिस्टम कार्बन कैप्चर% के एसोसिएट प्रोफेसर पाउलो ब्रांडो कहते हैं, 'हम सूखे और आग की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी देख रहे हैं और इसके कारण अमेजन के कई हिस्सों में क्षरण बढ़ गया है।' वह आगे कहते हैं, %कई क्षेत्रों में यह क्षरण अब अमेजन के लिए एक बड़ा खतरा बनकर सामने आ रहा है।

फ्लाइंग रिवर्स पर असर

समस्या यहीं से शुरू होती है। विशाल अमेज़न क्षेत्र में अपनी खुद को मौसम प्रणालियां हैं। इसके जंगल अटलांटिक महासागर से आने वाली नमी को सर्कुलेट करते हैं, जिन्हें आकाश में वहने वाली% हवाई नदियां% या 'फ्लाइंग रिवर्स' कहा जाता है।

ये वायुमंडलीय नदियां सबसे पहले अमेजन के पूर्वी हिस्से में, पानी अटलांटिक के पास बारिश करती हैं। इसके बाद जमीन और पेड़ों से पानी भाप बनकर ऊपर उठता है, जो वाष्पोत्सर्जन की प्रक्रिया से हवा में फैलता है और वर्षावन के दूसरे हिस्सों पर गिरने से पहले पश्चिम की ओर बढ़ता है।

वर्षावन के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक पानी का यह चक्र पूरे अमेज़न में चालता है। यही बताता है कि यह विशाल वर्षावन इतने लंबे समय तक कैसे फलता-फूलता रहा है। वायुमंडलीय नदियां वास्तव में जलवाष्प की नदियां हैं, जो आसमान में पानी को लाती ले जाती हैं। हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि अब अमेज़न में नमी का यह प्राकृतिक संतुलन टूट गया है। जिन हिस्सों में जंगलों की कटाई हुई है या जमीन का क्षरण हुआ है, वे महासागर से आने वाली नमी को पहले की तरह सर्कुलेट नहीं कर पा रहे हैं। नतीजतन, जमीन और पेड़ों से वाष्प बनकर हवा में लौटने वाली नमी की मात्रा बहुत कम हो गई है। अमेजन कंजर्वेशन के वैज्ञानिक और 'फ्लाइंग रिवर्स और अमेजन के भविष्य' पर हालिया रिपोर्ट के सह लेखक मैट फाइनर कहते हैं, 'नमी को सकूँलेट करने बाली जो छोटी छोटी मौसम प्रणालियां पहले पूरे अमेज़न में आपस में जुड़ी हुई थीं, वे अब टूट चुकी हैं।' उनका कहना है कि इसका सबसे बुरा असर पश्चिमी अमेजन में पड़ा है, जो अटलांटिक महासागर से सबसे दूर है. खासकर दक्षिणी पेरू और उत्तरी बोलीविया के इलाकों चर वह कहते हैं, 'पेरू और बोलीविया के वर्षावनों का अस्तित्व वास्तव में पूर्व में स्थित ब्राजील के जंगलों पर निर्भर करता है। अगर ये जंगल नष्ट हो जाते हैं, तो फ्लाइंग रिवर्स' बनाने वाला जल चकटूट जाएगा और नमी पश्चिमी अमेजन तक नहीं पहुंच पाएगी। यह सब आपस में जुड़ा हुआ है। यह समस्या जून से नवंबर तक चलने वाले शुष्क मौसम में सबसे गंभीर रूप ले लेती है।

निर्णायक मोड़

पहले अमेज़न का यह भीगा और नम वर्षावन, जंगल की आग के प्रति काफी मजबूत था। लेकिन जिन इलाकों में बारिश कम हो गई है, वहां यह प्रतिरोध धीरे-धीरे कमजोर पड़ रहा है। कुछ वैज्ञानिकों को आशंका है कि सूखते हुए वर्षावन अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गए हैं, जहां से पह दोबारा उबर नहीं पाएंगे। इनके हमेशा के लिए नष्ट होने का खतरा है। मैट फाइनर कहते हैं, 'निर्णायक बदलाव के शुरुआती संकेत हमें अमेजन के कुछ हिस्सों में दिख रहे हैं। ब्राजीलियाई वन वैज्ञानिक टासो अजेवेदो कहते हैं, जिस तरह अमेजन जैसे उष्णकटिबंधीय वन कार्बन को सोखकर धरती के तापमान को सीमित रखते हैं, उसी तरह उनमें ग्रह को ठंडा करने की क्षमता भी होती है। वह कहते हैं, इसीलिए इस गर्म होती दुनिया के लिए अमेजन एक विशाल एयर कंडीशनर की तरह है। यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफर्ड के 'इकोसिस्टम्स लैब' में सीनियर स्मिर्च एसोसिएट एरिका बेरेनगुएर भी मानती हैं कि खतरा लगातार बढ़ रहा है। फुइनर की तरह वह भी कहती हैं कि कुछ हिस्से बाकी क्षेत्रों की तुलना में ज्यादा प्रभावित हैं। वह कहती हैं, 'यह एक बहुत धीमी प्रक्रिया है, जो कुछ खास इलाकों में हो रही है।'

पानी का संकट

विशेषज्ञों का कहना है कि अमेजन के आसमान में नमी के कम सर्कुलेशन का असर सिर्फ जंगल की सेहत पर ही नहीं, बल्कि अमेजन और उसकी कई सहायक नदियों पर भी गहराई से पड़ रहा है। पिछले कुछ सालों में अमेज़न बेसिन की कई नदियों में जलस्तर रिकॉर्ड स्तर तक नीचे चला गया है। 2023 में यहां पिछले 45 साल का सबसे भयानक सूखा पड़ा था। 2023 और 2024 के शुरुआती महीनों में सूखे की यह स्थिति आआंशिक रूप से 'एल नीनी' के कारण बनी थी। यह एक प्राकृतिक मौसम प्रणाली है जिसमें पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान बढ़ जाता है। इसका असर पूरी दुनिया के बारिश के पैटर्न पर पड़ता है, खासकर दक्षिणी अमेरिका में।

माइनिंग की चुनौती

जंगलों की कटाई और जलवायु संकट से होने वाला नुकसान ही काफी नहीं था कि अब अवैध खनन, रखासकर सोने के खनन ने भी अमेजून को भारी नुकसान पहुँचाया है। एरिका बेरेनगुएर कहती हैं, 'अब इस क्षेत्र में रेयर अर्थ खनिजों के लिए भी खनन शुरू हो गया है।' ये खनिज इलेक्ट्रिक वाहनों, पवन टर्बाइनों, मोबाइल फोन और उपग्रहों में इस्तेमाल होते हैं, इसलिए आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद जरूरी हैं। हालांकि खनन से बहुत बड़े पैमाने पर जंगलों की कटाई नहीं होती, लेकिन यह पारे जैसे रसायनों से नदियों, मिट्टी और पेड़ों को प्रदूषित कर देता है। आगे चलकर यही जहर जानवरों और इंसानों दोनों के लिए घातक बन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अवैध खनन करने वालों और संगठित अपराध के नेटवर्क के बीच संबंध लगातार बड़ रहे हैं। इनमें हथियार और बंदूक की तस्करी करने वाले गिरोह भी शामिल हैं। मैट फाइनर कहते हैं, 'आपराधिक नेटवर्क पूरे अमेज़न में फैल चुका है, जिससे प्रशासन के लिए जमीनी स्तर पर नियंत्रण बनाए रखना बेहद मुश्किल हो गया है।' अमेजन आत देशों में फैला हुआ है और हर देश के अपने कानून और उन्हें लागू करने का अपना तरीका है। यही वजह है कि सीमा पार अपराधों से निपटना बेहद कठिन हो जाता है। चिंता की एक और वजह यह है कि अमेजन के नीचे बड़ी मात्रा में हाइड्रोकार्बन पाए गए हैं। इन्फो अमेजोनिया के अनुसार, 2022 से 2024 केबीच लगभग 5.3 अरब वैरल के बराबर तेल के भंडार खोजे गए हैं। इसका कहना है कि इस क्षेत्र में दुनिया के हाल ही में खोजे गए तेल भंडारों का लगभग पांचवां हिस्सा मौजूद जिससे यह जीवाश्म ईंधन उद्योग के लिए एक नया है, केंद्र चन गया है। इन भंडारों की खोज से पहले ही, और फ्लाइंग रिवर्स% पर ताजा रिसर्च से पहले, साइंस पैनल फॉर द अमेजन की रिपोर्ट में दिखाया गया था कि वर्षावन के विनाश के कारण 10,000 से ज्यादा पौधों और जानवरों की प्रजातियां विलुप्त होने के गंभीर खतरे में हैं।

इलाके के लिए ही नहीं, दूर तक है अहमियत

अमेजन अब भी एक मजबूत कार्बन सिंक है, जो धरती को गर्म करने वाली मुख्य गैस कार्बन डाइऑक्साइड (ष्टह्र2) की भारी मात्रा को अवशोषित करने की क्षमता रखता है। 2024 में जारी 'मॉनिटरिंग ऑफ द एंडीज अमेज़न प्रोग्राम' (एमएएपी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 तक अमेजन की जमीन के ऊपर और नीचे लगभग 71.5 अरब मीट्रिक टन कार्बन जमा था। यह मात्रा 2022 के स्तर पर वैश्विक ष्टह्र2 उत्सर्जन के लगभग दो साल के बराबर है। लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि जंगलों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से इस बात का खुतरा बढ़ रहा है कि क्षेत्र के और हिस्से अब कार्बन सोखने के बजाय उत्सर्जन करने लगें। उनका कहना है कि अगर अमेजन को खो दिया गया, तो यह जलवायु संकट के खिलाफ लड़ाई हारने जैस होगा। उष्णकटिबंधीय वन बादलों की एक परत बनाते। जो सूर्य के प्रकाश को परावर्तित कर अंतरिक्ष में भेज दे है और धरती को ठंडा बनाए रखने में मदद करती है। ज तक यह प्रक्रिया जारी रहती है, यह पृथ्वी के गर्म होने य रफ्तार को धीमा करती है। ब्राजीलियाई वन वैज्ञानिक टासी अजेवेदी कहते हैं, 'जिस तरह अमेजन जैसे उष्णकटिबंधीय वन कार्बन को सोखकर धरती के तापमान को सीमित रखते हैं, उसी तरह उनमें ग्रह को ठंडा करने की क्षमता भी होती है।' वह कहते हैं, 'इसीलिए इस गर्म होती दुनिया के लिए अमेज़न एक विशाल एयर कंडीशनर की तरह है।' जैसा पहले बताया गया है, दुनिया के सबसे बड़े मीठे पानी के बेसिन का वैधिक जलवायु पर भी गहरा असर पड़ता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि मीठे पानी का विशाल प्रवाह अटलांटिक महासागर की धाराओं को दिशा देने में मदद करता है, और इस प्रवाह में कोई भी बदलाव समुद्री धाराओं के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मौसम प्रणालियों को भी प्रभावित कर सकता है।

(साभार : बीबीसी)

जीवन धारा

मेल रॉबिंस

जब आप दूसरों को खुश करने की जिम्मेदारी लेना छोड़ देते हैं, तब आपको एहसास होता है कि आपके पास वास्तव में कितनी ताकत है। जो जैसा कर रहा है, उसे वैसा करने दें और खुद पर ध्यान दें।

दूसरों की नहीं, अपनी खुशी के लिए काम करें

अगर आप अपनी जिंदगी बदलने, अपने लक्ष्य हासिल करने या ज्यादा खुशी महसूस करने के लिए जूझ रहे हैं, तो मैं आपसे सिर्फ इतना कहना चाहती हूं कि समस्या आप नहीं हैं। समस्या वहां है, जहां आप अनजाने में दूसरों को अपने फैसले लेने का अधिकार सौंप देते हैं। हम सब ऐसा करते हैं, अक्सर बिना परिणाम जाने। अक्सर आप मान बैठते हैं कि अगर आप सही बात कह देंगे, तो सब खुश हो जाएंगे। अगर आप खुद को हद से ज्यादा झुका लेंगे, तो शायद आपका साथी आपसे नाराज नहीं होगा। अगर आप ज्यादा मिलनसार बन जाएं, तो शायद सहकर्मी आपको ज्यादा पसंद करने लगें। अगर आप हर हाल में शांति बनाए रखें, तो शायद आपका परिवार आपकी जिंदगी के फैसलों को लेकर ताना मारना छोड़ दे।

मैं यह बात इतने पुख्ता तौर पर इसलिए कह रही हूं, क्योंकि मैंने खुद इसे जिया है। वर्षों तक हर किसी के लिए सब कुछ बनने की कोशिश करती रही, यह सोचते हुए कि अगर मैं बस थोड़ा और कर लूं, सही बातें कहूं और सबको खुश रखूं, तो शायद मैं भी एक दिन खुद के बारे में अच्छा महसूस कर पाऊंगी। लेकिन, होता क्या है? आप और ज्यादा मेहनत करते हैं, खुद को और ज्यादा मोड़ते बदलते हैं, अपने आप को और छोटा बनाते हैं, फिर भी कोई न कोई नाखुश रह ही जाता है, कोई न कोई आलोचना करता ही है, और अंत में आपको यही महसूस होता है कि आप चाहे जितना भी प्रयास कर लें, वह कभी भी काफी नहीं होता है। लेकिन, जिंदगी को तो हमेशा इस तरह से नहीं जिया जा सकता न। इसलिए, आप अपना वक्त, ऊर्जा और खुशियां उन बातों पर बर्बाद करना छोड़ दें, जिन्हें आप बदल नहीं सकते-जैसे, दूसरों की राय, उनका मूड या बर्ताव। इसके बजाय आप उस एक चीज पर ध्यान दें, जिसे आप वास्तव में बदल सकते हैं। और अब जानिए सबसे हैरान करने वाली बात। जब आप दूसरों को खुश करने की जिम्मेदारी लेना छोड़ देते हैं, तब आपको एहसास होता है कि आपके पास वास्तव में कितनी ताकत है।

जिंदगी की बातें : थकान का सौंदर्य

रुकना नहीं है बस चलते जाना है!!

हमने क्या कभी थकान को ध्यान से देखा है? जैसे दिन ढलने के बाद किसी पेड़ की छाया लंबी हो जाती है- धीमी, शांत, बिना किसी शोर के... थकान भी कुछ वैसी ही होती है। न बोलती है, न शिकायत करती है, बस शरीर के जरिए मन की कहानी कहती है। हमारे समय में 'थकान' एक नकारात्मक शब्द बन गया है। यह कहा जाता है कि 'थकना नहीं है', 'रुकना नहीं है', 'चलते रहना है', लेकिन कोई नहीं कहता कि 'ठहरो, सांस लो, महसूस करो।'

दरअसल, हम एक ऐसी सभ्यता के नागरिक हैं, जहां रफ्तार को सफलता और ठहराव को विफलता समझा गया है। इस तेज जीवन में थकान से डरना सिखाया गया है, जैसे वह कोई कमजोरी हो। जबकि सच यह है कि थक जाना सबसे बड़ा प्रमाण है कि हमने दिन को पूरी नीयत से, पूरी ईमानदारी से जिया। जो नहीं थकता, शायद उसने अभी तक शुरू ही नहीं किया। थकान केवल शरीर की बात नहीं है, यह आत्मा की भाषा है। यह उस श्रम की स्मृति है जो दिन भर हमारे भीतर से होकर गुजरी होती है। हमारी पीठ में, हथेलियों में, आंखों में, सांसों में जमा हर थकान कहती है कि हमने कुछ रचा है, कुछ जोड़ा है, भले वह दुनिया ने न देखा हो, पर हमारे भीतर कुछ बदल गया हो।

सड़क किनारे एक रिक्शेवाला अपनी सीट पर झुका बैठा था। उसकी आंखें बंद थीं, लेकिन उसके चेहरे पर एक गहरी शांति थी। वह थका था, पर उस थकान में पराजय नहीं थी। वैसा संतोष था, जो अमीरी नहीं देती, बल्कि वह पूरे दिन की ईमानदार मेहनत से आता है। किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को यह समझ में आ सकता था कि थकान भी एक सौंदर्य है, जिसे देखने नहीं, महसूस करने की जरूरत होती है।

आज का समय हमें 'परिणाम' से बांधता है, लेकिन थकान 'प्रयास' की भाषा है। वह कहती है कि हमने दौड़ में हिस्सा लिया, हमने जीवन के संघर्ष में अपने हिस्से की कोशिश की। चाहे मंजिल मिली या नहीं, थकान खुद में एक उपलब्धि है, क्योंकि जो थकता है, वही जीता भी है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि कुछ करते हुए थकने और बिना कुछ किए थकने में एक बड़ा अंतर है। बिना कुछ किए थकान महसूस करने वाले व्यक्ति की सुविधाएं उसे थका देती हैं। सुविधाओं का भोग एक ऐसी आराम की आदत देता है, जो बिना कुछ किए भी व्यक्ति को थका देता है। ऐसे लोगों का समय हमें आपका समय हमा है, लेकिन थकान 'प्रयास' की भाषा है। वह कहती है कि हमने दौड़ में हिस्सा लिया, हमने जीवन के संघर्ष में अपने हिस्से की कोशिश की। चाहे मंजिल मिली या नहीं, थकान खुद में एक उपलब्धि है, क्योंकि जो थकता है, वही जीता भी है।

हमारे समाज में आजकल प्रत्येक व्यक्ति के पास 'अगला काम' है, 'अगली मंजिल' है। हर कोई किसी लक्ष्य की ओर भाग रहा है, लेकिन बहुत कम लोग यह समझते हैं कि जीवन लक्ष्य नहीं, यात्रा है। कभी-कभी तो बस रुक जाना, अपने भीतर की सांस सुन लेना ही सबसे जरूरी होता है। जब हम सच में थकते हैं, तभी हमें पता चलता है कि हम कहां तक इंसान हैं और कहां मशीन बन गए हैं। मशीनें नहीं थकतीं, इसलिए वे कभी विश्राम का सुख नहीं जान पातीं। हम थकते हैं और यही थकान हमें मनुष्य बनाए रखती है। वह हमें सीमाओं का बोध कराती है और यह सीमा बोध ही जीवन की गरिमा है। थकान में एक मौन होता है, जो बोलता नहीं, पर बहुत कुछ कह जाता है। उस मौन में हम दूसरों की थकान को भी पहचानने लगते हैं। शायद इसी तरह करुणा जन्म लेती है, जब हम खुद के थके होने से दूसरों के लिए नरम हो जाते हैं। जिस दिन हम सच में किसी राहगीर, मजदूर या मां के चेहरे पर थकान देखें, हम पाएंगे कि वह थकान केवल परिश्रम की नहीं, प्रेम की भी भाषा है। वह त्याग की चमक से भरी होती है, जिसे शब्दों में बांधना संभव नहीं। थकान का दायरा बहुत बड़ा है, बस देखने और समझने की जरूरत है। एक शिक्षक की भी थकान होती है, जो बच्चों की आंखों में अपने उत्तर खोजता है। एक डाक्टर की थकान होती है, जो रात-दिन किसी और की सांसों के बीच अपनी सांसें भूल जाता है। एक मां की थकान होती है, जो घर को घर बनाए रखती है बिना कभी श्रेय मांगे। प्रत्येक पेशे की, प्रत्येक संबंध की, प्रत्येक ईमानदार कोशिश की अपनी थकान होती है। और वही थकान दुनिया को टिकाए रखती है। कभी-कभी लगता है, थकान वही जगह है जहां हम अपने असली रूप में लौटते हैं।

जहां चेहरों से मुखौटे उतर जाते हैं, जहां उपलब्धियों का शोर शांत हो 1 जाता है। वहीं जाकर हम समझते हैं कि जीवन कोई दौड़ नहीं, बल्कि एक अनुभव है जो हर थकान के पार थोड़ा और खुलता है। थकान में एक विनम्रता होती है, जो हमें याद दिलाती है कि कुछ भी स्थायी नहीं। न परिश्रम, न उपलब्धि, न हम स्वयं। हम बस एक यात्रा के यात्री हैं, जिसमें थकान ही वह पड़ाव है जहां आत्मा थोड़ी देर विश्राम करती है। थकान दरअसल जीवन की कविता है, जो हमें सिखाती है कि हर दौड़ के बाद ठहरना जरूरी है, हर उपलब्धि के बाद विश्राम आवश्यक है। जिस दिन हम थकान को एक साथी की तरह स्वीकारना सीख लेंगे, उसी दिन हमें समझ आएगा कि शक्ति शोर में नहीं, उस निस्तब्धता में है, जहां हम खुद से मिलते हैं- थके हुए, पर पूरे।

-जय प्रकाश पांडेय 'पहाड़ी'

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।एजेंसी। लेवाली कमजोर रहने से मंगलवार को अनाज मंडी में चना घटाकर बोला गया। मसूर में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। किराना जिंसों में नारियल बड़त पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली ठंडी रहने से भावों में 50-100 रू. प्रति क्विंटल की टूटत रही। मसूर में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत देखा गया। उधर, किराना जिंसों में नारियल बड़त पर रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4270, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-245, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-750, बेस्ट 780-791, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 525-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोंनिया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3650, (160) 3600-3650, (200) 4000-4100, (250) 4900-5000

तेल- सींगदाना 1400-1420, मुम्बई 1420, राजकोट तेलिया 2220, सोया साल्वेंट 1170-1175, सोया रिफाइंड 1230-1240, कपास्या 1245, धूलिया 1250, कड़ी 1250,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1385-1390, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1255,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7900-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400-4500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5800-5850, एवरेज 5000-5200, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रर्शा?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5700-5800, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6600-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा अच्छी रही। विदेशी बाजारों में बनी तेजी से स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 155000, चाँदी (99) 154600, टंच 153900, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 125200,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.53 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया बढ़त के साथ 88.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक स्थिति को लेकर चिंताओं से डॉलर में कमजोरी आई, जिससे रुपये को निचले स्तर पर समर्थन मिला। हालांकि घरेलू शेयर बाजारों के नरम रुख और विदेशी पूंजी की निकासी ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.79 पर खुला और कारोबार के दौरान 88.67 के उच्च स्तर तक पहुंचा। सोमवार को यह 88.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी, मेटल और ऑटो सेक्टर उछले । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 335.97 अंक ऊपर आकर 83,871.32 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120.60 अंक बढ़कर 25,694.95 पर पहुंचा। सेंसेक्स के शेयरों में बीईएल, एमएंडएम, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा, एलएंडटी, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक उछले जबकि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, कोटक महिंद्रा बैंक, पावरग्रिड और टाटा स्टील के शेयर गिरे। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन मिलाजुला रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 302.75 अंक बढ़कर 60,427 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 37.20 अंक टूटकर 18,101.40 पर था। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार उतार-चढ़ाव के साथ खुले। सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की तेजी के साथ 83,671 पर खुला। वहीं निफ्टी तेज शुरुआत के बाद 46.05 अंक टूटकर 25,526 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को मजबूती छायी रही। जापान का निक्की 225 इंडेक्स 0.56 फीसदी ऊपर, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.24 फीसदी बढ़ा और हांगकांग का हांगसेंग 0.4 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वॉल स्ट्रीट में सोमवार को एन?विडिया और पलंटिर जैसी एआई कंपनियों में तेजी से अमेरिकी बाजारों को बल मिला। एसएंडपी 500 में 1.54 फीसदी, नेस्डेक में 2.27 फीसदी और डाओ जोंस में 0.81 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

भारत के रियल एस्टेट बाजार को लेकर रियल एस्टेट सलाहकार की सलाह जरुर पढ़े

नई दिल्ली ।एजेंसी। भारत के रियल एस्टेट बाजार में हाल के दिनों में तेज़ी दिखाई दी है, लेकिन अनुभवी सलाहकार और बाजार जानकार अतीत की गलतियों से सीखने की सलाह दे रहे है। रियल एस्टेट सलाहकार का मानना है कि इस बुलेटप्रूफ़ दिखने वाली तेज़ी के पीछे छिपी अस्थिरता को नजरअंदाज नहीं कर सकते है। रियल एस्टेट सलाहकार चेतावनी देते हैं कि प्रॉपर्टी की कीमतें हमेशा नहीं बढ़तीं, और जापान, चीन और अमेरिका में पिछली दुर्घटनाएं साबित करती हैं कि जब बुनियादी सिद्धांत फिसलते हैं, तब क्या होता है। प्रॉपर्टी का मूल्य तभी बढ़ता है, जब आर्थिक स्थितियां उसका समर्थन करती हैं। वे बताते हैं, 1989 में, जापान का प्रॉपर्टी बाजार इतना तेज था कि टोक्यो के इम्पीरियल पैलेस के नीचे की जमीन की कीमत पूरे कैलिफ़ोर्निया से भी अधिक थी। फिर जापान में रियल स्टेट बाजार गिर गया। 2001 तक, ज़मीन की कीमतें 70 प्रतिशत तक गिर गई थीं। जिन लोगों ने 1989 में सबसे ऊंचे दाम पर प्रॉपर्टी खरीदी थी, वे अभी भी घाटे में हैं। इस बात को 36 साल हो चुके हैं। लेकिन रियल एस्टेट सलाहकार का तर्क है कि भारत, फिलहाल, कुछ सही कारणों से अलग है। वह कहते हैं, भारत उन सभी जरूरी बातों पर खरा उतरता है। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 7.8 प्रतिशत बढ़ा। हमारे शहरी क्षेत्रों में 10 करोड़ से अधिक लोग जुड़ रहे हैं। ऑफिस की जगह की मांग और आपूर्ति का अनुपात 0.49 है। यानी हर 2 वर्ग फुट की मांग के लिए, हम सिर्फ़ 1 वर्ग फुट बना रहे हैं। यही बात मौजूदा समय को विकास के लिए सही बनाती है। फिर भी, रियल एस्टेट सलाहकार की चेतावनी बरकरार है।

अदाणी समूह गुजरात में बनाएगा विश्व स्तरीय ऊर्जा भंडारण केंद्र

नई दिल्ली ।एजेंसी। अदाणी समूह ने मंगलवार को बैटरी ऊर्जा भंडारण (बीईएसएस) क्षेत्र में प्रवेश करने की घोषणा की। समूह की योजना गुजरात के खावड़ा में 1,126 मेगावाट विद्युत क्षमता और 3,530 मेगावाट-घंटा ऊर्जा भंडारण क्षमता वाली प्रणाली स्थापित करने की है। यह परियोजना भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की सबसे बड़ी एकल-स्थान बीईएसएस परियोजनाओं में से एक होगी। इस सुविधा में 700 से अधिक बीईएसएस कंटेनर होंगे और इसे मार्च 2026 तक चालू करने की उम्मीद है। यह परियोजना खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा परिसर का हिस्सा होगी, जिसे विश्व का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र बताया जा रहा है। बीईएसएस प्रणाली 3,530 मेगावाट-घंटा ऊर्जा संग्रहित करने में सक्षम होगी, जिससे 1,126 मेगावाट की विद्युत क्षमता लगभग तीन घंटे तक सप्लाई की जा सकेगी। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा कि ऊर्जा भंडारण अक्षय ऊर्जा आधारित भविष्य की आधारशिला है। यह परियोजना न केवल वैश्विक मानक स्थापित करेगी बल्कि भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता और स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहल समूह को बड़े पैमाने पर विश्वसनीय, स्वच्छ और किफायती ऊर्जा समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाएगी। समूह ने यह भी घोषणा की कि वह वित्त वर्ष 2026-27 तक अपनी भंडारण क्षमता 15 गीगावाट-घंटा तक बढ़ाने और अगले पांच वर्षों में इसे 50 गीगावाट-घंटा तक ले जाने का लक्ष्य रखता है। इस कदम से अदाणी समूह बड़े पैमाने पर स्वच्छ ऊर्जा अवसंरचना में अपनी महत्वाकांक्षाओं को मजबूत कर रहा है। इस रणनीतिक प्रवेश के साथ अदाणी समूह अब उन वैश्विक ऊर्जा दिग्गजों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जो बड़े पैमाने पर भंडारण अवसंरचना में निवेश कर रहे हैं। समूह का मुख्यालय अहमदाबाद में है और यह ऊर्जा, रसद, धातु और उपभोक्ता क्षेत्रों में विविध व्यवसाय संचालित करता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपकी जिम्मेदारियां पूरी होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आज आपके दिल को सुकून मिलेगा। आप अपनी मेहनत के दम पर कोई अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। संतान भी नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर कहीं बाहर जा सकती है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। जो जातक रोजगार को लेकर परेशान चल रहे हैं, उन्हें भी इस समस्या से छुटकारा मिलेगा।

वृषभ- आज का दिन प्रेम जीवन जी रहे लोगों के लिए बढि़या रहने वाला है। सरकारी नौकरी में कार्यरत लोगों को ट्रांसफर मिलने से उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा भी दूर होगी और आप अपनी संतान को किसी नए कोर्स में दाखिला दिला सकते हैं। आपको अपने शारीरिक समस्याओं को लेकर किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श लेने होंगे, नहीं तो आने वाले समय में वह बढ़ सकती हैं। यदि आपने किसी काम को लेकर कोई लोन लिया था, तो वह आपको मिल जाएगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए करियर में अच्छा उछाल लेकर आएगा। आपकी आय के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देगा और पारिवारिक मामलों को आप मिल बैठकर निपटाने की कोशिश करें। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। वरिष्ठ सदस्यों के आशीर्वाद से आपको किसी नए पद की प्राप्ति हो सकती है। राजनीति में कार्यरत लोगों को उनके कामों से एक नई पहचान मिलेगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है, लेकिन फिर भी आप लोगों से काम से काम मतलब रखें और कोई निर्णय जल्दबाजी में ना लें। आप अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखें। आपकी कोई सेहत संबंधित समस्या उभर सकती हैं। आज आपको अपने कीमती सामानों की सुरक्षा आवश्यक करनी होगी, क्योंकि उनके खोने और चोरी होने का भय रहा है। आपके बॉस से आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे, जिससे आपको मनपसंद काम मिलेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा। आपको किसी पुराने वाद-विवाद को दोबारा उठाने से बचना होगा। आज आपके मन में किसी काम को लेकर उत्साह रहेगा। आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को मिलेगा, जिससे आपकी छवि और निखरेगी और आपका रुका हुआ धन आपको मिलने की संभावना है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए शांतिपूर्ण रहने वाला है। आज आप अपने बॉस की उम्मीद पर खरे उतरेंगे। काम के प्रति आपको जिम्मेदार बनना होगा। माताजी से आपकी किसी बात को लेकर बातचीत हो सकती है। आज आपके करियर में भी उछाल आएगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती हैं। आप बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध न करें।

तुला- आज का दिन आपके लिए दांपत्य जीवन में खुशहाली लेकर आएगा। आपके जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, उन्हें किसी नई नौकरी भी प्राप्ति हो सकती है। छोटे बच्चे भी खेलकूद में काफी व्यस्त रहेंगे। आप परिवार में किसी सदस्य के करियर को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं।

वृश्चिक- आज आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो अवश्य करें। आप दोस्तों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। बिजनेस में आप अपने कामों में बदलाव लाएंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। कर्मचारियों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई से संबंधित किसी काम को लेकर यदि परेशान थे, तो उसके लिए वह अपने अध्यापकों से बातचीत कर सकते हैं।

धनु- आज आपको कार्यक्षेत्र में लोगों का पूरा साथ मिलेगा और पारिवारिक जीवन में चल रही समस्याएं काफी हद तक दूर होंगी। भाई-बहन आपके कामों में पूरा साथ देंगे। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी हो सकती हैं। आप किसी चल व अचल संपत्ति का सौदा बहुत ही देखभाल कर करें, नहीं तो आपके साथ कोई धोखा हो सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। जीवनसाथी से रिश्तों में भी कुछ कटुता आ गई थी, तो वह भी दूर होगी। आज आपको आपकी पुराने समस्याओं का भी समाधान मिल जाएगा। वरिष्ठ सदस्यों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे, जिससे आपके अनुभवों में भी वृद्धि होगी। छोटे बच्चों के लिए आप कोई सरप्राइज गिफ्ट लेकर आ सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। विद्यार्थियों को किसी विषय को पढ़ने में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपकी कुछ नई कोशिशें रंग लाएंगी। आप अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे। आप किसी मित्र से लंबे समय बाद मिल सकते हैं, जिससे आपको खुशी मिलेगी। व्यवसाय में आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप धार्मिक यात्रा के लिए जा सकते हैं और आपको अपने कामों को आत्मविश्वास से मजबूत करने की आवश्यकता है, तभी वह आसानी से पूरे होंगे। कोई रुका हुआ काम आपको समस्या दे सकता है। आपकी किसी नए काम को करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

शब्दजाल - 8077

चं	ज	गां	धी	ग	ब	ज	मं	प	सु	क
द्र	वा	भ	क	या	दों	का	ग	स	ख	ड़
शे	ह	या	ग	र्म	छ	स	ल	न	दे	क
ख	र	रा	र	त	वी	स	पां	ल	व	य
र	इ	म	म	सं	सिं	ल	डे	र	रा	ल
आ	ता	प्र	ई	र	ब	ह	फ	त	श	ज
जा	बा	सा	दा	ई	जी	स	प	ग	प	न
द	र	द	प	ता	ज	ज	र्द	न	प	स
क	ज	बि	ने	न	ला	तां	त्या	टो	पे	हो
क	म	स्मि	प	ला	या	स	मा	ब	प	य
का	न	ल	ला	लो	क	मा	न्य	ति	ल	क

शब्द जाल में 10 स्वतंत्रता सेनानियों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

गांधी, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, सुखदेव, नेताजी, लाला लाजपतराय, लोकमान्य तिलक, तांत्या टोपे, मंगल पांडे .

शब्दजाल - 8076 का हल

सो	द	गा	वि	ग	म	हे	श	भू	प	ति
दें	नि	ल	क	श्व	दों	अं	जु	जॉ	र्ज	ड़
क	स	या	ल	र्म	ना	स	या	दी	ख	क
ध	न	रा	ज	पि	ल्लै	थ	र	ल	श	गो
क	री	दो	ग	क	बा	र	आ	ग	झ	पी
जी	श्री	ना	थ	इ	इ	उ	द्वा	नं	घ	चं
जे	दा	ल	चुं	सं	चुं	म	र	कौ	द	द
के	ही	ग	र	मे	ग	क	फ	या	श	फु
क	द	र	प	न	भू	स	रा	औ	प	ले
क	र	ल	खा	व	टि	ना	चि	ओ	प	ला
क	क	ल	प	न	या	स	व्य	न	प	या

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7021

1		2		■	3	■	4	5
	■		■	6			■	
7	8		■	■		■	9	
■		■	10	11	■	12		■
13		14	■	15		■	16	17
	■	18	19		■	20	■	
21		■		■	22		23	
■	■	24	■	25		■		■
26				■	■	27		

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7020

ऐ	त	बा	र	■	जु	र्म	■	जी	■
त	■	द	■	क	र्मा	■	घा	त	क
रा	हु	ल	■	री	ना	रा	य	■	र्म
ज	■	■	हि	ना	■	जा	ल	■	यो
■	फ	की	रा	■	शी	बा	■	बा	गी
क	र्ज	■	स	नी	■	बू	म	■	■
र	■	शी	त	ल	■	■	हा	सि	ल
म	हा	न	■	क	न्या	दा	न	■	व
■	द	■	ना	म	■	दा	ता	■	स्टो
सं	सा	र	■	ल	की	■	■	नू	री

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8545

1		■	2	■	3	■	4	5
	■	6		■	7	8	■	
9	10			11		12	13	
			14		15			
16					17			
			18	19				
20		21				22		23
		24	25		26			
27							28	

बाएँ से दाएँ

1. निशा, रात (उर्दू-2)
4. ताला (अंग्रेजी-2)
6. दुलारा, लाडला-2
7. बढ़ावा, समर्थन-2
9. निवास, घर, नीड़-3
12. कमी-3
14. पनाह, आश्रय-3
16. अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17. सज्जनता, सभ्यता-4
18. गिरवी रखी वस्तु-3
20. एक राशि-3
22. दबाव (अंग्रेजी-3)
24. कुल, मुनाफा-2
26. उम्मीद, आशा-2
27. मादा का विलोम-2
28. आगमन-2

ऊपर से नीचे

1. मदिरा, मय-3
2. ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3. सम्मान, प्रसिद्धि-2
5. डोली उठाने वाले-3
6. वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8. अधिकार-2
10. सेनापति, कप्तान-2,3
11. पति की मां-2
13. आत्मबलिदानी -5
14. कद काठी-3
15. रसद, किराणा-3
19. प्रत्येक-2
20. मैला, अस्वच्छ-3
21. मिट्टी, धूल-2
22. छापाखाना-2
23. जिव्हा, जीभ-3
25. सम्मान-2
26. फलों का राजा-2

शब्द पहेली -8544 का हल

■	ल	गा	म	■	प	ता	का	■
द	क्ष	■	ही	■	ह	■	ल	ता
रो	■	■	न	का	र	ना	■	क
गा	य	ब	■	न	■	ला	न	त
■	■	ल	ब	■	रा	य	■	■
आ	स	रा	■	ना	■	क	या	स
ई	■	म	हा	व	र	■	■	ह
ना	क	■	जि	■	सी	■	रा	ज
■	ल	की	र	■	ला	ग	त	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

12 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.35 ब.से
चंद्र	कर्क में	धनु	08.51 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.56 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.43 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.16 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.46 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.26 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.24 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.38 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		सिंह	23.54 बजे से
		कन्या	02.06 बजे से
		तुला	04.17 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 316 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि अष्टमी 22.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 18.36 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 08.03 बजे को समाप्त। **करण** बालव 10.58 बजे तदनन्तर कौलव 22.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 21.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 42'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872526
जूलियन दिन 2460991.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल **तारीख** 20
विशेष कालभैरव जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सही चुनाव

एक राजा को अपने दरबार के किसी उत्तरदायित्वपूर्ण पद के लिए योग्य और विश्वसनीय व्यक्ति की तलाश थी। उसने अपने आस-पास के युवकों को परखना शुरू किया। लेकिन वह किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँच पाया। तभी एक महात्मा का पदार्पण हुआ, जो इसी तरह यदा-कदा अतिथि बनकर सम्मानित हुआ करते थे। युवा राजा ने वयोवृद्ध संन्यासी के सम्मुख अपने मन की बात प्रकट की - 'मैं तय नहीं कर पा रहा हूँ। अनेक लोगों पर मैंने विचार किया। अब मेरी दृष्टि में दो हैं, इन्हीं दोनों में से एक को रखना चाहता हूँ।' 'कौन हैं ये दोनों?' 'एक तो राज परिवार से ही संबंधित हैं, पर दूसरा बाहर का है। उसका पिता पहले हमारा सेवक हुआ करता था, उसका देहांत हो गया है। उसका यह बेटा पढ़ा-लिखा सुयोग्य है।' 'और राज परिवार से संबंधित युवक? उसकी योग्यता 'मामूली है।' 'आपका मन किसके पक्ष में है?' 'मेरे मन में द्वंद्व है, स्वामी!' 'किस बात को लेकर?' 'राज परिवार का रिश्तेदार कम योग्य होने पर भी अपना है, और. . .' 'राजन! रोग शरीर में उपजता है तो वह भी अपना ही होता है, पर उसका उपचार जंगलों और पहाड़ों पर उगने वाली जड़ी-बूटियों से किया जाता है। ये चीजें अपनी नहीं होकर भी हितकर होती हैं।' राजा की आँखों के आगे से धुंध छँट गई। उसने निरपेक्ष होकर सही आदमी को चुन लिया।

सूडोकु नवताल- 7330

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7329 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

खुर्शीटोला लूट कांड के दो फरार आरोपी गिरफ्तार

खुर्सीटोला में 3 नकाबपोशों द्वारा पार्वती जांभूरे के निवास में लूट की घटना

पद्मेश न्यूज लांजी।

क्षेत्र के ग्राम खुर्शीटोला में विगत 23 अक्टूबर 2025 कि रात्रि 12 से 1 बजे के बीच पार्वती पति मेहतर जांभूरे के निवास में तीन नकाबपोशो के द्वारा लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था। जिसमें लांजी पुलिस ने 26 अक्टूबर को इस लूट कांड के मुख्य साजिश कर्ता आरोपी खेलन बाई हनोते पति स्व. रतिराम हनोते उम्र 70 वर्ष निवासी कालीमाटी एवं सहयोगी निकेश पिता चेतनलाल कबीरे उम्र 27 वर्ष निवासी बेनेगांव को हिरासम में लेकर जेल रवाना किया गया था तथा इनकी निशानदेही पर यह भी ज्ञात हुआ था कि दो अन्य आरोपी भी इस मामले में फरार बताये जा रहे थे जिन्हे लांजी पुलिस के द्वारा 11 नवंबर को हिरसत में लेकर न्यायालय में पेश किया गया है।

यह है मामला

लांजी पुलिस के द्वारा लूट कांड के दो आरोपियों को हिरासत मे लिये जाने को लेकर जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 26 अक्टूबर को पीडिता पार्वती पति मेहतर जांभूरे उम्र 62 वर्ष निवासी खुर्शीटोला ने पुलिस थाना लांजी पंहुचकर रिपोर्ट लेख कराई कि 23 अक्टूबर के रात्रि में मै और मेरी बहन खाना खाकर सो गये थे रात के करीब 12 से 1 बजे के बीच हमने घर में किसी के चलने की आवाज सुनाई दी आवाज सुनते ही हम जाग गये और देखें की घर के अन्दर तीन अज्ञात नकाबपोश व्यक्ति थे जिनसे पूछने पर उन्होने तुरंत हमारा चाकू दिखाकर मुंह दबाया तथा कहा कि यदि आवाज निकाली या चिल्लाये तो जान से खत्म कर देंगे। इसके पश्चात वे तीनों आरोपी घर मे रखे सामान एवं डिब्बों में से 4 हजार रूपये निकाल लिये तथा फरार हो गये। पीडिता की रिपोर्ट पर लांजी पुलिस के द्वारा अपराध क्रमांक 261/25 धारा 331-6, 309-4 बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला को तत्काल टीम का गठन कर आरोपी के गिरफ्तार हेतु निर्देशित किया गया। जिसके द्वारा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ओमप्रकाश भापुसे के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया जिनके नेतृत्व में टीम के द्वारा बडी सुझबूझ एवं कार्यशैली के आधार पर पूर्व घटना की मुख्य साजिश कर्ता आरोपी खेलन बाई हनोते पति रतिराम हनोते उम्र 70 वर्ष निवासी कालीमाटी एवं निकेश कबीरे पिता चेतनलाल कबीरे उम्र 27 वर्ष निवासी बेनेगांव थाना लांजी इन दोनों को लांजी पुलिस के द्वारा अपराध दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर हिरासत में लिया गया था तथा इसी प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी कि सूचना प्राप्त हुई की फरार आरोपी किसी कार्य से घर आया हुआ है तथा वापस भागने की फिराक में है। जिसे लांजी पुलिस के द्वारा हमराह स्टाफ की सहायता से आरोपी डुलेन्द्र पिता नरेन्द्र धनवले उम्र 35 वर्ष निवासी नंबर टोला किन्ही थाना किरनापुर तथा दुसरा आरोपी दीपक पिता मुन्ना परते उम्र 25 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 30 सरेखा बालाघाट थाना कोतवाली को विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल भी जप्त कि गई। उक्त लूट कांड की गुत्थी सुलझाने तथा आरोपियों की गिरफ्तारी में सराहनीय भूमिका में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में थाना प्रभारी उनि दीपसिंह परमार, उनि सुन्दरलाल पंवार, आरक्षक आशुतोष राजपूत, रूपसिंह, तथा महेन्द्र सहित पुलिस बल का सराहनीय योगदान रहा।

खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय उपराड़े ने की कार्यवाही

दहेगांव में अवैध रूप से संचालित विश्वास क्लिनिक सील

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम दहेगांव में खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय उपराड़े के द्वारा 11 नवंबर 2025 को निरीक्षण करते हुये विश्वास क्लिनिक दहेगांव पर सील बंद कार्यवाही की गई है। इस संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीणों के द्वारा लगातार शिकायत की जा रही थी तथा 181 पर भी शिकायत दर्ज कि गई थी कि दहेगांव विश्वास क्लिनिक के संचालक एस के विश्वास के द्वारा अवैध रूप से क्लिनिक का संचालन कर विविध प्रकार कि पैथी दवाईयों के माध्यम से उपचार किया जा रहा है जो कि गलत है। जिस संबध में खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय उपराड़े सिविल अस्पताल लांजी को शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसके परिपालन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में बीएमओ अक्षय उपराड़े एवं टीम के द्वारा उक्त विश्वास क्लिनिक पंहुचकर स्थल निरीक्षण किया गया जहां उन्हे एसके विश्वास अपनी क्लिनिक में उपस्थित पाये गये। उनके द्वारा बताया गया कि उनके पास कोई डिग्री नही है तथा वे केवल आयुर्वेदिक दवाईयों से उपचार किया जाता है मौका निरीक्षण विविध पैथी दवाई तथा अन्य उपचार में प्रयोग होने वाली सामग्री पाये जाने पर खण्ड चिकित्सा अधिकारी लांजी के द्वारा उक्त तथाकथित क्लिनिक को सील बंद कर दिया गया। तथा डॉ अक्षय उपराडे ने बताया कि हमारे द्वारा कि गई सील बंद कार्यवाही पुलिस थाना लांजी एवं उच्च कार्यालय को दी गई है।

क्षेत्र में इस प्रकार के अनेको क्लिनिक संचालित

लांजी क्षेत्र के बात की जाये तो वनांचल क्षेत्रो में भी अनेको ऐसे क्लिलिक दिखाई देंगे जो कि धडल्ले से विविध प्रकार की पैथी दवाईयों का उपचार करने संबधी संचालित है। जिनके पास किसी भी प्रकार की कोई डिग्री या पैथी नही है फिर भी वे छोटे से लेकर बडे रोग तक का उपचार करते देखे जा सकते है। अनेको स्थानों पर तो सर्जन का कार्य भी किया जा रहा है इसके अलावा और भी ऐसे अनेको शिकायतें प्राप्त हो रही है जो कि गैर कानूनी है उस संबंध में उपचार किया जाता है। इसको लेकर भी कार्यवाही की जानी चाहिये क्षेत्र मे कई ऐसे क्लिनिक मिल जायेंगे जो कि मरीजो को भर्ती कर भी उपचार करते हुये दिखाई दे रहे है।

शासकीय महाविद्यालय में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान

जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण एवं न्यायाधीश/सचिव सतीश शर्मा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के कुशल मार्गदर्शन में विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय लांजी में 11 नवंबर को विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

न्यायाधीश प्रीतम शाह द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम, बच्चों के अधिकार, पाक्सो एक्ट, बाल श्रम के विरूद्ध कानून, सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियम, सायबर सुरक्षा, सोशल मिडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करना, निशुल्क विधिक सहायता, घरेलू हिंसा एवं भरण पोषण की जानकारी दी गयी साथ ही संविधान के मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि मूल अधिकार एवं कर्तव्य दोनों साथ साथ चलते है, मौलिक अधिकार जो हर इंसान को केवल मनुष्य होने के नाते प्राप्त हैं, जैसे कि जीवन, स्वतंत्रता और गरिमा का अधिकार। ये अधिकार सार्वभौमिक, अविभाज्य और गैर-भेदभाव पर आधारित हैं, और इसमें विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार तथा यातना से मुक्ति जैसे कई अधिकार शामिल हैं। छात्र छात्राओं को संविधान के अनुच्छेद के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई साथ ही किशोर न्याय बोर्ड, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, नेशनल लोक अदालत, पीडि़त प्रतिकर योजना, महिला एवं बाल अपराध के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि विस्तार से चर्चा कर आईपीसी, सीआरपीसी एवं बीएनएस के धाराओं की जानकारी दी गई।

उक्त कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. गौतमा कठाने, डॉ. कान्ता वर्मा, सुरेन्द्र चिखले, महेश तलवरे, ललीत कामड़े व समस्त स्टॉफ, न्यायलयीन कर्मचारी विजय कुमार भोण्डेकर, पी.एल.व्ही. धीरज वाहने, श्रीमती बिन्देश्वरी मुरकुटे, श्रीमती हेमलता दशहरे उपस्थित रहें।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विकास विभाग की उदासीनता

गारंटी अवधि में नहीं किए जा रहे मरम्मत और सुधार कार्य

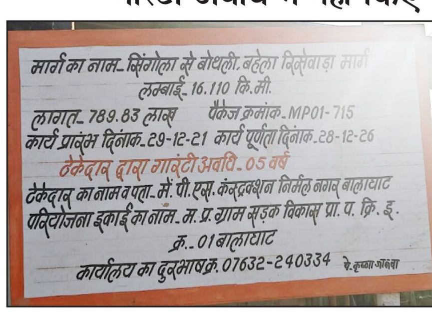

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में सडको का जाल तो बिछाया जा रहा है लेकिन इन सड़को की मरम्मत, रखरखाव पर लोक निर्माण विभाग सहित प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक विभाग का कोई ध्यान नही दिखाई देता। लांजी क्षेत्र की बात की जाये तो अनेको ऐसे सड़के, मार्ग है जहां बडे बडे गड्डे देखे जा सकते है, साईड पटरी की सफाई नही की जा रही है, मार्ग पर इतनी बड़ी बड़ी झाडियॉ है कि आवागमन कर रहे वाहन चालको को सामने की ओर से कौन आ रहा है यह तक दिखाई नही देता जिसके चलते दुर्घटनाऐं घटित हो जाती है। इस संबध में ग्रामीण जनों के द्वारा शिकायत भी की जाती है लेकिन विभाग इस ओर कोई ध्यान नही देता है। ऐसा ही एक अति व्यस्तम मार्ग क्षेत्र के भाडरा अंचल अन्तर्गत सिंगोला बहेला रिसेवाड़ा मार्ग है जहां मार्गो पर बडी बडी झाडियों दोनो ओर देखी जा सकती है साथ ही साईड सोल्डर या पटरी पर भी गायब नजर आ रही है या बडे बडे गड्डे इन मार्ग पर देखे जा रहे है जिसको लेकर शिकायतें कि जा रही है। बतादेकि उक्त निर्माण कार्य मेसर्स पी एस कन्स्ट्रक्शन निर्मल नगर बालाघाट के द्वारा 789.83 लाख रूपये कि लागत से 29 दिसंबर 2021 से कार्य प्रारंभ किया गया तथा कार्य पूर्ण दिनांक 28 दिसंबर 2026 अंकित है। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त मार्ग कि शिकायत विभाग को कि गई है लेकिन किसी प्रकार की रखरखाव या देखरेख का कार्य नही किया जा रहा है जिसके चलते मार्ग पर परेशानी हो रही है। जबकि विभाग को चाहिये कि 5 वर्ष के मेटनेन्स के तहत ठेकेदार से मार्ग का पूर्ण रूप से रखरखाव करवाया जाना चाहिये। समय समय पर मार्गो पर आये झाडियों की कटाई छटाई की जाये, साडई सोल्डर का रखरखाव किया जाये तथा मार्ग पर बडे बडे गड्डो कि मरम्मत किया जाये।

बिना माप दंड के लगाये जा रहे विद्युत पोल

वर्तमान में क्षेत्र मे विद्युत विभाग के द्वारा ठेकेदारा या कंपनी के माध्यम विद्युत लाईन नवीनीकरण का कार्य संचालित है। क्षेत्र के लगभग सभी ग्रामो में विद्युत पोल लगाये जाने का कार्य देखा जा सकता है। लेकिन इन विद्युत पोल के लगाये जाने को लेकर किसी भी प्रकार का माप दंड निर्धारित नही दिखाई दे रहा है ठेकेदार या कंपनी के लोगो के द्वारा अपनी ही मन मर्जी से जहां जगह मिले विद्युत पोल लगा दिया जा रहा है ऐसा प्रतित होता है जिसको लेकर भी ग्रामीण जन शिकायत करते नजर आ रहे है। वर्तमान मे बात सिंगोला बहेला रिसेवाड़ा मार्ग कि ही बात की जाये तो उक्त मार्ग पर सड़कं किनारे साईड पटरी पर ही विद्युत पोल लगा दिये गये है जो कि सडक से महज 2 से 3 फिट की दुरी पर ही गाड़ दिये गये है। निश्चित रूप से यह एक बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है क्योंकि किसी भी मार्ग पर साईड सोल्डर या पटरी पर विद्युत पोल का होना बडी दुर्घटना का कारण बनते जा रहा है। इस संबंध में क्षेत्र के अधिकारियों एवं विद्युत विभाग के द्वारा संज्ञान मे लेना चाहिये तथा माप दंड के अनुसार विद्युत पोल लगाये जाने चाहिये ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी आवागमन करने वालो को ना हो।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने लांजी में आयोजित किया दीपावली मिलन समारोह

पद्मेश न्यूज लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के सेक्टर लांजी में 10 नवंबर दिन सोमवार को दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। उक्त दीपावली मिलन समारोह मां गायत्री शक्तिपीठ लांजी के सभागार में पी डी भालाधरे के आतिथ्य में एवं एस आर ठाकरे की अध्यक्षता में किया गया। बैठक का शुभारंभ मां गायत्री एवं गुरुदेव पं.श्रीराम शर्मा व मां भगवती देवी शर्मा के चरणों में पूजा-अर्चना कर किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में पधारे सभी पेंशनर्स साथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। बैठक में सभी पेंशनर्स साथियों से अनुरोध किया कि अपने क्षेत्र में अभियान चलाकर सभी नये पेंशनरों को संघ से जोड़ें। इस दौरान नये पेंशनर के एल बड़घैया, श्रीमती राखी रावते, श्रीमती कमला ढोक, श्रीमती निर्मला बनवाले का श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया एवं संघ की सदस्यता प्रदान की गई।पेंशनर्स संघ के सचिव आई एस चौहान ने संघ की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं सभी उपस्थित जनों को बधाई दी। इस दौरान आई एस चौहान, एन एल बसेना, जी डी बेदरे, टी डी लिल्हारे, वाय आर सोनवाने, गिरिश रामटेककर, सुनील दत्त खरगाल, सुखचंद लिल्हारे, आर के पशीने, बलवंत बल्ले, देवराम धारणे, भोजराज लिल्हारे, ज्ञानीराम भण्डारकर, पूरनलाल उइके, एम आर नरताम, परसराम खेरे, युवराज अविनाशी, भागवत कलपुरे, राजाराम लिल्हारे, युवराज दहीकर, एम एल कुतरिये, एल एस सिसोदिया, एच आर कोठारे, टी एल कटरे, धनीराम सोनवाने, बी के पारधी, डी आर बनोठे, लखाराम लिल्हारे, उमंग प्रसाद कबीरे, बी आर ढोक, लखनलाल मुछावड़, टेकचंद बिहोने, धनीराम सोनवाने, आई सी ब्रम्हपुरे, हृदयराम राहंगडाले, श्यामदेव येरपुड़े, सहित अनेक पेंशनर्स साथी उपस्थित थे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बिना फार्मासिस्ट के मेडिकल स्टोर का संचालन करने पर भटेरा के दो मेडिकल स्टोर्स सील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशानुसार एवं पदेन उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन डॉ. उपलप के आदेशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा बालाघाट जिले में औषधि विक्रय संस्थानो की जाँच की गई । जांच में दो मेडिकल स्टोर्स का संचालन बगैर फार्मासिस्ट के पाए जाने पर उन्हें सील कर दिया गया है।

दिनांक 11 नवंबर 2025 को औषधि निरीक्षक जय प्रकाश कुमार जिला बालाघाट एवं जिला प्रशासन नायब तहसीलदार श्रीमती मंजुला महोबिया एवं पुलिस बल के साथ वेलकेयर फार्मेसी, डहरवाल मेडिकल, मां बिंदेश्वरी मेडिकल, लिल्हारे मेडिकल, कृष्णा मेडिकल, जेनेरिक फार्मेसी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दो मेडिकल स्टोर्स वेलकेयर फार्मेसी भटेरा चौकी एवं जेनेरिक फार्मेसी भटेरा रोड़ बालाघाट का संचालन फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में पाए जाने के कारण मौके पर जिला प्रशासन के साथ खाद एवं औषधि प्रशासन द्वारा सील बंद कर दिया गया है । औषधि एवं सौंदर्य प्रशासन अधिनियम एवं फार्मेसी एक्ट का उल्लंघन पाए जाने के कारण संबंधित फार्मासिस्ट एवं दुकान संचालक को कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए वैधानिक कार्यवाही की जावेगी ।

विदित हो कि फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में औषधियों का क्रय विक्रय करने पर 3 माह की सजा या 2 लाख तक का जुर्माना या दोनों फार्मेसी काउंसिल मध्य प्रदेश द्वारा अध्यारोपित किया जा सकता है।

टेकाडीघाट सुकडीघाट का ६ दिवसीय मेले प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। क्षेत्र के प्रसिद्ध श्री गोस्वामी देवस्थान मेला समिति टेकाडीघाट सुकडीघाट के द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ६ दिवसीय मेले का आयोजन ११ से १६ नवंबर तक किया जाना है। यह मेला लगातार ८५ वर्ष से आयोजित होते आ रहा हैं जिसमें मनोरंजन के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं। जहां ११ नवंबर को गोस्वामी बाबा की आराधना अर्चना और रात्रि में जागृति, १२ नवंबर को किर्तन विरेन्द्र पन्ने महाराज गोंदिया के द्वारा, १३ नवंबर को छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम रायगढ़ के कलाकारों द्वारा, १४ नवंबर को खड़ी शायरी दुय्यम महिला पुरुष श्यामा सोनी, गोविंद राउत और साथियों द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा। वहीं १५ नवंबर को अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है जहां कवि शैलेश इनायत, दिनेश देहाती, अंतू झकास वारासिवनी, भुवन सिंह धांसू छिंदवाड़ा, मुकेश मनमौजी सिवनी, अजीत जायसवाल उ.प्र., सरिता सरोज नागपुर, संजय अश्क बालाघाटी, चंद्रेश तुफ ानी भरवेली कविताओं, छंदों से राष्ट्रीय वंदना करते हुए श्रोताओं को खूब हंसायेंगे। १६ नवंबर को दुय्यम तीन मंजिला डंडारो का शानदार मुकाबला का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर आयोजन समिति ने अधिक से अधिक संख्या में श्रोताओं दर्शकों को कार्यक्रमों में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लुफ्त लेने की अपील की है।

बालाघाट जिले की 85 फीसदी महिला आबादी की हुई स्क्रीनिंग

एनएचएम की मिशन संचालक डॉ सलोनी सिडाना ने कलेक्टर श्री मीना की सराहना की

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा संचालित स्वस्थ नारी, सशक्त न परिवार अभियान में बालाघाट जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश भर में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। इस सफलता पर मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना ने जिला कलेक्टर श्री मृणाल मीना को बधाई पत्र भेजकर पूरे जिले की स्वास्थ्य टीम की सराहना की है।

डॉ. सिडाना ने अपने पत्र में कहा है कि बालाघाट जिले ने अभियान के दौरान 84.98 प्रतिशत महिला आबादी की स्क्रीनिंग कर E&cellent Achievement उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल की है। उन्होंने इसे जिले की प्रशासनिक टीम, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा, एएनएम, सीएचओ, निक्षय मित्रों, पंचायत प्रतिनिधियों और स्वयं सहायता समूहों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया।

इस अभियान के अंतर्गत 1.96 लाख स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें 1.28 करोड़ से अधिक लोगों की जांच हुई। इनमें 93 लाख महिलाएं शामिल थीं। साथ ही, 42 हजार निक्षय मित्र और 55 हजार रक्तदाताओं ने भाग लेकर 52 हजार यूनिट रक्त संग्रह में योगदान दिया। यह statewide अभियान 'पोषण माह' एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के साथ संयोजन में चलाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य, किशोरियों के पोषण और निवारक स्वास्थ्य जांच को सशक्त बनाना था।

मिशन संचालक डॉ. सिडाना ने कहा कि बालाघाट जिले की टीम ने इस अभियान में उत्कृष्ट नेतृत्व और समर्पण का परिचय दिया है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयासों की मिसाल है। उन्होंने कलेक्टर मृणाल मीना एवं पूरी टीम को अभियान की शानदार सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाईयां दीं है।

आयुर्वेदिक क्लीनिकों और फिजियोथेरेपी सेंटर्स के लिए जरूरी प्राधिकृति प्रमाण-पत्र

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने मध्यप्रदेश उपचर्यागृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनायें (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम के अधीन जिले में पंजीकृत एलोपैथिक क्लीनिकों, डेन्टल क्लीनिकों, आयुर्वेदिक क्लीनिकों, फिजियोथेरेपी सेंटरों, योग, युनानी एवं प्राकृतिक चिकित्सा क्लीनिकों के संचालको को निर्देशित किया है कि वे तत्काल मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राधिकृति/अथाराईजेशन प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत कर वे 07 दिवस के अन्दर प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना सुनिष्चित करें अन्यथा संबंधित क्लीनिक का रजिस्ट्रीकरण एवं अनुज्ञप्ति निरस्त/रद्द किये जाने की कार्यवाही की जाकर क्लीनिकों को सीलबंद करने की कार्यवाही की जा सकती है। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशानुसार अब आयुर्वेदिक क्लीनिकों और फिजियोथेरेपी सेंटर्स को मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राधिकृति प्रमाण-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य है। जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के अनुसार, सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राधिकृति प्रमाण-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य है। यह प्रमाण-पत्र सुनिश्चित करता है कि स्वास्थ्य संस्थान जैव चिकित्सा अपशिष्ट का सही तरीके से प्रबंधन कर रहे हैं।

सीएमएचओ डॉ. उपलप ने बताया कि प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए आयुर्वेदिक क्लीनिकों और फिजियोथेरेपी सेंटर्स को मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राधिकृति प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। सात दिनों के भीतर प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होगा। यदि आयुर्वेदिक क्लीनिकों और फिजियोथेरेपी सेंटर्स ने प्राधिकृति प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं किया, तो उनका रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञप्ति निरस्त/रद्द किया जा सकता है। इसके साथ ही क्लीनिकों को सीलबंद करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

आंगनवाड़ी केंद्र पानीटोला में महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती दीपमाला सोलंकी के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटरङ्क2 बैहर के माध्यम से 10 नवम्बर को आंगनवाड़ी केंद्र पानीटोला, उकवा (ब्लॉक परसवाड़ा) एवं वार्ड नं. 14 कमलनगर बैहर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन (ष्ठ॥श्वङ्ख), महिला हेल्पलाइन 181 तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से संबंधित जानकारी दी गई। उपस्थित महिलाओं एवं ग्रामीण जनों को स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, साइबर अपराध की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया, साथ ही कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम, बालिकाओं की शिक्षा एवं स्वास्थ्य, महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और महिला अधिकारों एवं कानूनी सहायता के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। वन स्टॉप सेंटर की टीम ने महिलाओं को हिंसा की स्थिति में महिला हेल्पलाइन 181 और बच्चों से संबंधित शिकायतों के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर संपर्क करने की जानकारी दी गई।

सीनियर बालक छात्रावास उकवा में जनजाति गौरव रथ का किया गया स्वागत

पद्मेश न्यूज ।उकवा। भगवान बिरसा मुंडा की 150 जयंती को जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा 1नवंबर से 15 नवंबर 2025 तक मनाया जा रहा है इस कड़ी में आज कलेक्टर श्री मृणाल मीना, मध्?यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन ने कलेक्टर कार्यालय परिसर से जनजातीय गौरव दिवस यात्रा रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

जनजाति कार्य विभाग सहायक आयुक्त श्रीमती शकुंतला डामोर

उपस्थिति रही वही रथ बालाघाट से निकल कर रेंज ऑफिस उकवा मे पहुंचा जहाँ भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर मालाअर्पण कर शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास उकवा मे रथ पहुंचा जहां पर प्रतिमा की पूजा अर्चना की गई तथा उनका प्रतिनिधियों द्वारा गौरव गान किया गया एवं उनके जीवन पर ऐतिहासिक प्रकाश डाला गया जिसमें उपस्थित

पूर्व विधायक भगत सिह नेताम जनपद अध्यक्ष परसवाड़ा समलसिंह धुर्वे,नगरपालिका अध्यक्ष मलाजखंड मानसिंह सभापति वन समिति मोहबलसिंह उइके, प्राचार्य राजेंद्र भटेरे सर्व धर्म सेवा समिति अध्यक्ष जेम्स बारिक, उपाध्यक्ष संतोष सोनी,मंडल शर्मा,कांती चौहान, समाज सेवी संदीबी, गजभिये,राजकुमार गौतम,सहित सम्मानीय जन तथा छात्रावास अधीक्षक राम लाल पटले, शिवनद मेरावी एवं समस्त स्टाफ सभी बच्चे उपस्थित रहे ।

अध्यक्ष उकवा विजय पटले,मंडल अध्यक्ष मलाजखंड सुनील राहंगडाले,महामंत्री विजय वल्के,पार्षद राजेन्द्र राहंगडाले,पूर्व मंडल अध्यक्ष मुरली नर्सवानी,महामंत्री तपेश घुले,सरपंच उकवा,सरपंच गुदमा,शौरभ

रथयात्रा का समापन 15 नवंबर को गैरीसन ग्राउंड जबलपुर में माननीय मुख्यमंत्री जी की उपस्थिति में समारोह पूर्वक समपन्न होगा ॥

ग्राम बगदरा में 13 नवम्बर को लगेगा नर्मदा माई का भव्य मेला

छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम व इनामी कुश्ती दंगल होंगे आकर्षण का केंद्र

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। नर्मदा मैया के पावन पर्व के उपलक्ष्य में ग्राम बगदरा में इस वर्ष भी पारंपरिक नर्मदा मेला का आयोजन 13 नवम्बर 2025, गुरुवार को बड़े ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्साह के साथ किया जाएगा। यह मेला लगातार 66 वर्षों से श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक बना हुआ है। आयोजन समिति ने बताया कि इस बार भी मेला परिसर में दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों के साथ शाम से लेकर भोर तक सांस्कृतिक आयोजन होंगे।मेले की शुरुआत सुबह 7 बजे से 8 बजे तक नर्मदा स्नान एवं पूजन से होगी। इसके बाद सुबह 8 बजे से 10 बजे तक सत्संग वचन का आयोजन रहेगा, जिसमें संतजन एवं भक्त मंडल भाग लेंगे।दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक विशाल ईनामी कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 51 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक के पुरस्कार रखे गए हैं। दूर-दराज़ से आए पहलवान अपने स्वयं के खर्च पर इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

मेले का मुख्य आकर्षण रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे तक चलने वाला छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम रहेगा, जिसे राजनांदगांव की प्रसिद्ध मंडली आंचलिक छत्तीसगढ़ी स्वर धारा द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायक विष्णु कश्यप, धनंजय साहू, देवानंद वर्मा, बसंत निर्मलकर तथा गायिका आरती साहू, श्वेता मानिकपुरी एवं अंजली सोनवाल अपनी प्रस्तुति देंगी।बताया गया कि नर्मदा माई के जयघोषों के साथ आयोजित यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि क्षेत्रीय संस्कृति, लोककला और परंपरा का उत्सव भी बन चुका है। मेला समिति द्वारा श्रद्धालुओं से अपेक्षा की गई है कि वे परिवार सहित पहुँचकर नर्मदा मैया के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करें। ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम का लाभ उठाएं।

सरपंच सम्मेलन में बोले मोहन यादव

सचिव-सहायक सचिव की क्या औकात, हटा देंगे उसे

भोपाल । राजधानी के जंबूरी मैदान में मंगलवार को सरपंच सम्मेलन का आयोजन किया गया. इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पंचायती राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल भी शामिल हुए. कार्यक्रम में सबसे पहले दिल्ली ब्लास्ट में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस दौरान 2 मिनट का मौन भी रखा गया. ब्लास्ट में मारे गए लोगों को याद करते हुए सीएम ने कहा कि हमें 'कल का दिन भूलना नहीं चाहिए. इतने बड़े देश की प्रधानमंत्री सेवा कर रहे हैं. इसलिए देश के सभी नागरिकों को प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर भरोसा है।'

सचिव-सहायक सचिव की क्या औकात है?

सरपंच सम्मेलन में शामिल हुए सरपंचों से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, 'कोई अगर काम नहीं कर रहा तो हटा देंगे. चिंता क्यों कर रहे हो.' उन्होंने कहा कि 'सचिव है सहायक सचिव है इनकी क्या औकात है. यदि हमें लगता है कि सरपंच के मामले में कोई दिक्कत आ रही है, तो उसे ठीक करने का काम हमारा है. निर्णय जब सरकारी स्तर पर होगा और इसके क्रियान्वयप में कोई तकलीफ आएगी तो उस कठिनाई को हल करने का काम सरकार का है।'

सरपंच जो कर सकता है वह कोई और नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सरकार जल्द ही पंचायतों के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर गौशालाएं, गौपालों और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ा अभियान चलाने जा रही है. मध्य प्रदेश में अभी दूध उत्पादन 9 प्रतिशत है, जिसे जल्द ही 20 प्रतिशत तक लेकर जाना है।' सीएम ने कहा कि 'पंचायतें जो काम कर रही हैं, वो काम तो करेंगी ही. इसके साथ ही अब शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग और रोजगार में भी उनकी भूमिका होगी. आप लोगों के पास जो पावर है. वो बड़े-बड़े लोगों के पास भी नहीं है. एक सरपंच जो कर सकता है वो और कोई नहीं कर सकता है।'

सचिव का काम संभालेंगे नायब तहसीलदार

पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि 'जो सेमी अर्बन गांव है. भोपाल या इंदौर जैसे बड़े शहरों से लगे हुए हैं. ऐसे स्थानों पर सचिव काम नहीं कर पाएगा. क्योंकि यहां प्लांनिग बड़े स्तर पर करनी होगी. कॉलोनियों का विकास होगा, तो परमिशन से संबंधित काम भी होंगे. इसलिए ऐसे गांवों के लिए फॉर्मेट में बदलाव किया जाएगा. हालांकि, सरपंच यथावत बने रहेंगे. वहीं, सरपंचों के बीपीएल कार्ड बनाने और नामांतरण संबंधी मांग को लेकर पंचायत मंत्री ने कहा कि 'अभी इस पर आगे चर्चा की जाएगी।'

'पंचायत से बेहतर कोई विकास नहीं कर सकता'

मंत्री पटेल ने कहा कि 'मैं केंद्र में पंचायती राज्य मंत्रालय की समिति में रहा हूं और उस दौरान देश के अलग-अलग राज्यों का भ्रमण किया. इसलिए मानता हूं कि पंचायत से बेहतर विकास कोई और नहीं कर सकता है. आप लोगों को पंचायत के एक-एक व्यक्ति की जानकारी होती है. उनके बच्चों तक को जानते हैं. पहले आप लोगों को राजस्व नामांतरण के अधिकार दिए गए थे, लेकिन क्यों वापस ले लिए गए. क्योंकि हमने कभी दस्तावेज संभाल कर नहीं रखे.' पटेल ने कहा कि 'यदि आपके खिलाफ कोई अपील करेगा, तो दस्तावेज खोजने किसके दरवाजे पर जाएंगे. इन्हीं गलतियों के कारण आपका अच्छा खासा अधिकार वापस हो गया है।'

अब सरपंचों पर सीधे नहीं होगी स्न्ढ्ढक्र

प्रहलाद पटेल ने कहा कि 卐सीएम हेल्पलाइन में पंचायत और सरपंचों से संबंधित शिकायतें आती हैं. जब तक आपसे जानकारी नहीं ली जाएगी, किसी भी सरपंच के खिलाफ एफआईआर नहीं होगी. इसके साथ ही रोजगार सहायक अपने गृह ग्राम में नहीं रहेंगे. इसके लिए भी आदेश जारी कर दिए गए हैं. वहीं, सहायक सचिव और रोजगार सहायक राज्य के कर्मचारी हो गए हैं, लेकिन इनकी उपस्थिति का आधार सरपंच ही तय करेंगे. मानदेय बढ़ाने को लेकर पटेल ने कहा कि आप लोगों का मानदेय अब विधायकों के साथ बढ़ेगा।

लाड़ली बहनों को इस माह से मिलेंगे 1500 रूपये

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और नेतृत्व में प्रदेश में नारी सशक्तिकरण का अभियान द्रुतगति जारी है। प्रदेश की लाड़ली बहनों से मुख्यमंत्री डॉ. यादव का किया हुआ वादा 12 नवम्बर 2025 को पूरा होने जा रहा है। एक करोड़ 26 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को सिवनी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बड़ी हुई राशि उनके खाते में अंतरित की जायेगी।

बालाघाट सिवनी मंडला के बीज विक्रेताओं ने किया हाई रिच सीड्स आर एंड डी का दौरा

पद्मेश न्यूज ।हट्टा। वर्तमान में धान बीज कंपनियां निरन्तर एक से बढ़कर एक उन्नत किस्म किसानो को दे रही है इसी क्रम में हाई रिच सीड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी भी किसानों के लिए कुछ विशेष गुण वाली धान की किस्में पर अनुसंधान कर रही है।

7 नवंबर 2025 को हाई रिच सीड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से बालाघाट से 210 विक्रेताओं ने कुही नागपुर हाई रिच सीड्स आर एंड डी के लिए प्रस्थान किया इसके अलावा सिवनी जिले से 90, मंडला जिले से 30, महाराष्ट्र से 230 एवं छत्तीसगढ़ के 110 कुल लगभग 640 विक्रेताओं को कंपनी के रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्लांट जो कि महाराष्ट्र के कुही नागपुर में लगा है का विजिट कराया गया। हाई रिच सीड्स की ओर से धान के मुख्य ब्रीडर डॉ.श्री अरविन्द कुमार जी एवं असिस्टेंट ब्रीडर डॉ. श्री इस. जे. मल्लिकार्जुन जी ने विक्रेताओं को रिसर्च सेंटर में लगी लगभग 165 किस्मों के बारे में जानकारी दी इसके अलावा कंपनी की नई आने वाली किस्में जैसे स्ब्क्र - 44 (मुस्कान), गौरी, स्ब्क्र- 33 (रानी), 24018 (बीबी-11 किस्म) जो कि अभी ट्रायल कोड में है के बारे में भी बताया, विक्रेताओं ने अपने अपने क्षेत्र के अनुसार किस्मों का चयन कर अपने सुझाव भी कंपनी को दिए इस कार्यक्रम में कंपनी के जनरल मैनेजर श्रीमान राजेश शर्मा सर, जोनल मैनेजर, सुधीर जैन सर, रीजनल मैनेजर हरीश नागपुरे सर (म. प्र.), रीजनल मैनेजर पुनेश चौहान सर (छ. ग.), रीजनल मैनेजर अमोल पवार सर (म. रा.) एरिया सेल्स मैनेजर सचिन शोले टेरिटरी मैनेजर इंद्रप्रकाश शरणागत, एवं धान सेल्स टीम के लगभग 50 एंप्लॉई उपस्थित रहे । सभी विक्रेताओ ने हाई रिच सीड्स के उन्नत धान बीज की सराहना की एवं अपने किसानों को बेचने की बात भी कहीं।

पीएम स्वनिधि योजना ने आशा को आत्मनिर्भर बनाया

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में बिना ब्याज के मिले ऋण की राशि का उपयोग कर आशा आत्मनिर्भर बन गई है। आशा अब एक व्यवसायी बन गई है और अपने परिवार का अच्छे से पालन पोषण कर रही है। आशा को प्रधानमंत्री आवास योजना का भी लाभ मिला है और इस योजना में बने पक्के मकान में रहती है।

बालाघाट जिले के नगरीय क्षेत्र कटंगी के वार्ड नंबर-09 की निवासी आशा उके के परिवार में कुल 5 सदस्य है अपनी जीविका चलाने के लिए स?क किनारे सब्जी की छोटी सी दुकान चलाती थी । परिवार में आय का कोई अन्य स्त्रोत ना होने के कारण परिवार के भरण-पोषण में कठिनाई आने लगी । बच्चे छोटे होने के कारण वह मजदूरी भी नहीं कर पा रही थी। ऐसे में उसे नगर पालिका के माध्यम से पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी मिली तो उसने 10 हजार रुपये के ऋण के लिए आवेदन किया। इस राशि का उपयोग कर उसने अपनी दुकान में कुछ सुधार किया। 10 हजार रुपये का ऋण अदा करने के बाद उसने 20 हजार रुपये का ऋण लिया और इसे अदा करने के बाद 50 हजार रुपये का ऋण लिया है। आशा ने इस राशि का उपयोग कर अपनी

दुकान को बढ़ा लिया और उसमें सब्जियों के अलावा अन्य सामान भी रखने लगी है। आशा ने नजूल की जमीन पर लगी दुकान को आकर्षक और सुसज्जित कर लिया है। जिससे उसे अच्छी खासी आय होने लगी है। जिससे उसके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। इन योजना में मिली मदद से वह अब आत्मनिर्भर बन गई है।

आशा कहती है कि उसे कोई भी इनती राशि उधार देता तो उसका ब्याज देने में ही दम निकल जाता। लेकिन इस योजना में बिना ब्याज की मिली राशि ने उसका जीवन संवार दिया है। अब अपने बच्चों को भी अच्छी शिक्षा दे रही है और बैंक की किश्त भी समय पर अदा कर रही है। पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत ऋण राशि प्रदान करने एवं प्रधानमंत्री आवास योजना से बने पक्के मकान में रहने का अवसर मिलने पर वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डा मोहन यादव को ह्रदय से आभार एवं कोटी- कोटी धन्यवाद दे रही है।

शमी अब शायद ही वापसी कर पायें

रणजी में बेहतर प्रदर्शन के बाद भी हुई उपेक्षा

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का करियर समाप्त होने की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। शमी को जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ सीरीज के लिए भी भारत ए टीम में जगह नहीं मिली उससे अंदाज होता है कि अब वह टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। शमी ने हाल में रणजी ट्रॉफी में भी अच्छा प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस दिखायी पर इसके बाद भी चयन समिति ने उनपर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने रणजी में 93 ओवर गेंदबाजी की है इसके बाद भी उनकी वापसी के कोई संकेत नहीं दिखते। ऐसे में उनको दोबारा टेस्ट क्रिकेट का अवसर शायद ही मिले। वहीं एकदिवसीय में भी उनके अवसर कम ही हैं। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना आखिरी मैच इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था पर उसके बाद से उन्हें किसी भी प्रारूप की टीम में नहीं चुना गया। वह साल 2023 में एकदिवसीय विश्व कप में चोट लगने और उसकी सर्जरी के कारण करीब एक साल तक टीम से बाहर रहे।

अभी भारतीय क्रिकेट जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है उसे देखते हुए ऐसी संभावना नहीं लगती है कि शमी तीनों प्रारूपों में से किसी में भी जगह बना पायें क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा और आकाशदीप के रूप में भारत के पास अच्छे विकल्प हैं। ऐसा लगता है कि उनके लिए अब केवल एक दिवसीय क्रिकेट ही बचा है। अगला एकदिवसीयविश्व कप 2027 में होगा और तब तक शमी 37 साल के हो जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम एक उम्र दराज तेज गेंदबाज को की टीम में रखने का खतरा उठाएंगी। ऐसा नहीं लगता। शमी का करियर चोटों से जुड़ा रहा है, जिसमें घुटने की समस्या भी शामिल है।

शमी से राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के संबंध भी खराब हुए हैं और उन्होंने खुलकर कहा है कि चयनकर्ताओं ने उनसे कोई बातचीत नहीं की है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) एक वरिष्ठ अधिकारी ने इससे इंकार करते हुए कहा, ''कई बार ऐसा हुआ है कि राष्ट्रीय चयनकर्ता और बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के सहयोगी स्टाफ ने शमी का हालचाल जानने के लिए फोन किया है। चयन समिति इंग्लैंड में उनकी सेवाएं लेने के लिए तैयार थी, क्योंकि जसप्रीत बुमराह तीन टेस्ट से ज्यादा नहीं खेल पाए थे।''

चयन समिति के एक वरिष्ठ सदस्य ने शमी को कई संदेश भेजकर उनकी फिटनेस के बारे में पूछताछ की और उनसे केंटरबरी या नॉर्थम्पटन में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए की तरफ से कम से कम एक मैच खेलने का अनुरोध किया। इसका उद्देश्य यह पता करना था कि शमी इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हैं या नहीं। ऐसा समझा जाता है कि इस तेज गेंदबाज ने जवाब दिया कि उन्हें अभी भी अपना कार्यभार बढ़ाना है और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया जाना चाहिए।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''इसलिए यह कहना कि शमी से कोई बातचीत नहीं हुई, सही नहीं है। चिकित्सा टीम के पास उनकी मेडिकल रिपोर्ट भी है और यह भी देखना है कि उनका शरीर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कठिनाइयों को झेलने में सक्षम है या नहीं।' इस समय शमी को लग सकता है कि वह 50 ओवर के क्रिकेट के लिए तैयार हैं, लेकिन वह इस भूमिका के लिए उपयुक्त हैं या नहीं, इसका फैसला केवल राष्ट्रीय चयनकर्ता ही कर सकते हैं।

भारत-दक्षिण सीरीज 14 से, शुभमन सहित युवा खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

सचिन, विराट सहित इन पांच खिलाड़ियों के नाम हैं सबसे अधिक रनों के रिकार्ड

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम के युवा खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतना रहेगा। भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज के इतिहास पर नजर डालें तो इसमें सबसे अधिक रन सचिन तेंदुलकर ने बनाये हैं। वहीं विराट कोहली चौथे स्थान पर हैं बाकि तीन खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के हैं। सचिन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुल 25 टेस्ट मैच खेले, जिनमें उन्होंने 1741 रन बनाए। उनका औसत 42.46 का रहा, जो उनके स्थिर प्रदर्शन और निरंतरता को दिखाता है।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। कैलिस ने भारत के खिलाफ 18 टेस्ट मैचों में 1734 रन बनाये, और उनका औसत 69.36 का रहा। कैलिस अपने समय के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में से एक रहे हैं, उन्होंने कठिन हालातों में भी अपनी टीम को संभाला। वहीं तीसरे स्थान पर हैं दक्षिण अफ्रीका के ही अनुभवी बल्लेबाज हाशिम अमला। अमला ने भारत के खिलाफ 21 टेस्ट मैच खेले और 43.65 की औसत से 1528 रन बनाए।

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अब तक 16 टेस्ट मैचों में 54.15 की औसत से 1408 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 254 रन है, जो उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ही लगाया था। यह स्कोर कोहली के टेस्ट करियर का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी है।

वहीं पांचवें पायदान पर हैं दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज एबी डिविलियर्स। उन्होंने भारत के खिलाफ 20 टेस्ट मुकाबलों में 1334 रन बनाए और उनका औसत 39.23 रन रहा है। डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण छाये रहे हैं। इन दिग्गजों के कारण ही भारत-दक्षिण अफ्रीका के मुकाबले रोमांचक रहे हैं। अब देखना है कि वर्तमान समय के क्रिकेटर इन दिग्गजों की तरह खेल पाते हैं या नहीं।

धोनी आईपीएल को बीच में ही छोड़ सकते हैं - कैफ

- वह सीएसके को योग्य हाथों में सौंपना चाहते हैं

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि अगर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल होते हैं तो महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल को बीच में ही छोड़ देंगे। कैफ के अनुसार धोनी चाहते हैं कि सैमसन टीम में आयें क्योंकि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो टीम को कप्तान के तौर पर संभाल सकते हैं।

सीएसके और राजस्थान रायल्स के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर संभावित करार की चर्चा जोरों पर है। इसी के बीच ही

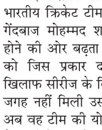

कैफ ने ये बात कही है। आईपीएल 2025 में रायल्स की कप्तानी करते नजर आए सैमसन पर सीएसके की नजरें बनी हुई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रॉयल्स संजू सैमसन के बदले में सीएसके से रविंद्र जडेजा और सैम करन को लेना चाहती है। दोनों टीमों के बीच अभी करार पूरा नहीं हुआ है। कैफ के अनुसार सैमसन सुपर किंग्स में शामिल होते हैं तो धोनी का ये अंतिम सत्र हो सकता है। कैफ ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी चाहते हैं कि संजू सैमसन सीएसके के साथ जुड़े। उन्होंने संकेत दिया कि अगर ऐसा होता है तो धोनी आराम से आईपीएल से दूरी बना सकते हैं क्योंकि तब टीम का नेतृत्व संजू के रूप में एक ऐसे खिलाड़ी के हाथ में रहेगा जो लंबे समय तक कमान संभाल सकता है।

कैफ के मुताबिक धोनी साल 2022 में जडेजा जैसे अनुभवी को कप्तानी सौंपकर आराम करना चाहते थे पर वह प्रयोग सफल नहीं रहा। जडेजा की कप्तानी में सीएसके ने शुरुआती 8 मैच में सिर्फ 1 में जीत हासिल की थी। उसके बाद धोनी को फिर कप्तानी संभालनी पड़ी थी। कैफ ने जडेजा के कार्यकाल को याद करते हुए कहा, दोनों खिलाड़ियों ने साल 2008 में अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी । अब अगर सैमसन टीम और प्रबंधन के साथ सही से ढल जाते हैं तब धोनी उन्हें कप्तानी सौंप सकते हैं।

कैफ के अनुसार सीएसके के प्रबंधने काफी समय से धोनी के योग्य उत्तराधिकारी की तलाश कर रहे हैं। जडेजा को कप्तानी उसी योजना के तहत दी गई थी पर वह असफल रहे। उन्होंने कहा, जडेजा ने कप्तानी में हाथ आजमाए लेकिन वह उसके साथ सहज नहीं थे। इसलिए धोनी को दोबारा जिम्मेदारी लेनी पड़ी।

पाकिस्तानी क्रिकेटर नसीम शाह के घर पर गोलीबारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के क्रिकेटर नसीम शाह के घर पर गोलीबारी का मामला सामने आया है। नसीम के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के निचले दीर के मायर इलाके में स्थित घर पर बंदूकधारियों ने हमला बोला। पुलिस के अनुसार सोमवार तड़के अज्ञात हथियारबंद लोगों ने नसीम के घर पर गोलियां दाग दीं। पुलिस के अनुसार ये घटना रात करीब 1:45 बजे हुई जब हमलावरों ने घर के मुख्य द्वार पर कई गोलियां चलाईं, जिससे घर के दरवाजे पर गोलियों के निशान बन गए। गोलीबारी के तुरंत बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार करीब के घरों की सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और क्रिकेटर के घर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने कहा कि शुरुआती जांच के अनुसार, यह घटना जमीन विवाद या क्षेत्रीय दुश्मनी के कारण हो सकती है। शाह के पिता ने ने जिला पुलिस अधिकारी से मुलाकात की जिसमें जिन्होंने सुरक्षा मजबूत करने की बात कही।

क्रिकेट में ब्रैडमैन, हॉब्स सहित चार खिलाड़ियों के ये रिकार्ड शायद ही टूट पायें

मुम्बई। क्रिकेट में कहा जाता है कि रिकॉर्ड टूटने के लिए ही बनते हैं। क्रिकेट इतिहास में कई महारथियों के बनाये रिकार्ड समय के साथ ही टूटे हैं। वहीं कई ऐसे रिकार्ड हैं जो आज तक नहीं टूटे हैं और भविष्य में भी इन्हें शायद ही कोई तोड़ पाये। ऐसा ही एक रिकार्ड है। ये रिकार्ड बनाने वाले तीन विदेशी खिलाड़ी हैं जबकि एक भारतीय खिलाड़ी है।

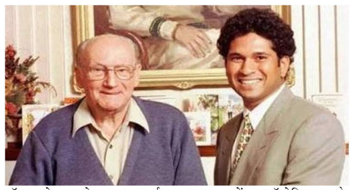

डॉन ब्रैडमैन का औसत

सर डॉन ब्रैडमैन का टेस्ट क्रिकेट में 99.94 का औसत रहा है। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के इस महारिकॉर्ड के आसपास आज तक कोई नहीं आ पाया। ब्रैडमैनअपनी आखिरी टेस्ट पारी में शून्य पर आउट हो गया, जिसका मतलब था कि उनका औसत 100 से बस थोड़ा ही कम रह गया। 52 टेस्ट मैचों में ब्रैडमैन ने 99.94 की औसत से 6996 रन बनाए। आजतक कोई इसके करीब नहीं पहुंच पाया।

जैक हॉब्स के सबसे अधिक शतक

इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जैक हॉब्स का। उनके नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाए हैं। हॉब्स के करीब महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी नहीं पहुंच पाए। हॉब्स ने अपने 834 फर्स्ट क्लास मैच में 199 शतक और 273 अर्धशतक लगाये हैं। यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में किसी बल्लेबाज को सबसे ज्यादा शतक हैं। हॉब्स ने प्रथमश्रेणी क्रिकेट में 61760 रन बनाए, उन्होंने 1905 से 1934 तक क्रिकेट खेला! उनका सबसे अच्छा स्कोर नाबाद 316 रन है। साल 1908 में टेस्ट क्रिकेट में कदम रखने वाले हॉब्स ने 61 मैचों में 56 की औसत से 5410 रन बनाए जिसमें 15 शतक और 28 अर्धशतक शामिल है।

जिम लेकर के एक मैच में सबसे अधिक विकेट

इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज जिम लेकर एक टेस्ट मैच में 19 विकेट लेकर तहलका मचा दिया था। किसी एक टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह विश्व के एकमात्र गेंदबाज हैं। साल 1956 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट मैच की पहली पारी में लेकर ने 9 और दूसरी पारी में 10 विकेट लिए थे।

रोहित शर्मा के एकदिवसीय में सबसे अधिक शतक

रोहित शर्मा के नाम एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने का विश्व रिकॉर्ड है। उनके नाम 264 रन की रिकॉर्ड पारी का रिकार्ड है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ साल 2014 में ये मैराथन पारी खेली थी। रोहित के नाम एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय में 3 दोहरे शतक का विश्व रिकार्ड है।.यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं।आज तक कोई भी बल्लेबाज तीन तो दूर की बात दो बार भी एकदिवसीय में दौहरा शतक नहीं लगा पाया।

कोच के तौर पर अंतिम ग्यारह का चयन ही मेरे लिए सबसे कठिन

अर्शदीप और कुलदीप को बाहर रखने का गंभीर ने कारण बताया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल नहीं किये जाने पर कई सवाल उठे हैं। प्रशंसकों के साथ ही पूर्व क्रिकेटरों ने भी इन दो खिलाड़ियों की अनदेखी पर नाराजगी जतायी थी। कुलदीप को तो टेस्ट टीम में भी जगह नहीं मिली। अब इसी मामले पर भारतीय टीम के मुख्य कोच कोच गौतम गंभीर का जवाब आया है। गंभीर का एक वीडियो आया है। इसमें उन्होंने कहा कि एक कोच के रूप उनके लिए अंतिम ग्यारह का चयन ही सबसे कठिन काम है। गंभीर ने कहा कि भारत की बेंच स्ट्रेंथ काफी अच्छी है पर अंत में केवल 11 खिलाड़ियों को मौका दिया जा सकता है। गंभीर ने कहा, एक कोच के तौर पर मेरे लिए यही सबसे मुश्किल काम है और यही मेरा सबसे मुश्किल काम है। कभी-कभी, जब मुझे पता होता है कि बेंच पर इतने अच्छे खिलाड़ी बैठे हैं और मुझे पता है कि हर कोई अंतिम ग्यारह का हिस्सा बनने का अधिकारी है, तब भी आप केवल 11 खिलाड़ियों को ही चुन सकते हैं, तब यही देखा जाता है कि यह उस दिन काम करने के लिए, सबसे बेहतर संयोजन क्या होगा। उन्होंने साथ ही कहा, मेरे लिए, सबसे महत्वपूर्ण बात बातचीत और संवाद है। संवाद बहुत स्पष्ट और ईमानदार होना चाहिए। कभी-कभी, ज़ाहिर है, ये बातचीत बहुत कठिन होती है। अगर आप किसी को बताते हैं कि वह नहीं खेल रहा है, तो यह कोच और खिलाड़ी दोनों के लिए शायद सबसे मुश्किल होता है, क्योंकि मुझे पता है कि खिलाड़ी तब नाराज़ होगा जब वह अंतिम ग्यारह का हिस्सा बनने का अधिकारी होगा। गंभीर ने भारतीय ड्रेसिंग रूम के अंदर सकारात्मक और पारदर्शी माहौल पर भी जोर दिया और जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों और कोचों के बीच बातचीत निजी ही रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, न अगर आप ईमानदार हैं, अगर आप स्पष्टवादी हैं, अगर आप जानते हैं कि आप जो कह रहे हैं वह दिल से है और उससे आगे कुछ नहीं है, तो कुछ खिलाड़ी समझ जाते हैं। और यही एक खिलाड़ी और कोच के बीच का संवाद है, और मुझे लगता है कि इसे यहीं रहना चाहिए, बजाय इसके कि लोग इसके बारे में शोर मचाएँ और अलग-अलग धारणाएं बनाएं।

ऋचा घोष के नाम पर सिलीगुड़ी में बनेगा क्रिकेट स्टेडियम

कोलकाता। महिला विश्वकप विजेता क्रिकेट टीम की खिलाड़ी ऋचा घोष के नाम पर एक क्रिकेट स्टेडियम उनके गृहनगर सिलीगुड़ी बनने जा रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है सिलीगुड़ी में बनने जा रहे स्टेडियम का नाम ऋचा घोष रखा जाएगा। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा की महिला विश्वकप जीतने में अहम भूमिका रही थी। कप्तानी हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर जब से पहला आईसीसी खिताब जीत है तभी से खिलाड़ियों को इनाम दिये जाने के साथ ही उनका सम्मान भी हो रहा है। इसी कड़ी में ममता ने सिलीगुड़ी में कहा, '''ऋचा क्रिकेट स्टेडियम' चांदमणि टी एस्टेट में 27 एकड़ के भूखंड पर बनाया जाएगा। यह बंगाल की एक खेल प्रतिभा, ऋचा को सम्मानित करने के साथही उत्तर बंगाल के युवा क्रिकेटरों को प्रोत्साहित करने का एक तरीका है।''

उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार यह परियोजना शीघ्र शुरू करेगी।'' घोष को इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने बंग भूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया था। इसके साथ ही ऋचा को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नियुक्त किया गया और सोने की एक चेन भेंट की गई। ऋचा ने विश्वकप में 8 मैचों में 133.52 के उम्दा स्ट्राइक रेट के साथ 235 रन बनाए थे, उनका स्ट्राइक रेट टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली सभी बैटर में सबसे अधिक था।

एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे भारतीय पुरुष और महिला तीरंदाज

ढाका । भारतीय पुरुष और महिलाओं ने एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन हुए रिकर्व और कंपाउंड वर्ग के फाइनल में जगह बनायी है। भारतीय पुरुष तीरंदाजों अतनु दास, यशदीप संजय भोगे और राहुल की टीम ने कजाकिस्तान को 5-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। अब फाइनल में भारतीय तीरंदाजी टीम का मुकाबला दक्षिण कोरिया होगा। वहीं एक अन्य सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया ने उज्बेकिस्तान को 6-2 से हराया था। भारतीय पुरुष टीम ने शुरुआती मुकाबले तुर्कमेनिस्तान को 6-2 से हराया जिसके बाद क्वार्टर फाइनल में मलेशिया को 6-0 से पराजित किया। संजय भोगे ने क्वालिफिकेशन राउंड में 687 अंक हासिल किया जबकि तीरंदाज

अतनु 668 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे, जबकि 666 अंकों के साथ राहुल को 11वां स्थान मिला। दूसरी ओर महिला टीम की ज्योति सुरेखा वेन्नम, पृथिका प्रदीप और दीपशिखा ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 234-227 से हराकर देकर फाइनल में प्रवेश किया है। यहां उनका सामना दक्षिण कोरिया से होगा। दक्षिण कोरिया ने एक अन्य मैच में ईरान को 237-227 से हराय था। शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में वियतनाम पर 235-225 से जीत हासिल की थी। इसके बाद सेमीफाइनल में मेजबान बांग्लादेश को हराया। भारत की दीपशिखा क्वालिफिकेशन राउंड में 705 अंकों के साथ नंबर एक पर रहीं। वहीं, ज्योति सुरेखा वेन्नम 703 अंकों के साथ दूसरे और पृथिका

कॉनवे, विजय शंकर और हुड्डा को बाहर करे सीएसके- रैना

जडेजा, धोनी को बरकरार रखे

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि आईपीएल 2026 के लिए चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम को डेवोन कॉनवे, विजय शंकर और दीपक हुड्डा को रिलीज कर देना चाहिये। वहीं अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को टीम में बनाये रखना चाहिये। रैना ने अगले माह होने वाली नीलामी को लेकर ये सुझाव सीएसके को दिये हैं। रैना के अनुसार जडेजा सीएसके में ही रहें। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच ट्रेड डील पर बात चल रही है। इसके तहत ही रॉयल्स ने सैमसन के बदले जडेजा और सैम करन की मांग की है। सीएसके और रायल्स के बीच अभी तक करार पर कोई फैसला नहीं हुआ है। वहीं रैना ने कहा, स्पिनर नूर अहमद को बरकरार रखा जाना चाहिए। इकेस अलावा महेन्द्र सिंह धोनी को भी एमएस बरकरार रखें। वह आगामी सीजन में खेले रहे हैं, इसलिए उन्हें टीम के साथ बने रहना चाहिए। ऋतुराज गायकवाड़ कप्तान बने रहना चाहिए। रवींद्र जडेजा को फिर से बरकरार रखना चाहिये। वह सीएसके के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले कुछ सालों में टीम के लिए वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं न्यूजीलैंड के कॉनवे

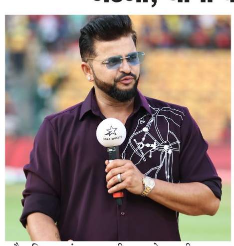

और विजय शंकर वह दीपक को काफी अवसर मिले हैं और ये फायदेमंद नहीं रहे हैं। इसलिए इन्हें हटाया जाना चाहिये।

इस पूर्व बल्लेबाज ने आगे कहा, कॉनवे को बाहर कर देना चाहिए। वहीं विजय शंकर को पहले ही काफी अवसर मिल चुके हैं। इसलिए मुझे लगता है कि सीएसके को उन्हें भी बाहर कर देना चाहिए। इसके अलावा हुड्डा को भी बाहर करें। मिनी नीलामी में कई ऐसे खिलाड़ी उपलब्ध होंगे, जो टीम के लिए बेहतर संयोजन प्रदान कर सकते हैं। इन खिलाड़ियों को पिछले साल अवसर मिले थे और हमने देखा कि उन्होंने कैसा खेला। शायद सीएसके को किसी नए खिलाड़ियों की तलाश करनी होगी।

गौरतलब है कि कॉनवे ने आईपीएल 2025 में सीएसके के लिए छह मैचों में 26 के औसत और 131.09 के स्ट्राइक रेट से 156 रन बनाए। वह निजी कारणों से कैंप छोड़कर स्वदेश लौट गए थे और चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहे। उन्हें 6.25 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया गया था। विजय शंकर, 1.2 करोड़ रुपये में फ्रेंचाइजी में आए थे। उन्होंने पांच पारियों में 39.33 के औसत और 129.67 के स्ट्राइक रेट से 118 रन बनाए। वहीं, सीएसके ने हुड्डा को पिछले सत्र में 1.70 करोड़ रुपये में लिया था और सत्र में उनका प्रदर्शन खराब रहा। वह पांच पारियों में केवल 31 रन ही बना पाये।

दिल्ली धमाके के बाद भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के लिए सुरक्षा बढ़ी

हाई अलर्ट घोषित, टीम होटल की भी सुरक्षा कड़ी की गयी

कोलकाता। दिल्ली में हुए धमाकों को देखते हुए भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन में शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने कहा है कि हाई अलर्ट घोषित किया गया है जिसके तहत सुरक्षा बेहद कड़ी कर दी गयी है। कोलकाता पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, हम हाई अलर्ट पर हैं। दिल्ली में हुए विस्फोट को ध्यान में रखते हुए, विशेष और अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। पुलिस के साथ विशेष कार्य बल (एसटीएफ) को भी तैनात किया गया है।

कोलकाता पुलिस ने ईडन गार्डन्स के पस सुरक्षा उपायों की समीक्षा शुरू कर दी है। इसी को देखते हुए बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अधिकारियों के साथ पुलिस अधिकारियों की बात होगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोलकाता पुलिस ने पूरे शहर विशेष कर क्रिकेट स्टेडियम और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। अधिकारी सभी दर्शकों पर भी कड़ी नजर रखेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा, राजभवन, कलकत्ता उच्च न्यायालय और आकाशवाणी के पास मौजूद यह स्टेडियम उच्च सुरक्षा क्षेत्र में आता है। इस मुकाबले को देखने पहुंचने वाले प्रत्येक दर्शक को मेटल स्कैनर से कम से कम दो बार गुजरना होगा।

सैमसन गये तो यशस्वी या जुरेल को मिल सकती है रॉयल्स की कप्तानी

नई दिल्ली। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के राजस्थान रॉयल्स छोड़ने की अटकलें हैं। माना जा रहा है कि वह आईपीएल 2026 में किसी और टीम से उतरेंगे। अगर ऐसा हुआ तो रॉयल्स की कप्तानी किसको मिलेगी ये सवाल भी उठ रहा है। रॉयल्स के पास ऐसे में परेशानी नहीं है। उसके पास रियान पराग और यशस्वी जायसवाल व ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी हैं जो कप्तानी संभाल सकते हैं। पराग ने आईपीएल 2025 में कई मैचों में कप्तानी की थी पर इस समय उन्हें शायद ही अवसर मिले क्योंकि उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन खास नहीं रहा था। रियान की फॉर्म कप्तानी में बहुत अच्छी नहीं थी। इसलिए, उनकी दावेदारी लगभग खत्म हो चुकी है।

ऐसे में सलामी बल्लेबाज यशस्वी और जुरेल बचते हैं। यशस्वी और जुरेल में से किसी एक को रॉयल्स कमान दे सकती है। इन दोनों को ही हालांकि कप्तानी का अनुभव नहीं है। यही दो खिलाड़ी इस समय कप्तानी के लिए सबसे बड़े दावेदार हैं। अन्य कोई खिलाड़ी ऐसा नहीं लगता है, जिसे कप्तानी सौंपी जाए। फॉर्म के आधार पर देखा जाए तो इनसे बढ़िया फॉर्म किसी खिलाड़ी के पास नहीं है। नितीश राणा भी एक विकल्प हैं पर वे अगले महीने 32 साल के होने जा रहे हैं। इसके अलावा वे मौजूदा समय में भी क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं। वहीं, ब्रांड वैल्यू के हिसाब से देखा जाए, तो यशस्वी और जुरेल भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं।

हालांकि, अगर नीलामी में कोई बड़ा खिलाड़ी उपलब्ध होता है, जो कप्तानी के लिए इससे भी बड़ा दावेदार हो तो फिर राजस्थान रॉयल्स उस खिलाड़ी के लिए दांव खेल सकती है और एक नया कप्तान देखने को मिल सकता है।

सीएसके के सैमसन को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने से अटकलें हुई तेज

मुम्बई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को जन्मदिन की बधाई दी है। सीएसके ने अपने सोशल मीडिया पर सैमसन को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'संजू, तुम्हें और शक्ति मिले! तुम्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' सैमसन को लेकर राजस्थान रॉयल्स के साथ चल रही ट्रेड डील को देखते हुए सीएसके का उन्हें बधाई देना और महत्वपूर्ण हो गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार सैमसन के बदले सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स के साथ रवींद्र जडेजा और सैम कुर्रन के साथ ट्रेड किया है। हालांकि अभी तक दोनों टीमों की ओर से इस पर कोई अधिकारिक बयान नहीं आया है। सीएसके के एक अधिकारी ने कहा कि सभी जानते हैं कि हम सैमसन को शामिल करना चाहते हैं। हमने उन्हें खरीदने में अपनी रुचि दिखाय है पर रॉयल्स ने अभी तक जवाब नहीं दिया है। रॉयल्स प्रबंधन ने कहा है कि वे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि सैमसन सीएसके की ओर से खेलेंगे।

आईपीएल खिलाड़ी नियमों के अनुसार, किसी भी ट्रेड डील को औपचारिक रूप देने में 48 घंटे लगते हैं। इस अदला-बदली को आधिकारिक और पूरा होने में कुछ दिन लग सकते हैं।

जो कहा
वह किया
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
लाड़ली बहनों को
अब से प्रतिमाह
₹1500
डॉ. मोहन यादव का
अभ्युदय
मध्यप्रदेश
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
मध्यप्रदेश की महिलाएं आर्थिक, सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं
अब बढ़ी हुई राशि बहनों के स्वावलंबन की नई राह खोलेगी।
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
1.26 करोड़ लाड़ली बहनों को
₹1857 करोड़ का अंतरण
₹560 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण
12 नवम्बर 2025
दोपहर 12:00 बजे । सिवनी, मध्यप्रदेश
D11137/25
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

न्यूज गैलरी

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में श्रमिको से भरी बस पलटी- दो दर्जन श्रमिक घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में एसएमएस प्राइवेट लिमिटेड की श्रमिको से भरी बस पलटने से बस में सवार दो दर्जन से अधिक श्रमिक घायल हो गए। जिसमें से तीन श्रमिको की हालात गंभीर बताई जा रहीं हैं, जिन्हे भिलाई अस्पताल रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में एसएमएस प्राइवेट लिमिटेड की दूसरी शिफ्ट में दोपहर 3ः00 बजे बस 20-25 श्रमिको को लेकर बस माईस में जा रहीं थीं। तभी बस का ब्रेक फेल हो गया और बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में दबने के कारण दो दर्जन श्रमिक घायल हो गए। अधिकाशं श्रमिको को पैर में चोट आई। घायल सभी श्रमिकों को मलाजखंड और बिरसा अस्पताल में भर्ती किया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद3 श्रमिको को भिलाई रेफर किया गया है, बाकि श्रमिको को गोंदिया जिला अस्पताल बालाघाट रिफर किया गया है। बताया जा रहा हैं कि बस अधिक स्पीड में नहीं थी, नहीं तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल, एसएचएल प्रबंधन मजदूरों के उपचार की व्यवस्था में जूटा हुआ हैं।

स्थानीय लोगों ने माइंस प्रबंधन पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि श्रमिकों से सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था किए बिना और अनिवार्य चेकअप के बिना काम करवाया जा रहा था। हादसे के बाद श्रमिकों और उनके परिवारों में आक्रोश फैल गया हैं।

सांसद श्रीमती पारधी का दौरा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 12 नवंबर को प्रातः 1030 बजे बालाघाट से सिवनी के लिए प्रस्थान करेंगी और सिवनी में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत बहनों के खाते में राशि हस्तांतरण के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगी। सांसद श्रीमती पारधी सांय 04 बजे सिवनी के बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी।

स्कूलों में संचालित वाहनों की सघन जांच करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया है कि जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में छात्र छात्राओं के परिवहन के लिए लगाये गए या अनुबंधित वाहनों की सघन जांच करे। परिवहन अधिकारी को इसके लिए जांच दल गठित कर वाहनों में फिटनेस, बीमा, अनुबंध एवं चालकों का ड्राइविंग लायसेंस आदि की सघन जांच करने कहा गया है। जो वाहन यातायात नियमों के तहत संचालित नही पाए जा रहे है उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने कहा गया है। छात्र छात्राओं के परिवहन में उपयोग किये जा रहे बस, मिनी

बैहर में युवती की गला रेत कर बीच सड़क पर दिनदहाड़े हत्या के बाद चकाजाम और थाने का घेराव

एक तरफा प्रेम के चलते सिरफिरे युवक ने ली जान, आंमगांव फाटा में चाकू मारता रहा सिरफिरा, रोकने के बजाय लोग बनाने लगे वीडियो

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बैहर/बालाघाट।

बैहर थाना क्षेत्र में मंगलवार को सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब दिनदहाड़े एक युवती की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी गई। यह युवती शीतल उर्फ रितु भंडारकर पिता रविशंकर भंडारकर 23 वर्ष ग्राम आमगांव निवासी बताई गई है। बैहर से मलाजखंड रोड पर स्थित ग्राम आमगांव फाटा के पास सिरफिरे एक युवक ने इस सनसनीखेज वारदात को उस समय अंजाम दिया जब यह युवती बैहर आने बस का इंतजार कर रही थी। यह युवक ग्राम मोतीनाला जिला मंडला निवासी रोशन सार्वे बताया जा रहा है। जिसने एकतरफा प्रेम के चलते शराब नशे में इस वारदात को अंजाम दिया। जो मौके पर पड़ा हुआ था। जिसके द्वारा की जा रही हत्या का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ । बैहर पुलिस ने इस युवक को हिरासत में ले लिया है। वही रितु भंडारकर का शव देर शाम पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सोप दिए है।

एक तरफा प्रेम के चलते हुई यह वारदात

प्राप्तजानकारी के अनुसार, रितु भंडारकर बैहर स्थित एक फर्नीचर व इलेक्ट्रानिक की दुकान में सेल्समैन थी। जिसके परिवार में एक बहन और एक भाई है। जिसके पिता रवि शंकर भंडारकर खेती किसानी करते हैं। युवक रोशन सार्वे मोतीनाला में एक ढाबे में काम करता है। 11 नवंबर को सुबह रितु भंडारकर बैहर जाने आमगांव फाटा के बस स्टाप जा रही थी। तभी एक बाइक से लिफ्ट लेकर रोशन उसके पास पहुंचा। कुछ देर दोनों के बीच बहस होने के बाद रोशन ने पास रखे चाकू से रितु भंडारकर पर हमला कर दिया। जमीन पर गिरते ही रोशन ने रितु भंडारकर के गले को चाकू से रेत दिया। उसने गले पर चाकू तब तक दबाए रखा, जब तक इस युवती की जान नहीं चली गई। हत्या के बाद रोशन ने रितु भंडारकर के दुपट्टे से अपने खून से सने हाथ पोंछे, फिर फिर रितु भंडारकर के सिर को अपनी गोद में रखकर बेसुध हो गया। घटना का वीडियो बना रहे लोगों ने इस युवक की जमकर पिटाई कर दी। बैहर पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया। और उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने मौके से मोबाइल व चाकू जब्त किया है।

बैहर पुलिस ने इस घटनाक्रम को लेकर बताया कि आज 11 नवम्बर 2025 को थाना बैहर क्षेत्रांतर्गत ग्राम आमगांव फाटा, थाना बैहर में एक गंभीर घटना घटित हुई, जिसमें एक युवक द्वारा अपनी परिचित युवती पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। इस संबंध मे सोशल मीडिया मे वायरल विडियो एवं घटना की जानकारी लगते ही एसडीओपी बैहर करणदीप सिंह (भापुसे), थाना प्रभारी बैहर निरीक्षक जयंत मर्सकोले, एफएसएल अधिकारी श्रीमति गौतमा मेश्राम थाना बैहर के बल के साथ तुरंत घटना स्थल पहुचे।

घटित घटना के संबंध मे प्रार्थी धर्मेन्द्र भंडारकर निवासी वार्ड क्रमांक 05, आमगांव ने सूचना दी कि 11 नवंबर को सुबह लगभग 10 ः30 बजे उसकी भतीजी रितु भंडारकर (उम्र लगभग 22 वर्ष) को आरोपी रोशन सार्वे निवासी मोतीनाला द्वारा आमगांव फाटा रोड किनारे चाकू से गला काटकर हमला किया गया। घटना के पश्चात पीड़िता को सिविल अस्पताल बैहर लाया गया, जहाँ उपचार के दौरान डॉक्टर द्वारा उसे मृत घोषित किया गया । आरोपी रोशन सार्वे के विरूद्ध थाना बैहर मे अपराध क्रमांक 153/2025, धारा 103 (1) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत पंजीबद्ध कर लिया गया है।

गिरफ्तार आरोपी से विधिवत पूछताछ उपरांत, घटना के कारण एवं परिस्थितियों का विस्तृत खुलासा प्रेस माध्यमों से साझा किया जाएगा। थाना बैहर पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी अपुष्ट या भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें । घटना की गहन विवेचना की जा रही है, तथा आरोपी के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

5 वर्ष से चल रहा था प्रेम संबंध

बताया गया है कि रितु भंडारकर और रोशन सर्वे कॉलेज में पढ़ते थे तभी से दोनों के बीच 5 वर्ष से प्रेम संबंध चल रहा था। किंतु इन दिनों रितु भंडारकर ने रोशन से बात करना बंद कर दी थी। जिससे वह आक्रोशित था। युवती की हत्या के वक्त इस युवक के चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी।

युवती की हत्या के बाद बढ़ा तनाव

रितु भंडारकर की निर्मम हत्या के बाद बैहर में तनाव बढ़ गया है। शाम मृतिका रितु भंडारकर के परिजन व ग्रामीण बैहर थाने के सामने धरने पर बैठ गए। उन्होंने आरोपी रोशन सर्वे को फांसी की सजा देने की मांग रखी। इसके अलावा गुस्साए ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए पीडित परिवार को एक करोड़ रुपये की मुआवजा , परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी और आरोपी का घर पर बुलडोजर चलाने की मांग रखी। बढ़ते तनाव को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज लाडली बहनों के खातों में अंतरित करेंगे राशि

बहनों के खातो में पहुंचेगी 15-15 सौ रुपए की राशि

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 12 नवम्बर को सिवनी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के अंतर्गत बहनों के खाते में 15-15 सौ रुपए की राशि अंतरित करेंगे। इसमें बालाघाट जिले की 03 लाख 45 हजार 361 बहनों के खाते में 50 करोड़ 29 लाख 42 हजार 900 रुपए की राशि जमा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा घोषणा की गई थी नवम्बर माह से लाडली बहनों को 1500 रुपए की राशि मिलेगी। यह घोषणा 12 नवम्बर से पूरी होने जा रही है।

लाड़ली बहना योजना की 30 वीं किश्त के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में विकासखंड बैहर की 19 हजार 593 बहनों के खाते में 02 करोड़ 85 लाख 04 हजार 900 रुपये, विकासखंड बालाघाट की 37 हजार 690 बहनों के खाते में 05 करोड़ 47 लाख 45 हजार 200 रुपये, विकासखंड बिरसा की 27 हजार 226 बहनों के खाते में 03 करोड़ 98 लाख 46 हजार 200 रुपये, विकासखंड कटंगी की 34 हजार 999 बहनों के खाते में 05 करोड़ 08 लाख 98 हजार 300 रुपये, विकासखंड खैरलांजी की 31 हजार 633 बहनों के खाते में 04 करोड़ 61 लाख 97 हजार 700 रुपये, विकासखंड किरनापुर की 38 हजार 676 बहनों के खाते में 05 करोड़ 66 लाख 82 हजार रुपये, विकासखंड लालबर्रा की 37 हजार 604 बहनों के खाते में 05 करोड़ 47 लाख 26 हजार 600 रुपये, विकासखंड लांजी की 38 हजार 619 बहनों के खाते में 05 करोड़ 65 लाख 50 हजार 900 रुपये, विकासखंड परसवाड़ा की 22 हजार 353 बहनों के खाते में 03 करोड़ 23 लाख 91 हजार 500 रुपये एवं विकासखंड वारासिवनी की 33 हजार 229 बहनों के खाते में 04 करोड़ 83 लाख 18 हजार 700 रुपये की राशि जमा की जाएगी।

इसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका बालाघाट की 8933 बहनों के खाते में 01 करोड़ 28 लाख 53 हजार 700 रुपये, नगर पालिका मलाजखंड की 5863 बहनों के खाते में 84 लाख 11 हजार 700 रुपये, नगर पालिका वारासिवनी की 3803 बहनों के खाते में 54 लाख 58 हजार 700 रुपये, नगर परिषद बैहर की 2685 बहनों के खाते में 37 लाख 97 हजार 900 रुपये, नगर परिषद कटंगी की 2455 बहनों के खाते में 35 लाख 58 हजार 900 रुपये तथा नगर परिषद लांजी की 2420 बहनों के खाते में 34 लाख 78 हजार 200 रुपये की राशि जमा की जाएगी ।

लाडली बहना योजना के अंतर्गत बालाघाट जिले की 03 लाख 45 हजार से अधिक बहनों को योजना प्रारंभ होने से लेकर 12 नवम्बर 2025 तक 1286 करोड़ 87 लाख रुपए की राशि प्राप्त हो चुकी होगी। यह एक बड़ी राशि है और इसने जिले की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। इतनी बड़ी राशि के जिले में आने से जिले की अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-

हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

लाल किला में बम धमाके से बालाघाट में हाई अलर्ट

बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन में चलाया गया सघन चेकिंग अभियान

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। दिल्ली स्थित लाल किले के पास एक चलती हुई कार में हुए बम धमाके ने पूरे देश को झंझोड़ कर रख दिया है।जिसको देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है।एक दिन पूर्व सोमवार को दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर पूरे प्रदेश में सार्वजनिक और भीड़ भाड़ वाली जगहो पर सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया गया है। जिसका एक नजारा मंगलवार की शाम नगर के बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन परिसर में देखने को मिला। जहां बीडीडीएस और पुलिस टीम ने संदिग्ध जगहो में रखे सामानों की जांच की, तो वहीं बस और ट्रेन के अंदर पहुंचकर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान यात्रियों को भी समझाइए दी गई।जिसमे संदिग्ध वस्तुएं या व्यक्ति नजर आने पर मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दिए जाने की अपील भी गई है।

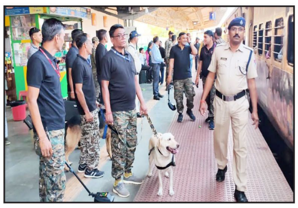

छावनी में तब्दील हुआ रेलवे स्टेशन

अलर्ट को देखते हुए मंगलवार को पुलिस, बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) और स्नेपर डॉग के साथ टीम ने बस और रेलवे स्टेशन में जांच अभियान चलाया। सायंकाल 4 बजे से 5 बजे तक तकरीबन एक घंटा तक पुलिस ने रेलवे स्टेशन में जांच की। स्नेपर डॉग के साथ बम निरोधक दस्ते ने यंत्रो की मदद से रेलवे स्टेशन में खड़े गोंदिया-जबलपुर ट्रेन के भीतर, रेलवे डिब्बे में जांच की। साथ ही स्टेशन में संदिग्ध नजर आ रहे लोगों की जानकारी के साथ ही संदिग्ध बैगों की तलाशी ली गई। जिसके बाद पुलिस बस स्टेशन पहुंची और यहां भी सुरक्षा के मद्देनजर, बसो, संदिग्ध व्यक्ति और सामानों की जांच की गई। इस दौरान पूरा परिसर छावनी में तब्दील सा नजर आया।

अलर्ट के तहत चलाया जा रहा चेकिंग अभियान- वैशाली सिंह

औपचारिक चर्चा के दौरान सीएसपी वैशालीसिंह कराहलिया ने बताया कि दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट को लेकर जिले में अलर्ट है। जिसके चलते वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जिले में रेल्वे स्टेशन और बस स्टैंड, पुलिस के साथ बीडीडीएस टीम, स्नेपर डॉग की मदद से संदिग्ध व्यक्तियों, सामानो की तलाशी ले रही है। जो बड़े लगेज है, उन्हें चेक किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन में लंबे समय से रखे लावारिश वाहनों की भी जानकारी ली जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट